शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 288 | गुवाहाटी | मंगलवार, 16 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

पूर्वोत्तर के रेलवे स्टेशनों पर स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी पेज 3
भारतीय सेना प्रमुख मिस्र के दौरे पर, आपसी हित के मुद्दों पर होगी चर्चा पेज 4
देश और विदेशी उद्यमियों की मदद को उद्यमी मित्र सेलेक्ट पेज 5
अपनी ही सरकार के खिलाफ पायलट ने दी आंदोलन की चेतावनी पेज 8

देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी : हिमंत विश्व शर्मा

करीमनगर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जल्द ही देश में लागू की जाएगी और बहुविवाह प्रथा समाप्त हो जाएगी। वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एवं लोकसभा सदस्य बी। संजय कुमार द्वारा करीमनगर में आयोजित हिंदू एकता यात्रा को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि भारत में कुछ लोग सोचते हैं कि वे चार महिलाओं से शादी कर सकते हैं। लेकिन, मेरा कहना है कि आप चार शादी नहीं कर पाएंगे। वह वक्त अब समाप्त होने जा रहा। वह दिन दूर नहीं है। समान नागरिक संहिता भारत में लागू होने वाली है और देश को सही मायने में एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने का भी वक्त आ गया है। असम के मुख्यमंत्री ने हाल में कहा था कि राज्य सरकार ने बहुविवाह प्रथा समाप्त करने के लिए कानून लागू करने के वास्ते राज्य विधानसभा की विधायी शक्ति की पड़ताल के लिए चार सदस्यीय एक विशेषज्ञ समिति गठित की है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का नाम लिए बगैर शर्मा ने कहा कि तेलंगाना में राजा के शासन की जगह राम राज्य आने वाला है। उन्होंने कहा कि *राजा* के पास पांच महीने ही बचे हैं। उन्होंने कहा कि राजा के पास सिर्फ पांच महीने बचे हैं। हमें तेलंगाना में राम राज्य चाहिए और यही हमारा लक्ष्य है। हिंदू सभ्यता के आधार पर हमें तेलंगाना में राम राज्य बनाना है। तेलंगाना में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। शर्मा ने कहा कि तेलंगाना सरकार बार-बार बंडी संजय कुमार को गिरफ्तार करती है और वह बाहर आ जाते हैं तथा सरकार उन्हें जेल में रखने में सफल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जैसे हनुमान जी ने राम राज्य की स्थापना की, हमें विश्वास है कि बंडी संजय तेलंगाना में राम राज्य स्थापित करेंगे। शर्मा लोगों से द केरल स्टोरी फिल्म देखने की अपील की। असम के मुख्यमंत्री ने अपने राज्य में 600 मदरसों को बंद करने का उल्लेख करते हुए कहा कि आज हम असम में लव जिहाद के खिलाफ काम कर रहे हैं। हम राज्य में मदरसों की शिक्षा को बंद करने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए शर्मा ने कहा कि नया भारत उनसे नहीं डरता। शर्मा ने कहा कि मैं ओवैसी से कहना चाहता हूं कि मैं इस साल 300 और मदरसों को बंद कर दूंगा। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद टेलीविजन पर कुछ लोगों को यह कहते सुना कि देश में हिंदू के नाम पर और कुछ नहीं होगा। शर्मा ने कहा कि जब -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ होगी कार्रवाई : सीएम

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि ऑपरेशन के निलंबन (एसओओ) के बाद अवैध हथियार रखने के लिए राज्य के उग्रवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जनहानि और संपत्तियों के नुकसान के लिए मणिपुर के लोगों के प्रति केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से हार्दिक संवेदना व्यक्त की। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को पूर्वोत्तर राज्य के कुकी बहुल जिलों के लिए एक अलग प्रशासन के लिए अपनी ही पार्टी के सात सहित 10 विधायकों की मांगों को खारिज करते हुए कहा कि मणिपुर

की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की जाएगी। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए सिंह ने कहा कि कल हमने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राज्य के विवरण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। इसके अलावा सिंह ने कहा कि अमित शाह ने राज्य सरकार में शांति बहाल के लिए कहा। कुकी नेशनल आर्मी और जोमी रिवोल्यूशनरी आर्मी के साथ उग्रवादी समूहों के साथ ऑपरेशन के निलंबन (एसओओ) के संबंध में, अमित शाह ने राज्य के लोगों को आश्वासन दिया कि समझौते के नियमों के अनुसार, सेना, संयुक्त निगरानी समिति और राज्य पुलिस ने संयुक्त रूप से कई शिविरों का निरीक्षण किया है, जहां हथियार मिले -शेष पृष्ठ दो पर

इस वर्ष 300 और मदरसों को बंद कर देंगे : असम के सीएम

करीमनगर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधा है और कहा है कि वह इस साल 300 और मदरसों को बंद कर देंगे। करीमनगर में एक सभा को संबोधित करते हुए, सीएम शर्मा ने कहा कि हम असम में लव जिहाद को रोकने के लिए काम कर रहे हैं, और हम राज्य में मदरसों को बंद करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। मेरे सीएम बनने के बाद मैंने असम में 600 मदरसों को बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं ओवैसी को बताना चाहता हूं कि -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा में 40 से अधिक मंदिर हुए नष्ट : विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सोमवार को मणिपुर में हुई हिंसा की निंदा करने के साथ-साथ राज्य में शांति की अपील की है। दरअसल राज्य में हाल की हिंसक झड़पों में अब

तक 73 लोगों की मौत हो चुकी है। इस जातीय संघर्ष के दस दिनों के बाद हजारों लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं। वीएचपी के राष्ट्रीय महासचिव मिलिंद परांडे ने एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि में राज्य में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़पों के दौरान न केवल चर्च ही नहीं बल्कि मंदिरों को भी नष्ट किया गया है। परांडे ने कहा कि मणिपुर में हिंसा निंदनीय है। वीएचपी शांति की अपील करती है। साथ ही हिंसा की घटनाओं को तुरंत बंद करने की जरूरत है। उन्होंने ये भी कहा कि ऐसी गलत धारणा बनाई जा रही है कि हिंसा में केवल चर्चों को ही नुकसान पहुंचा है। वीडियो में उन्होंने हिंसा के दौरान मेइती समुदाय -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सेवा की राजनीति से मिलता है वोट : गडकरी

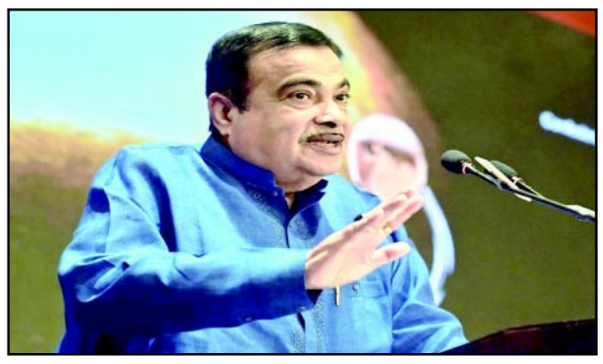

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को *सेवा की राजनीति* पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह अगले चुनाव में अपने निर्वाचन क्षेत्र में कोई पोस्टर नहीं लगाएंगे या लोगों को चाय की पेशकश नहीं करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वोट *पोस्टर और बैनर* के बजाय सेवा की राजनीति के आधार पर जीते जाते हैं। गडकरी राजस्थान के सीकर जिले के खाचरियावास गांव में पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। गडकरी ने कहा कि उन्होंने पिछला चुनाव बहुत कठिन निर्वाचन क्षेत्र (नागपुर) से लड़ा था और लोगों ने उन्हें वहां से चुनाव नहीं लड़ने के लिए कहा था कि लेकिन वह दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े। भाजपा नेता ने कहा कि अब मैंने तय किया है कि अगले चुनाव में मैं कोई पोस्टर या बैनर नहीं लगाऊंगा, मैं किसी को चाय नहीं दूंगा -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर मेगा अभियान 30 से

नई दिल्ली। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने के मौके पर भाजपा खास अभियान चलाने वाली है। ये अभियान विशेष संपर्क अभियान होगा जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। 30 मई को एक बड़ी रैली होगी। इसी रैली में पीएम मोदी संपर्क अभियान की शुरुआत करेंगे। 31 मई को भी पीएम मोदी रैली करेंगे। जानकारी के मुताबिक ये रैली चुनावी राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में हो सकती है। माना जा रहा है कि भाजपा

जून से ही अगले चुनावी अभियान का आगाज कर देगी। जानकारी के मुताबिक हर लोकसभा क्षेत्र में विशेष संपर्क अभियान चलाया जाएगा। ये अभियान 30 मई से शुरू होकर एक महीने तक चलेगा और 30 जून को खत्म होगा। इसके तहत सभी जिला, मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ पर विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे और मोदी सरकार की नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाया जाएगा। अभियान में भाजपा के 51 वरिष्ठ नेताओं को भी शामिल किया गया है जो पूरे देश में 51 रैली करेंगे। इसके अलावा 396 लोकसभा सीटों पर भी रैली कराने की योजना है जिसमें केंद्रीय मंत्री या राष्ट्रीय पदाधिकारी का मौजूद रहना जरूरी है। इसके अलावा भाजपा की योजना संपर्क से भी समर्थन प्राप्त करने की है। इसके तहत देश के एक लाख खास परिवारों से संपर्क किया जाएगा। इस अभियान में नेता प्रतिपक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के अन्य वरिष्ठ सदस्य शामिल होंगे। प्रदेश के प्रभावशाली व्यक्तियों जैसे खिलाड़ी, कलाकार, उद्योगपति, शहीद और अन्य प्रसिद्ध परिवारों से संपर्क साधा जाएगा। देशभर में प्रेस कांफ्रेंस कराने की -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

डॉक्टरों को जेनरिक दवा नहीं लिखने पर केंद्र सरकार ने चेताया

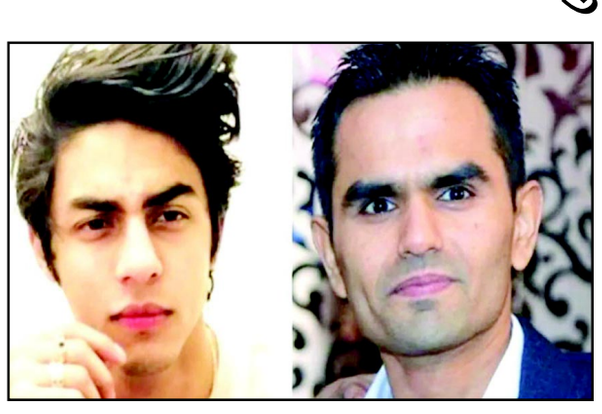

नई दिल्ली। देश में जेनरिक दवाओं के इस्तेमाल को लेकर केंद्र सरकार अब सख्त हो गई है। सरकार ने सोमवार को एक आदेश जारी कर अपने सभी डॉक्टरों को जेनरिक दवा लिखने की हिदायत दी है। सरकार ने कहा कि अगर डॉक्टर अपनी पर्ची में जेनरिक दवा नहीं लिखते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य सेवा के डायरेक्टर जनरल ने आदेश जारी करते हुए बात की वार्निंग दी है कि जो कोई भी डॉक्टर जेनरिक दवाओं को अपने पर्ची में शामिल नहीं करेगा उसके खिलाफ सख्त एक्शन -शेष पृष्ठ दो पर

वानखेड़े के खिलाफ एफआईआर में आर्यन खान से डील का खुलासा

मुंबई। आर्यन खान को नहीं फंसाने के बदले में रिश्वत मांगने को लेकर समीर वानखेडे को लेकर एक नया खुलासा हुआ है। नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के मुंबई जोन के पूर्व डायरेक्टर के खिलाफ सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की है जिसमें आर्यन खान को नहीं फंसाने के बदले में 25 करोड़ की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। वहीं, एफआईआर के मुताबिक, समीर वानखेड़े के इशारे पर ही गोसावी ने आर्यन खान मामले

में 25 करोड़ की मांग की थी। इतना ही नहीं गोसावी ने 18 करोड़ में डील पक्की की थी और इसके लिए गोसावी ने 50 लाख रुपए पेशगी के तौर पर भी लिए थे। जांच में समीर वानखेड़े ने अपनी विदेश यात्रा के बारे में भी सही जानकारी नहीं दी थी। इसके अलावा समीर वानखेड़े के पास आय से अधिक संपत्ति भी प्राथमिकी में दर्ज है। इससे पहले सीबीआई ने समीर वानखेड़े सहित अन्य के मुंबई, दिल्ली और -शेष पृष्ठ दो पर

कठिन शब्दों में बना ड्राफ्ट कानूनी विवाद खड़ा करता है : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि कठिन शब्दों में ड्राफ्ट किया हुआ कानून हमेशा विवाद खड़ा करता है। कानून जितना सरल और स्पष्ट शब्दों में लिखा होता है, उतना ही अविवादित होता है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने सोमवार को संसद भवन परिसर में विधायी प्रारूपण पर आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अदालत को हस्तक्षेप करने का मौका न मिले, ऐसा कानून -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

गरीब धन की इच्छा करता है, पशु बोलने योग्य होने की, आदमी स्वर्ग की इच्छा करते हैं और धार्मिक लोग मोक्ष की।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

कांग्रेस 200 सीटों पर लड़े तो हम करेंगे उनका समर्थन : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव में विरोधी दलों के गठबंधन को लेकर सोमवार को साफ कर दिया है कि जो पार्टी जिस राज्य में मजबूत है। वहां वह भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़े। सभी को लेवल प्लेइंग फील्ड मिलनी चाहिए। ममता बनर्जी ने साल 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर विरोधी दलों के गठबंधन के सवाल पर यह जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 200 सीटों पर लड़े, तो -शेष पृष्ठ दो पर

विनाशकारी खाद्य संकट का सामना कर रहा अफगानिस्तान : विश्व बैंक

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान राज दैरान देश की आधी से ज्यादा आबादी दुनिया के सबसे बड़े मानवीय संकट का सामना कर रही है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अफगानिस्तान उन सात देशों में से एक है जो खाद्य संकट के भयावह स्तर का सामना कर रहा हैं। सात खाद्य संकटग्रस्त देशों में अफगानिस्तान बुर्किना फासो हैती नाइजीरिया सोमालिया दक्षिण सूडान और यमन शामिल हैं। यूनिसेफ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अफगानिस्तान दुनिया के सबसे खराब मानवीय संकटों में से एक है। 15 मिलियन से अधिक बच्चों सहित 28 मिलियन से अधिक लोगों को इस साल मानवीय और संरक्षण सहायता की आवश्यकता है। अगस्त

में तालिबान ने देश की सत्ता पर कब्जा किया और तभी से हालात बदतर होते चले गए। जनता भूख से तड़प रही है और खाने के लिए अफगान के लोग अपने बच्चों को बेचने पर मजबूर हो रहे है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अफगानिस्तान उन सात देशों में से एक है, जो खाद्य संकट के भयावह स्तर का सामना कर रहा हैं। खामा प्रेस के हवाले से विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में इसका दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, सात खाद्य संकटग्रस्त देशों में अफगानिस्तान, बुर्किना फासो, हैती, नाइजीरिया, सोमालिया, दक्षिण सूडान और यमन शामिल हैं। 2017 में ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस के आंकड़ों की रिपोर्टिंग शुरू -शेष पृष्ठ दो पर

अंबुबासी मेला : प्रशासन की एनजीओ के साथ बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। आगामी अंबुबासी मेले में देश भर से आने वाले श्रद्धालुओं के बीच आहार वितरण व्यवस्था के संदर्भ में चर्चा के लिए आज कामरूप (मेट्रो) जिला उपायुक्त कार्यालय में अतिरिक्त उपायुक्त डॉ ध्रुवज्योति हजारिका की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित किया गया। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त विक्रम छेत्री और आपूर्ति विभाग के उप निदेशक की उपस्थिति में आयोजित बैठक में पिछले वर्षों में श्रद्धालुओं के शिविरों में आहार की व्यवस्था करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। संस्थाओं के लिए जिला प्रशासन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

सोनारी में हाईवे पर चलती गाड़ी में लगी आग

चराइदेव (हिंस) । चराईदेव जिला मुख्यालय शहर सोनारी में हाईवे पर एक चलती गाड़ी में अचानक आग लग गई। जिसके चलते इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि घटना सोनारी के जपीधारा इलाके में घटी। *महिंद्रा जीत* वाहन (एएस-33सी-0486) हाइवे पर चलते समय अचानकआग लग गई। यह घटना उस समय हुई जब वाहन का मालिक अबीदुर रहमान काकतीबाड़ी से सोनारी की ओर जा रहा था। वाहन में आग लगते देख चालक ने तत्परता से वाहन को सड़क के किनारे रोककर अपनी जान बचाने में सफल रहा। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। बताया गया है कि यांत्रिक गड़बड़ी के चलते वाहन में आग लगी होगी।

सीएम पद पर सस्पेंस के बीच शिवकुमार ने कहा–

मेरी ताकत 135, बढ़ा सकते हैं आलाकमान की मुश्किलें

बेंगलुरू । कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के लिए शिवकुमार और पार्टी के वरिष्ठ सहयोगी सिद्धारमैया को समर्थन देने वाले विधायकों की संख्या की अटकलों के बीच डी के शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि उनकी अध्यक्षता में पार्टी को 135 विधायक मिले हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें सिद्धारमैया के साथ पार्टी आलाकमान ने दिल्ली बुलाया है और वह व्यक्तिगत कारणों की वजह से वहां देर से जा रहे हैं। रविवार को बेंगलुरु में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में एकत्र विधायकों की राय पर उसके पर्यवेक्षकों द्वारा एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद, कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व नए मुख्यमंत्री पर फैसला करेगा। शिवकुमार ने कहा कि हमने एक लाइन का प्रस्ताव रखा था, जिसमें कहा गया था कि हम इस मामले को पार्टी आलाकमान पर छोड़ देंगे, उसके बाद कुछ ने अपनी निजी राय साझा की होगी। मेरे पास दूसरे की संख्या के बारे में बोलने की ताकत नहीं है, मेरी ताकत 135 है, मैं हूं पार्टी अध्यक्ष और मेरी अध्यक्षता में, पार्टी ने डबल इंजन (भाजपा) सरकार, भ्रष्ट प्रशासन

और लोगों की पीड़ा के खिलाफ कर्नाटक में 135 सीटें जीती हैं। लोगों ने हमारा समर्थन किया है और हमें 135 सीटों पर जीत दिलाई है। शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस के अभियान और एकता के बारे में पूरे देश में प्रशंसा हुई है, लेकिन समय पर्याप्त नहीं था और अगर स्थानीय स्तर से अधिक सहयोग होता तो हम और भी बेहतर कर सकते थे और सीटों को और अधिक बढ़ा सकते थे। लेकिन हम खुश हैं। रविवार शाम को बेंगलुरु के एक निजी होटल में हुई सीएलपी ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खरगे को अपना नेता चुनने के लिए अधिकृत करते हुए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया, जो कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री होगा। यह देखते हुए कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें और सिद्धारमैया को दिल्ली बुलाया है। शिवकुमार ने कहा कि उन्हें दिल्ली जाने में देर हो सकती है। चूंकि आज मेरा जन्मदिन है, बहुत सारे लोग मुझे बधाई देने आए हैं। मुझे अपने परिवार के साथ अपने देवता के दर्शन करने हैं, वहां जाकर मैं दिल्ली के लिए निकलूंगा। मुझे नहीं पता कि मैं किस समय दिल्ली जाऊंगा। मुझे जो भी फ्लाइट मिलेगी, मैं लूंगा। राज्य कांग्रेस और उसके नेताओं ने उन्हें एक साथ काम करने और कर्नाटक में कांग्रेस सरकार देने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि हम अपना वादा निभाएंगे और बाकी (मुख्यमंत्री और मंत्री), आलाकमान फैसला करेगा। शिवकुमार ने कहा कि मैं किसी भी दावे या किसी भी चीज का जवाब नहीं देना चाहता। मैं एक अकेला आदमी हूं, मैं एक बात में विश्वास करता हूं कि साहस वाला अकेला आदमी बहुमत बनाता है। मैंने इसे साबित कर दिया है। मैं यह खुलासा नहीं करना चाहता कि पिछले पांच सालों में क्या हुआ है और भविष्य में मैं इसका खुलासा करूंगा।

चाय श्रमिकों को उचित मजदूरी देने की मांग

शोणितपुर (हिंस) । अगर चाय श्रमिकों को उनकी उचित मजदूरी नहीं मिली तो आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा सरकार इसका खामियाजा भुगतेगी। शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर में आट्सा समेत विभिन्न चाय जनजाति के छात्र एवं महिला संगठनों ने राज्य सरकार को चेतावनी दी। चाय जनजातीय संगठनों ने राज्य में छोटे चाय बागानों के साथ-साथ बॉटललीफ कारखानों के श्रम कानूनों के पंजीकरण और प्रवर्तन के साथ-साथ श्रमिकों के लिए 232 रुपए की न्यूनतम मजदूरी लागू करने और बॉटललीफ फैक्ट्री में बाल श्रम को बंद करने की मांग को लेकर आज तेजपुर के श्रम आयुक्त कार्यालय के सामने चाय श्रमिक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। आट्सा नेताओं ने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव से पहले इन मांगों को लागू नहीं किया गया तो भाजपा को कर्नाटक जैसे ही नतीजे मिलेंगे।

मणिपुर हिंसा : असम राइफल्स ने तनाव कम करने में अहम भूमिका निभाई

इंफाल (हिंस) । मणिपुर में लगातार हिंसा के बीच असम राइफल्स ने तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य में सामान्य स्थिति लाने के प्रयासों में ज्वालामुखी सेक्टर के असम राइफल्स ने कुकी और मैतेई समुदायों के नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) के साथ विभिन्न सुरक्षा बैठकें की हैं, यह सिलसिला अभी भी चल रहा है। असम राइफल्स (पूर्व) के महानिरीक्षक मेजर जनरल वीके नांबियार के नेतृत्व में असम राइफल्स ज्वालामुखी सेक्टर के उप महानिरीक्षक ब्रिगेडियर बिक्रम सैनी ने इन बैठकों की अध्यक्षता की, जिसमें दोनों समुदायों के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। केपीआई में कुकी सीएसओ और लीमाखोंग में मैतेई सीएसओ के साथ बैठक के दौरान कई अहम एजेंडों पर चर्चा की गई। दोनों समुदायों के सीएसओ ने बैठक के आयोजन के प्रयासों की सराहना की और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। समस्याओं का विधिवत समाधान किया गया और उन्हें आश्वासन दिया गया कि असम राइफल्स राज्य में सामान्य स्थिति लाने के लिए अपना निष्पक्ष समर्थन देना जारी रखेगी।

भवरागुड़ी में ई-रिक्शा चालक पर धारदार हथियार से हमला

कोकराझाड़ (हिंस) । कोकराझाड़ जिलांतर्गत गोसाईगांव के भवरागुड़ी में आज (सोमवार) एक ई-रिक्शा चालक पर धारदार हथियार से हमला किए जाने के चलते इलाके में सनसनी फैल गई। घायल ई-रिक्शा चालक की पहचान भवरागुड़ी के मंदारपाड़ा निवासी रेजाउल अली के रूप में की गई है। ई-रिक्शा किराए को लेकर असहमति के चलते रेजाउल अली पर धारदार हथियार से हमला किए जाने की जानकारी सामने आयी है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटना कि पूरी जानकारी लेते हुए घायल अली को स्थानीय लोगों की मदद से गोसाईगांव आरएनबी अस्पताल में भर्ती कराया।

नई चाल : आईएसआई ने दाऊद का नाम बदलकर किया हाजी सलीम

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में इन दिनों बहुत ही खराब हालात हैं पूरे देश में सियासी भूचाल मचा हुआ है, लेकिन फिर भी यह पड़ोसी देश भारत के खिलाफ साजिश से बाज नहीं आ रहा है। इस बार खबर सामने आ रही है कि पाकिस्तान ने भारत के सबसे बड़े दुश्मन दाऊद इब्राहिम को बचाने के लिए उनका नाम बदल दिया है। यह नई चाल पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने चली है। आईएसआई इसके जरिए इंटरनेशनल फोरम पर कराची में दाऊद की मौजूदगी को छिपाना चाहती है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को यकीन है कि आईएसआई ने दाऊद का नाम और पहचान बदल दिए हैं। दाऊद की नई पहचनान हाजी सलीम के तौर पर की जा रही है। दाऊद ही वह शख्स है जो कि पाकिस्तान से भारत में ड्रग्स की खेप भेज रहा है। हाजी सलीम नाम के इस ड्रग तस्कर का डोजियर दुनिया में किसी और देश के पास नहीं है। बताया जाता है कि दाऊद ही हाजी सलीम के नाम से समुद्र के रास्ते भारत में बड़ी मात्रा में ड्रग्स की तस्करी कर रहा है। एनसीबी के डीडीजी ऑपरेशन संजय कुमार सिंह ने बताया है कि पिछले एक साल में हाजी सलीम नाम का तस्कर भारत में करीब 40 हजार करोड़ की ड्रग्स भेज चुका है। इसी ड्रग्स में से गुजरात में 13 मई को एनसीबी की टीम ने नेवी की मदद से 12 हजार करोड़ की ड्रग्स बरामद की थी। यह ड्रग्स एक ईरानी बोट से बरामद की गई थी। एनसीबी के सूत्रों की मानें तो पहचान बदलकर दाऊद पाकिस्तान में बैठकर ईरान, बलूचिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका से लेकर भारत तक फैल चुका है। फर्जी नाम और फर्जी पहचान के साथ दाऊद ही अफगानिस्तान में बन रही ड्रग्स को ईरान-श्रीलंका के रास्ते भारत तक भेज रहा है। दाऊद यहां पर अपना नेटवर्क चलाने के लिए सैटेलाइट फोन का इस्तेमाल करता है। सूत्रों के मुताबिक दाऊद ने अपने ड्रग्स के धंधे के लिए पहले ईरान को बेस बनाया हुआ था, इसके बाद उसने श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन का फायदा उठाया और खराब हालात के चलते श्रीलंका में अपना बेस बना लिया। इसके बाद उसे भारत तक पहुंचना और भी आसान हो गया। पिछले एक साल में दाऊद ने भारत में 40 हजार करोड़ की ड्रग्स सप्लाई की है। यह ड्रग्स समुद्र के रास्ते श्रीलंका से भारत तक पहुंचती है।

पृष्ठ एक का शेष

देश में समान नागरिक ...

तक सूरज-चांद रहेगा, भारत में राष्ट्रवाद और सनातन धर्म मौजूद रहेगा। शर्मा ने कहा कि हिंदू एकता किसी धर्म के खिलाफ नहीं है। मेरा मानना है कि जब तक भारत में हिंदू रहेंगे तब तक देश में खुशहाली रहेगी। आज आप पाकिस्तान के हालात देखिए। (आज भारत की बगडोर हिंदू के हाथ में है) आज भारत की बागडोर एक हिंदू के हाथ में है। कुछ लोग कहते हैं भारत पिछड़ा है लेकिन मोदी जी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) ने भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया और देश विश्वगुरु बनेगा। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बारे में उन्होंने कहा कि 10 साल पहले किसी ने इसके बारे में सोचा तक नहीं था और अब यह एक वास्तविकता बन गया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह पहले जम्मू-कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद-370 को निरस्त करने के बारे में किसी ने सोचा नहीं था, लेकिन ऐसा हुआ।

मणिपुर में उग्रवादियों ...

हैं। सीएम बीरेन सिंह ने कहा, अमित शाह ने कहा कि अवैध हथियार रखने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने आश्वासन दिया कि केंद्र राज्य की मौजूदा स्थिति से दृढ़ता से निपटेगा और शांति और सामान्य स्थिति बहाल करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि राज्य की एकता और अखंडता को किसी भी कीमत पर प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। इस बात की भी जांच की जा रही है कि क्या बंदूकें रखने वाले समूह, सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन (एसओओ) के तहत उग्रवादी समूहों के अलावा, हिंसा करने में शामिल थे या नहीं। गृह मंत्री ने हाल ही में हुई हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए क्या किया जा सकता है, इसका विवरण प्रस्तुत करने के लिए भी कहा था और जल्द ही प्रभावित लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था करने का आश्वासन भी दिया है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सभी लोगों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की रैली, धरना-प्रदर्शन में शामिल नहीं हों, ऐसी गतिविधियां राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए की गई पहल को बाधित कर सकती हैं। राज्य सरकार राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि तलहटी में अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है और विभिन्न स्थानों पर खोले गए आश्रय शिविरों में रहने वाले लोगों के लिए आवश्यक वस्तुएं पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे अफवाहों और असत्यापित सूचनाओं पर विश्वास न करें। मौजूदा स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है और यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो यह हमारी भावी पीढ़ी के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए राज्य सरकार के प्रयास में नागरिक समाज संगठनों का समर्थन मांगा। इस मौके पर बिजली मंत्री थोंगम विश्वजीत, महूद मंत्री युमनाम खेमचंद, निर्माण मंत्री गोविंददास कोंथौजम, आईपीआर मंत्री डॉ. सपम रंजन और राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष सोरोखैबम राजेन भी उपस्थित थे।

इस वर्ष 300 और ...

मैं इस साल 300 और मदरसों को बंद कर दूंगा। इससे पहले मार्च में सीएम शर्मा ने कहा था कि उन्होंने 600 मदरसों को बंद कर दिया है और उन सभी को बंद करने का इरादा है क्योंकि वह इसके बजाय कॉलेज, स्कूल और विश्वविद्यालय बनाना चाहते हैं। बेलगावी में *शिव चरिते* के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेश के लोग असम आते हैं और हमारी सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा पैदा करते हैं। मैंने 600 मदरसों को बंद कर दिया है और मेरा इरादा सभी मदरसों को बंद करने का है क्योंकि हम मदरसे नहीं चाहते हैं। हम स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय चाहते हैं। जनवरी में, सीएम शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में मदरसों की संख्या कम करना चाहती है और प्रणाली का पंजीकरण शुरू करना चाहती है। एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए, असम के सीएम ने कहा कि हम पहले चरण में राज्य में मदरसों की संख्या कम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम मदरसों में सामान्य शिक्षा देना चाहते हैं और मदरसों में पंजीकरण की व्यवस्था शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे अल्पसंख्यक समुदाय के साथ काम कर रहे हैं और इसमें मदद भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम इस पर समुदाय के साथ काम कर रहे हैं और वे असम सरकार की भी मदद कर रहे हैं।

मणिपुर हिंसा में 40...

के 40 से अधिक मंदिरों को भी नष्ट करने की भी बात कही गई है। साथ ही इनका पुनर्निर्माण करने की अपील की गई है। वीडियो में उन्होंने बताया कि वीएचपी प्रभावित लोगों की सेवा कर रहा है और उन्हें भोजन और स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान कर रहा है। मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में 3 मई को 10 पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किए जाने के बाद मणिपुर में हिंसक झड़पें हुईं। आरक्षित वन भूमि से कूकी ग्रामीणों को बेदखल करने पर तनाव से पहले हिंसा हुई थी, जिसके कारण कई छोटे-छोटे आंदोलन हुए थे। इन झड़पों में कुल 73 लोग मारे गए और 231 घायल हुए। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में हिंसा के दौरान धार्मिक स्थलों सहित 1,700 घर भी जलाए गए।

सेवा की राजनीति ...

और न ही कुछ करूंगा। जो लोग मुझे वोट देना चाहते हैं वे ऐसा करेंगे और जो नहीं करना चाहते हैं, वे नहीं करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि वह पिछली बार की तुलना में बड़े अंतर से चुनाव जीतेंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि सेवा की राजनीति की अवधारणा आरएसएस के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा लाई गई थी, और उन्होंने इस अवधारणा पर अपनी राजनीति को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि राजनीति की सबसे बड़ी समस्या विचारों का खालीपन है। भैरों सिंह शेखावत सिद्धांतों पर कायम रहे और उन्होंने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। नितिन गडकरी ने कहा कि शेखावत के लिए राजनीति लोगों की सेवा करने का माध्यम और सामाजिक-आर्थिक सुधार का एक साधन थी। उन्होंने कहा कि उपाध्याय ने भाजपा को राष्ट्रवाद की विचारधारा दी जो पार्टी की आत्मा है। राष्ट्र सर्वोपरि है। हमें देश के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करना है। उन्होंने कहा कि सुशासन और विकास हमारा मिशन है। उपाध्याय ने अंत्योदय की अवधारणा दी जिसका अर्थ है विकास को अंतिम व्यक्ति तक ले जाना। हमारा उद्देश्य उन लोगों को भोजन, आश्रय, वस्त्र प्रदान करना है जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से हाशिए पर हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जब हम ऐसा करने में सक्षम होंगे, तो हमारा मिशन पूरा हो जाएगा।

मोदी सरकार के ...

योजना है। ये प्रेस कांफ्रेंस 29 मई होगी। प्रदेश की राजधानियों में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, नेता प्रतिपक्ष जैसे लोग प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। शाम को वे सभी सोशल मीडिया इंफ्लुअर्स के साथ बातचीत करेंगे और सरकार की उपलब्धियों बताएंगे। यह अभियान 30 और 31 मई को होगा। वहीं 22 जून तक दूसरे कार्यक्रम भी होंगे। इनमें हर लोक सभा सीट पर एक प्रेस वार्ता करना, प्रबुद्ध व्यक्तियों का सम्मेलन करना, सोशल मीडिया इंफ्लुअर्स की मीटिंग करना, व्यापारी सम्मेलन करना, विकास तीर्थ कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है। इसके अलावा विधानसभा स्तर पर भी कार्यक्रम करने की योजना है इनमें वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बैठक, सातों मोर्चों का संयुक्त सम्मेलन, और योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है। 23 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 10 लाख बूथों पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करने का कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम श्यामाप्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आयोजित होना है। इसके अलावा 20 से 30 जून यानी 10 दिनों तक तक घर-घर संपर्क अभियान भी चलाया जाना है। इसकी योजना के लिए प्रदेश कार्यसमिति की बैठक होगी। यह बैठक 16, 17 और 18 मई को होगी। प्रदेश अभियान समिति के सभी सदस्य, सांसद, विधायक, महापौर जैसे कई लोग इसमें शामिल होंगे।

डॉक्टरों को जेनरिक...

लिया जा सकता है। आदेश में कहा गया है कि कुछ डॉक्टरों की ओर से ब्रांडेड दवाएं लिखी जा रही है जो कि ठीक नहीं है। टीवी9 भारतवर्ष को मिली जानकारी के मुताबिक इसके अतिरिक्त मेडिकल रिप्रजेंटेटिव का डॉक्टरों से मिलने के लिए भी नए दिशा निर्देश जारी किया गया है। डॉ अतुल गोयल ने अपने नोटिस में डॉक्टरों को इस बात की हिदायद दी है कि किसी भी सूरत में अपनी पर्ची पर केवल जेनरिक दवाओं को ही लिखें। उन्होंने यह फरमान जारी किया है कि बहुत सारे मामलों में कमेटी ने यह पाया है कि कई ऐसे डॉक्टर हैं जो अपनी पर्ची पर जेनरिक दवाओं का नाम नहीं लिख रहे हैं। ऐसे में जरूरी यह है कि इस बात को पूरी तरह से अमली जामा पहनाया जाए और पर्ची पर केवल और केवल जेनरिक दवाएं ही लिखी जाए। गौरतबल है कि पहले भी ऐसे आदेश जारी किए गए थे उसके बाद भी कुछ डॉक्टरों की ओर से पर्ची पर ब्रांडेड दवाएं लिखी जा रही है। ब्रांडेड दवाएं लिखने के पीछे एक जेनरिक दवाइयों की उपलब्धता को भी जिम्मेदार ठहराया जाता है। अधिकतर सरकारी अस्पतालों में जेनरिक दवाओं की कमी के मामले भी सामने आ चुके हैं। आमतौर पर जेनरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में काफी सस्ती होती हैं। सत्ती होने की वजह से मरीजों पर आर्थिक बोझ नहीं बढ़ता है। ब्रांडेड और जेनरिक दवाओं की कीमत में जमीन-आसमान का फर्क होता है।

वानखेड़े के खिलाफ ...

कानपुर में 29 परिसरों की तलाशी ली। कॉर्डलिया क्रूज ड्रग बस्ट मामले के दौरान वानखेड़े नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई जोन का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने दो अक्तूबर 2021 की रात को मुंबई तट पर कॉर्डलिया जहाज पर छापा मारने के लिए अधिकारियों की एक टीम का नेतृत्व किया। छापे में एनसीबी ने 13 ग्राम कोकीन, 5 ग्राम मेफेड्रोन, 21 ग्राम मारिजुआना, एमडीएमए की 22 गोलियां और 1.33 लाख रुपए नकद जब्त करने का दावा किया, जिसके बाद उन्होंने आर्यन खान सहित 17 लोगों को गिरफ्तार किया। सीबीआई की ओर से जारी एक बयान के अनुसार सीबीआई ने मुंबई जोन के एनसीबी के तत्कालीन जोनल निदेशक समीर वानखेड़े, एनसीबी के तत्कालीन अधीक्षक विश्वास विजय सिंह, तत्कालीन खुफिया अधिकारी आशीष रंजन, केपी गोसावी और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बयान में कहा गया है कि इन सभी लोगों ने अनुचित लाभ के लिए अन्य लोगों के साथ आपराधिक साजिश रची थी साथ ही कथित रूप से अभियुक्तों से रिश्वत के रूप में अनुचित लाभ प्राप्त किया।

कठिन शब्दों में बना ...

बनाना अच्छे कानून के ड्राफ्टिंग का मॉडल है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सरल और स्पष्ट भाषा में कानून को ड्राफ्ट करने का होना चाहिए। शाह ने आज संसद, राज्य विधानसभाओं, विभिन्न मंत्रालयों और वैधानिक निकायों के केंद्र और राज्यों के अधिकारियों के लिए आयोजित लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग सम्बन्धी ट्रेनिंग प्रोग्राम को संबोधित करते हुए कहा कि लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग हमारे लोकतंत्र का बहुत महत्वपूर्ण अंग है। इसके बारे में जानकारी का अभाव न केवल कानूनों और पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था को निर्बल करता है, बल्कि न्याय प्रणाली के कार्यों को भी प्रभावित करता है। उन्होंने आगे कहा कि लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए इसके स्किल में समयानुसार बदलाव, बढ़ोत्तरी और अधिक दक्षता होती रहनी चाहिए । शाह ने कहा कि संसद और केंद्रीय मंत्रिमंडल की राजनीतिक इच्छा को कानून के सांचे में ढालने का काम लेजिस्लेटिव डिपार्टमेंट का होता है। उन्होंने कहा कि पॉलिटिकल विल, लोगों की समस्याओं के समाधान के रास्तों और देश की अलग-अलग जरूरतों को कानून स्वरूप देने का काम लेजिस्लेटिव विभाग का है और इसलिए ड्राफ्टिंग बहुत महत्वपूर्ण है। शाह ने आगे कहा कि ड्राफ्टिंग जितनी अच्छी होगी, शिक्षा उतनी ही सरल हो जाएगी और एक्जीक्यूटिव द्वारा गलती करने की संभावना उतनी ही कम हो जाएगी। उन्होंने कहा कि ड्राफ्टिंग में ग्रे एरिया छोड़ने से व्याख्या करते समय इसमें एन्क्रोचमेंट की संभावना रहेगी और अगर ड्राफ्टिंग परिपूर्ण व स्पष्ट है तो इसकी व्याख्या भी स्पष्ट हो जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कैपेसिटी बिल्डिंग एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और राज्यों के विधान मंडलों, देश की संसद और राज्यों व देश के हर विभाग में कानून बनाने वाली टीम के स्किल का अपग्रेडेशन होना बहुत जरूरी है। दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है और हमें बदलती हुई दुनिया के साथ कदम उठाने होंगे। कानूनों को आज की जरूरतों के हिसाब से नए सांचे में भी ढालना होगा। अगर हम इतना खुलापन नहीं रखते हैं तो हम कालबाह्य और अप्रासंगिक हो जाएंगे। उल्लेखनीय है कि संसद, राज्य विधानसभाओं, विभिन्न मंत्रालयों और वैधानिक निकायों के केंद्र और राज्यों के अधिकारियों के लिए लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग संबंधी ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, अर्जुन राम मेघवाल और केंद्रीय गृह सचिव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विनाशकारी खाद्य संकट...

करने के बाद से इन देशों में खाद्य संकट का सामना करने वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक बढ़ी है। इस बीच, यूनिसेफ ने यह भी चेतावनी दी है कि देश में व्यापक मानवीय संकट के बीच फडिंग की कमी के कारण अफगानिस्तान महत्वपूर्ण खाद्य सहायता की कमी का सामना कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (एनआईसीईएफ) में पोषण प्रमुख मेलानी गैल्विन ने ट्विटर पर एक वीडियो संदेश में दावा किया कि इस साल अकेले केवल अफगानिस्तान में गंभीर कुपोषण से हजारों कमजोर बच्चों की मौत हो सकती है। गैल्विन ने आगे कहा कि देश भर में कुपोषण और हेल्थ वर्कर के इलाज के लिए वैश्विक खाद्य संगठन को 21 मिलियन अमरीकी डालर के तत्काल फंडिंग गैप का सामना कर रहा है।

अंबुबासी मेला : प्रशासन...

द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों में शिविरों में भोजन तैयार करेंगी और श्रद्धालुओं के बीच वितरित करेंगे। श्रद्धालुओं के लिए आहार तैयार करने के दौरान स्वच्छता पर अत्यधिक महत्व देने और भोजन की उच्च गुणवत्ता बनाए रखने का आग्रह किया है। शिविर में श्रद्धालुओं को सुबह, दोपहर और रात के खाने के साथ-साथ सुबह और शाम की चाय भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा, संस्थाएं भक्तों को स्वच्छ पेयजल भी प्रदान करेंगी। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं को भोजन और पीने का पानी उपलब्ध कराते समय प्लास्टिक की प्लेट, गिलास आदि से बचने का निर्देश दिया है। जिला प्रशासन ने गैर सरकारी संगठनों से भी आग्रह किया है कि वे साफ-सफाई के लिए भोजन की आपूर्ति के बाद इस्तेमाल की जाने वाली प्लेटों, गिलासों की व्यवस्था करें, ताकि नगर निगम के कर्मचारी आसानी से उन्हें हटा सकें। ज्ञात हो कि प्रत्येक वर्ष शक्ति पीठ कामाख्या धाम में जून महीने में चार दिवसीय ऐतिहासिक अंबुबासी मेले का आयोजन किया जाता है। जिसमें प्रत्येक वर्ष देसी-विदेशी लाखों की संख्या में श्रद्धालु, संत-महात्मा हिस्सा लेते हैं।

कांग्रेस 200 सीटों पर ...

हम समर्थन को तैयार हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव का परिणाम भाजपा के खिलाफ वोट है। यह भाजपा की नीतियों और सरकार के खिलाफ मतादेश है। ममता बनर्जी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ गठबंधन को लेकर बात चल रही है। वह उनकी बात कह सकती हैं, जहां भी क्षेत्रीय पार्टी मजबूत है। वहां भाजपा नहीं लड़ाई कर सकती है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक का विधानसभा चुनाव का परिणाम भाजपा के खिलाफ मतदान है। लोग बहुत हतोत्साहित हैं। यह भाजपा के खिलाफ जनादेश था। वहां प्रजातांत्रिक अधिकार को बुलडोज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, दिल्ली में आप, बिहार में नीतीश, तेजस्वी और कांग्रेस उसी तरह से झारखंड में भी, जो क्षेत्रीय पार्टी मजबूत है, वहां भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़े। उन्होंने कहा कि बिहार, ओडिशा, तमिलनाडु, झारखंड, तेलंगाना और पंजाब मजबूत पार्टी को प्राथमिकता मिले। एक पार्टी दूसरी पार्टी को समर्थन दें। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव में समर्थन दिया, लेकिन यह नहीं हो सकता है कि वह वहां समर्थन दे और यहां वह आकर उनसे ही लड़ाई करे। देशहित के लिए कुछ न कुछ बलिदान करना होगा। ममता बनर्जी से आज के प्रेस कांफ्रेंस में यह पूछा गया कि क्या कोई कोई पार्टी बिग बॉस बनने की कोशिश कर रही है। आप ऐसा नहीं समझती है कि सभी क्षेत्रीय पार्टियों के लिए एक लेवल प्लेइंग फील्ड है। ममता बनर्जी ने कहा कि हां, सभी पार्टियों के लिए एक लेवल प्लेइंग फील्ड हो। ममता बनर्जी के आज के बयान से यह साफ हो गया है कि ममता बनर्जी का प्रस्ताव साफ है कि किसी पार्टी की श्रेष्ठता स्वीकार नहीं की जाएगी, बल्कि सभी क्षेत्रीय पार्टियां या कोई राष्ट्रीय पार्टी ही हो। वह आपस में मिलकर लड़ेगी और सभी पार्टियों को बलिदान करना होगा। ममता बनर्जी के आज के बयान से यह भी साफ हो गया है कि यह नहीं हो सकता है कि बंगाल में कांग्रेस उनके साथ लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर वह समझौता करे। ममता बनर्जी ने साफ कहा कि यदि भाजपा के खिलाफ लड़ना है, तो कांग्रेस जैसी पार्टियों को भी बलिदान करना होगा और बंगाल में उनके खिलाफ लड़ाई बंद करनी होगी।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **द्वादश अध्याय**

(चार प्रकार के भक्त)

(जिज्ञासू)

देह बुद्धि बल आत्मबल, कीजै देव प्रदान।
मन माया के युद्ध में, विजयी होय महान॥ 15॥

शब्दार्थ : (महान) सर्वश्रेष्ठ (विजयी) विजेता।

भाष्य : हे महाप्रभो! देह, बुद्दि और आत्मा के अंदर बल प्रदान कीजिए, जिससे मैं मन-माया के युद्ध में महान विजयी होऊं। बलवान ही विजय और शांति को प्राप्त करता है। आध्यात्मिक जीवन को प्राप्त करने के लिए प्रकृति और आत्मा की सारी शक्तियों को बलवान बनाना चाहिए।

हे प्रभु शक्ति प्रदान कर, षोड़श कला सम्हार।
मन माया से छूट कर, सुमिरन भजन तुम्हार॥ 16॥

शब्दार्थ : (शक्ति) बल (सम्हार) रोक, संयम (षोड़श) सोलह तत्व।

भाष्य : हे प्रभो! मेरे अंदर शक्ति दें कि मैं अपनी षोड़श शक्तियों से बलवान हो कर मन के विषय-बंधन से छूटकर तेरा सुमिरन-भजन करूं।

कलाईगांव : ट्रक से 26 टन अवैध सुपारी जब्त

उदालगुड़ी (हिंस)। जिले के कलाईगांव में पुलिस ने चेकिंग के दौरान सोमवार को टंगला से आ रहे ट्रक से अवैध से लायी जा रही 26 टन सुपारी जब्त किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि गुवाहाटी के शुक्ला उपाधीधारी एक व्यापारी ने इन सुपारी को खरीदा था, जिसे उत्तर प्रदेश के कानपुर भेजा जा रहा था। पुलिस ने एक गुप्त सूचना पर ट्रक को नाका पर रोक कर तलाशी ली तो उससे भारी मात्रा में अवैध रूप से लाई जा रही 26 टन बर्मीज (म्यांमार) और देसी सुपारी बरामद हुई। पुलिस ने इस सुपारी की कीमत करीब एक करोड़ रुपए आंकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि, सुपारी के असली मालिक का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार

पूर्वोत्तर के रेलवे स्टेशनों पर स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी

भारतीय रेलवे ने शुरू की *वन स्टेशन वन प्रोडक्ट* योजना

गुवाहाटी (हिंस)। रेल मंत्रालय ने भारत सरकार के *वोकल फॉर लोकल* विजन को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार प्रदान करने और समाज के वंचित वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर सृजन करने के उद्देश्य से भारतीय रेल में *वन स्टेशन वन प्रोडक्ट* (ओएसओपी) योजना शुरू की है। इस योजना के तहत, रेलवे स्टेशनों पर ओएसओपी आउटलेट्स को उस स्थान या क्षेत्र में स्वदेशी रूप से उगाए गये स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने, बिक्री और उच्च दृश्यता देने के लिए आवंटित किया जाता है। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज कहा कि 10 मई तक पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन 107 ओएसओपी आउटलेट्स चल रहे है, जो असम में 36, पश्चिम बंगाल में 33 और अरुणाचल प्रदेश के 01 रेलवे स्टेशनों में हैं। सभी स्टॉल स्थानीय स्तर पर निर्मित विशिष्ट और अमूल्य उत्पादों की किस्मों का प्रदर्शन और विपणन

कर रहे हैं। कुछ प्रमुख स्टेशनों में असम के गुवाहाटी, डिब्रूगढ़, न्यू तिनसुकिया, पश्चिम बंगाल के न्यू अलीपुरद्वार, न्यू जलपाईगुड़ी शामिल हैं। विभिन्न प्रकार के असमिया पीठा, पारंपरिक असमिया गामोछा, पारंपरिक राजवंशी पोशाक, जापी, स्थानीय वस्त्र, जूट के उत्पाद (टोपी, गामोछा, गुड़िया), हथकरघा के साथ-साथ अन्य स्थानीय खाद्य उत्पाद यात्रियों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। स्वदेशी संस्कृति और परंपराओं के संपर्क में आने के अलावा, ओएसओपी विक्रेताओं और उनके परिवारों के जीवन में काफी परिवर्तन लाता है। ओएसओपी योजना ने ओएसओपी आउटलेट्स चलाने वाले विक्रेताओं के परिवारों के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान की थी। गुवाहाटी स्टेशन पर ओएसओपी आउटलेट में से एक की संचालिका सुमरी नार्जारी ने अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए भारत सरकार एवं रेल मंत्रालय को उनकी संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने तथा आजीविका के स्रोत के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया है। इस योजना ने स्थानीय अर्थव्यवस्था के उत्थान में मदद की है। इस योजना का पायलट प्रोजेक्ट 25 मार्च, 2022 को शुरू किया गया था और 1 मई, 2023 तक, देश भर के 21 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 785 ओएसओपी आउटलेट्स के साथ 728 स्टेशनों को कवर किया गया है। इन ओएसओपी स्टालों को एकरूपता देने के लिए नेशनल डिजाइन इंस्टीट्यूट द्वारा डिजाइन किया गया है। मार्च, 2022 से 1 मई, 2023 तक संचयी प्रत्यक्ष लाभार्थियों की संख्या 25, 109 हैं।

बाघमारा चर मार्केट की नई मैनेजिंग कमेटी गठित

नगरबेड़ा (विभास)। दक्षिण बरपेटा के बागबर निर्वाचन क्षेत्र के तहत बाघमारा चर मार्केट में आज आम सभा आयोजित की गई। इस मौके पर सात महीने के कार्यकाल के लिए बाजार प्रबंधन समिति का गठन किया गया। आज आयोजित इस आम सभा में बाघमारा चर ग्राम पंचायत अध्यक्ष आकलीमा खातून की अध्यक्षता वाली पुरानी समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया। कुल 13 सदस्यीय एक नई समिति का गठन किया गया। इस नई समिति में पूर्व अध्यक्ष शुकुर अली को सचिव और शाहनवाज जामान को अध्यक्ष बनाया गया। ताइजुद्दीन सरकार को जूरी समिति के पर्यवेक्षक के रूप में चुने गए। बाजार प्रबंधन के लिए तैयार संविधान आज से लागू किया गया और नई समिति को सात महीने के कार्यकाल के लिए चुना गया। उक्त आम सभा में बाजार परिसर के विभिन्न गांवों से आए सैकड़ों प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुई थी।

महाशक्ति शिव आश्रम में चरक पूजा संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत गुवाबरी के महाशक्ति शिव आश्रम में चरक पूजा पूरी रीती-रिवाज के साथ संपन्न हुआ। मालूम हो कि फकीराग्राम के गुवाबरी में प्राचीन आश्रम में मां काली का मंदिर है। इस आश्रम के आसपास करीब 99 प्रतिशत इस्लाम धर्म के लोग रहते हैं और यहां आयोजित चरक पूजा एवं मां काली की पूजा में उस सभी इस्लाम धर्म के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। बताया जाता है कि उक्त पूजा हिंदू और मुस्लिम धर्म के बीच एकता का प्रतीक माना जाता है। महाशक्ति शिव आश्रम समिति के अध्यक्ष जागनाथ ब्रम्ह और सचिव अब्दुल मजीद हैं। चरक पूजा एवं मेला समिति के अध्यक्ष फूल कुमार चौधरी और सचिव प्रशांत बर्मन हैं। आज शाम 5 बजे पूजा शुरू हुई। इस मौके पर हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे। पूजा में सन्यासियों ने अपना कर्तव्य दिखाया।

हमारा संघ के माध्यम से 62 सामायिक संकल्प का विशेष अभियान

गुवाहाटी। युगप्रधान आचार्य महाश्रमण के62वें जन्मोत्सव केपावन अवसर पर *हमारा संघ* के माध्यम से दो महीने में 62 सामायिक संकल्प का विशेष अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत 470 श्रावकों द्वारा 29000 सामायिक करने केसंकल्प स्वीकार किए गए। इस महा अभियान का चिंतन गुवाहाटी के कर्मठ श्रावक दिलीप दुगड़ द्वारा किया गया। सभी क्षेत्रों की महिला मंडलों ने उत्साह पूर्वक इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गुवाहाटी, नगांव, जोरहाट, नॉर्थ लखीमपुर, सिलापथार, बंगाईगांव, बंगाईगांव दक्षिण, बरपेटारोड, बिलासीपाड़ा, कोकराझाड़, धुबड़ी, गौरीपुर, ग्वालपाड़ा, सिलचर, खारुपेटिया, ढेकियाजुली आदि क्षेत्रों से महिलाओं ने जागरूकता का परिचय दिया।

पूर्वोत्तर का पहला *रिफॉर्म बाई नम्रता पुरोहित* फिटनेस स्टूडियो का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के लाचित नगर स्थित सुरेका स्क्वायर के पांचवें तल्ले में उत्तर पूर्व भारत का पहला पिलाटेज स्टूडियो *रिफॉर्म बाई नम्रता पुरोहित* का शुभारंभ रविवार को किया गया। पिलाटेज स्टूडियो की शुरुआत समीर पुरोहित और नम्रता पुरोहित ने जनवरी 2011 में की थी। बहुत कम समय में, स्टूडियो ने भारतीय फिल्म उद्योग जगत से लेकर खेल तथा मशहूर हस्तियों सहित विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के बीच लोकप्रियता हासिल की। देश भर में 23 स्टूडियो के साथ, पिलाटेज स्टूडियो और रिफॉर्म परिवार गुवाहाटी में पिलाटेज का जादू फैलाने के लिए पूर्वोत्तर का पहला स्टूडियो लेकर आया है। नम्रता ने कहा कि हम अपने गुवाहाटी स्टूडियो के सहयोगियों पायल गुरदासानी दुधेरिया व मृदुल सरावगी पाटनी के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपने पहले स्टूडियो के शुभारंभ से काफी खुश हैं। इस मौके पर संस्थापक समीर पुरोहित ने कहा की हम पिलाटेज को देश भर के लोगों के लिए सुलभ और उपलब्ध बनाना चाहते हैं। गुवाहाटी

में हमारे स्टूडियो के उद्घाटन ने हमें उस सपने के करीब एक कदम आगे बढ़ाया है। हमें उम्मीद है कि गुवाहाटी हमारे और पिलाटेज के जादू का अनुभव करने के लिए तैयार है। यह हमारी टीम का जुनून और समर्पण ही है जिसने इस कार्य को संभव बनाया है। मेरा मानना है कि बहुप्रतीक्षित शहर गुवाहाटी में हमारा स्टूडियो, पिलाटेज को पूरे भारत में हर किसी के लिए सुलभ बनाने का सही तरीका है। नया स्टूडियो पूर्वोत्तर में पहला पूरी तरह से सुसज्जित पिलाटेज स्टूडियो है और 2000 वर्ग फुट में फैला हुआ है। इसे ग्राहकों को दिमाग और शरीर के व्यायाम पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करने के उद्देश्य से बनाया गया है, जिसमें सुधारक, स्थिरता कुर्सियां, आर्क बैरल जैसे अत्याधुनिक उपकरण मौजूद हैं। इस मौके पर रिफॉर्म गुवाहाटी स्टूडियो की प्रमुख पायल व मृदुल ने बताया कि वर्कआउट पिलाटेज और उसके सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि व्यक्ति बहुत अच्छी तरह से शारीरिक और मानसिक रूप से खुद से जुड़ा हुआ रहे। हम चाहते हैं कि यह स्टूडियो हमारे ग्राहकों के लिए एक सुरक्षित क्षेत्र बने। आपको घर पर आराम करने के लिए प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक प्रकाश व्यवस्था है, इसके अलावा, सभी गतिविधियों को हमारे ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार बदल दिया जाता है। पायल ने आगे कहा कि हमें खुशी है कि नम्रता पुरोहित और समीर पुरोहित के साथ साझेदारी करने का मौका मिला और यह एक सकारात्मक शुरूवात हैं। यह स्टूडियो लोगों को उनके फिटनेस लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने में कामयाब रहेगा। उद्घाटन के मौके पर कई नामचीन हस्तियां मौजूद थी।

आकाशवाणी गुवाहाटी केंद्र के क्षेत्रीय समाचार विभाग ने मनाया स्थापना दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। आकाशवाणी गुवाहाटी केंद्र के क्षेत्रीय समाचार विभाग ने ऑयल इंडिया लिमिटेड के सहयोग से कॉटन विश्वविद्यालय के सूडमर्सन सभागार में आज एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ 67वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर आकाशवाणी समाचार विभाग की महानिदेशक डॉ. बसुधा गुप्ता ने कहा कि आकाशवाणी विश्वसनीयता, सटीकता बनाए रखते हुए समाचारों की सेवा कर रहा है और राय के बजाय समाचारों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। डॉ. गुप्ता ने आकाशवाणी के समाचार विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी आग्रह किया कि वे नई तकनीक और समय की चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी में शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है और आकाशवाणी के शैक्षिक कार्यक्रमों से छात्र-छात्राओं को लाभ मिला है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आकाशवाणी के समाचार और अन्य कार्यक्रम विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों जैसे ट्विटर, यूट्यूब, फेसबुक आदि पर उपलब्ध हैं। कार्यक्रम के साथ तालमेल रखने वाले गणमान्य व्यक्तियों ने आकाशीबर्ता नामक एक स्मृति चिह्न का भी अनावरण किया गया। इस अवसर पर असम पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक हिरेन चंद्र नाथ ने कहा कि आकाशवाणी वैधानिक निकायों के लिए जनता के साथ संचार का एक आसान और प्रभावी साधन है। इस अवसर पर ऑयल इंडिया लिमिटेड, दुलियाजान के रेजिडेंट चीफ एग्जीक्यूटिव प्रशांत बरकाकती ने कहा कि असम में आकाशवाणी की लोकप्रियता बरकरार है और जनता आज भी स्वीकृति और सटीकता के लिए आकाशवाणी की खबरों को सुनती है।

काजलगांव : दो डॉक्टर और नर्स निलंबित

चिरांग (हिंस)। जिले के काजलगांव स्थित जेएसबी सिविल अस्पताल में रात की ड्यूटी करने वाले दो डॉक्टरों और एक नर्स को निलंबित कर दिया है। प्रशासन ने यह कार्रवाई मीडिया रिपोर्टों के आधार पर की है। मीडिया रिपोर्ट में अस्पताल में रात ड्यूटी करने वाले डॉक्टरों और नर्स पर नशे में धुत रहने के आरोप लगे थे। जिला स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त निदेशक डॉ. रेहेना बेगम ने सोमवार को जेएसबी अस्पताल में एक आपात बैठक के बाद मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपेन कलिता, डॉ. क्रिश्चियन ब्लेसिंग और नर्स निधि रानी पाल को निलंबित कर दिया गया है।

सशक्त नागरिक से ही होगा राष्ट्र सशक्त : आरएसएस

होजाइ (होसं)। सशक्त नागरिक से ही राष्ट्र सशक्त होगा उक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर असम प्रांत के 2023 वर्ष के संघ शिक्षा वर्ग प्रथम वर्ष (सामान्य) जोकि होजाई स्थित संस्कार मंदिर प्रकल्प गीता आश्रम में 24 अप्रैल से चल रहा है उसका समापन समारोह 14 मई (रविवार) को आयोजित हुआ उसमें मुख्य अतिथि के रुप में पधारे शिक्षाविद डॉ. अमर ज्योति कश्यप ने कही। इस दौरान उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज हमारी युवा पीढ़ी को गुटखा-पान मसाला आदि के विज्ञापनों द्वारा भटकाया जा रहा है जबकि यही युवा पीढ़ी हमारे भारत का गौरव है हमारे भारत को आगे ले जाने के लिए इनका

सशक्त होना अति आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि गुटखा, पान-मसाला आदि के खिलाफ एक राष्ट्रीय अभियान चलाने की आवश्यकता है। इस दौरान उन्होंने एक डेमोंसट्रेशन द्वारा समझाने की कोशिश की कि संपदा के आहरण की प्रतियोगिता नहीं होती तो पृथ्वी में आज हमें जो जलवायु परिवर्तन इत्यादि देखने को नहीं मिलते। उन्होंने आव्हान किया कि आइए हम सभी को मिलकर हमारी प्रकृति व वातावरण के संरक्षण में कार्य करना होगा। मुख्य वक्ता उत्तर असम प्रांत के सह संचालक पूरन्दव बरुवादेव ने अपने संबोधन विस्तृत संबोधन में कई पहलुओं को छूते हुए आरएसएस की भारत की प्रगति मैं भूमिका के बारे में सुंदर तरीके से वर्णित किया। उन्होंने कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना काल से ही भारत की उन्नति के लिए सदैव तत्पर है और निरंतर रहेगा। उन्होंने आगे नई पीढ़ी को सही संस्कार देने पर जोर दिया व समाज को जागरूक करने का आह्वान किया। समापन कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत प्रणाम, ध्वजारोहण और प्रार्थना के साथ हुआ इसके पश्चात 242 शिक्षार्थी द्वारा शारीरिक प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। इसके बाद संगीत परिचय पर्व और धन्यवाद ज्ञापन, वर्गीय अधिकारी द्वारा प्रतिवेदन पाठ किया गया। वहीं व्यक्तिगत गीत भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का समापन ध्वजावातरन के साथ हुआ कार्यक्रम में भारी संख्या में समाज के हर वर्ग के लोग उपस्थित थे।।

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, तेजपुर का आठवां वार्षिक सम्मान समारोह संपन्न

तेजपुर/विश्वनाथ (विभास)। हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रचार- प्रसार और हिंदी नवलेखन निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाली न्यास पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, तेजपुर, असम, भारत ने प्रत्येक वर्ष की भांति कल ज्योति भारती तेजपुर में अपना आठवां वार्षिक सम्मान समारोह, पुस्तक लोकार्पण समारोह तथा बहुभाषी कवि सम्मेलन व सांस्कृतिक कार्यक्रम भव्यता के साथ मनाइ गई। विश्वनाथ जिला इकाई के सचिव संतोष कुमार महतो की संचालन में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम उद्घाटन सत्र प्रात: 10.30 से शुरू हुई। जिसमें पूर्हिसाअ की संस्थापक व अध्यक्षा रीता सिंह सर्जना की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि प्रो. दिलीप कुमार मेधी, आचार्य, हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम अति विशिष्ट अतिथि सुशील कुर्मी, साहित्यकार, तेजपुर, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनुशब्द, वरिष्ठ सहायक आचार्य, हिंदी विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम डॉ. राजीव रंजन प्रसाद, सहायक आचार्य, हिंदी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, डॉ. नथमल टिबड़ेवाल, वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार, तेजपुर, अमर बनिया लोहरो, वरिष्ठ साहित्यकार, सिक्किम, डॉ. गोमा देवी शर्मा, लेखिका व विभाग अध्यक्षा (हिंदी विभाग) आर्मी पब्लिक स्कूल, नारंगी, गुवाहाटी आदि अतिथि मंच पर मंचासीन थे। इसके बाद अतिथियों को असमिया फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि प्रो. दिलीप कुमार मेधी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और दीप प्रज्ज्वलित करने में सहायक के रुप विशिष्ट अतिथियों ने सहयोग दिया। तुलसी छेत्री ने सरस्वती वंदना गाकर सभी को मंत्र मुग्ध किया। इसके बाद विश्वनाथ जिला सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा को संबोधित करते हुए स्वागत भाषण दिया। न्यास के अध्यक्षा रीता सिंह सर्जना ने सभी के

सामने अपना संस्था का परिचय दी। साथ ही पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के मूल सचिव कल्पना देवी आत्रेय ने वार्षिक प्रतिवेदन पाठ की। सभी अतिथियों ने अपने वक्तव्य में पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा किए गए साहित्यमूलक व हिंदी भाषा प्रचार प्रसार किए कार्य की सरहाना की। तत्पश्चात स्मृति सम्मान प्रदान किया जिसमें क्रमश: विमला देवी प्रह्लाद शर्मा स्मृति सम्मान, प्रदाता - कंचन शर्मा ने नगद धन 11000/- शॉल चादर, स्मृति चिह्न के साथ गुवाहाटी के साहित्यकार व हिंदी प्रचारक डॉ. देवेन चंद्र दास को, तेज बहादुर सुनुवार स्मृति सम्मान, प्रदाता- रीता सिंह सर्जना ने नगद धन 5100/- फुलाम गामोछा, स्मृति चिह्न के साथ सिक्किम के वरिष्ठ साहित्यकार अमर बनिया लोहरो को, उषा टिबड़ेवाल स्मृति सम्मान, प्रदाता- शिवानी टिबड़ेवाल ने नगद धन 5100/-, फुलाम गामोछा, स्मृति चिह्न के साथ जोरहाट के कवयित्री ममता गिनोड़िया मुग्धा को, चंद्रिका सिंह एवं रंजना देवी स्मृति सम्मान प्रदाता- सविता दास सवि ने नगद धन 2100/-, फुलाम गामोछा, स्मृति चिह्न के साथ मणिपुर के साहित्यकार डॉ. गोमा देवी शर्मा को, तिलोतमा देवी शर्मा स्मृति सम्मान प्रदाता- डॉ. रुनू बरुवा *रागिनी* ने नगद धन 2100/-, फुलाम गामोछा, स्मृति चिह्न के साथ असमिया कविता हिंदी में अनुवाद के लिए नगांव के कल्पना देवी आत्रेय को और हेमलता गोस्वामी स्मृति युवा सम्मान प्रदाता डॉ. अनीता पंडा ने नगद धन 2100/- फुलाम गामोछा, स्मृति चिह्न के साथ विश्वनाथ चारिआलि के नव लेखिका मनीषा को सादर समर्पित किया गया। तत्पश्चात डॉ. नथमल टिबड़ेवाल को पूर्वोत्तर पत्रकारिता रत्न सम्मान, लिखन शर्मा को पूर्वोत्तर कला रत्न सम्मान, उषा किरण टिबड़ेवाल को हिंदी गौरव सम्मान तथा चार सृजन सम्मान सीता देवी क्षेत्री, मणिपुर, हरकिरत हीर, गुवाहाटी, राजु बोडो, ओदाल गुड़ी, तुलसी क्षेत्री, ओदालगुड़ी को प्रदान किए गये। उद्घाटन सत्र के अध्यक्षा रीता सिंह सर्जना ने अध्यक्षीय वक्तव्य में पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी में सभी की सहयोगिता के आभार व्यक्त की और कहा कि यह मंच हिंदी के जरिए जमीनी स्तर पर अपनी भाषा, साहित्य व संस्कृति के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उद्घाटन सत्र खत्म के बाद भोजन अवकाश हुआ। इसके बाद प्रथम सत्र : पुस्तक लोकार्पण समारोह का शुभारंभ किया गया जिसमें क्रमश: मुख्य अतिथि प्रो. दिलीप कुमार मेधी जी ने संपादकद्वय रीता सिंह *सर्जना* व, डॉ. गोमा देवी शर्मा द्वारा संपादित पूर्वोत्तर भारत के विस्मृत स्वतंत्र सेनानी, पुस्तक का लोकार्पण किया तत्पश्चात रीता सिंह सर्जना ने जोरहाट की कवयित्री ममता गिनोड़िया की कविता संग्रह *मुग्धांजलि* तथा तेजपुर के वरिष्ठ साहित्यकार सुशील कुर्मी ने तुलसी क्षेत्री का कविता संग्रह *रजस्वला* का लोकार्पण किया। साथ ही विभिन्न जगहो से पधारे साहित्य सेवी को पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी का आजीवन सदस्य प्रमाण पत्र, फुलाम गामोछाऔर स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। इसके बाद द्वितीय सत्र : बहुभाषी कवि सम्मेलन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. गोमा देवी शर्मा की संचालित कवि गोष्ठी में प्रेम विश्वकर्मा, अनुप शर्मा, जयकुमार नेवार, मधु पारख, दिव्यज्योति बरुवा, महीम आचार्य, आभा कुमारी चौधरी, नवकुमारी देवी, ऋजु देवी, वेददीप उपाध्याय, अंजना जैन, सैयदा आनोवरा खातून, कुंज देवी उपाध्याय, दिल्स लक्ष्मींद्र सिन्हा, कुंज देवी उपाध्याय, बीना देवी, अजन्ता आचार्य, पूजा सुनुवार, कुसुम टिबड़ेवाल, अमर बनियां लोहरो, तुलसी छेत्री आदि कवियों ने स्वरचित समधुर कविता पाठ की। अंत इस सफल कार्यक्रम हेतु पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के कोषाध्यक्ष शंकर चक्रवर्ती ने सभी महानुभावों को विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

बाढ़ से बचाव पर जागरूकता कार्यक्रम

नगरबेड़ा (विभास)। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की पहल के तहत एक प्रमुख स्वयंसेवी संगठन *आमार प्रयास गोष्ठी* द्वारा आज नगरबेड़ा राजस्व सर्कल के तहत नए बदला फैजुल उलूम एमई मदरसे में बाढ़ प्रबंधन पर एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। साहेर अली अहमेद द्वारा आयोजित बैठक में विद्यालय के शिक्षकों के साथ-साथ विभिन्न स्कूल छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और बाढ़ की तैयारी का संकल्प लिया। बैठक के दौरान, हमारे प्रयास समूह ने सभी छात्रों के बीच बाढ़ के नुकसान में कमी जैसे सबक पर पत्रक वितरित किए। एनजीओ के ब्लॉक समन्वयक अनवर हुसैन ने बाढ़ आपदा पर एक प्रारंभिक

भाषण दिया और प्राथमिक चिकित्सा, बचाव और जांच के लिए असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रदान की गई। सामग्री का उपयोग करके कुछ कला तकनीकों का प्रदर्शन भी किए गए। बैठक में *आमार प्रयास गोष्ठी* के तुपामारी ग्राम पंचायत समन्वयक साईदुर रहमान की देखरेख में आयोजित की गई थी। उल्लेखनीय है कि सामरिया प्रखंड की 15 पंचायतों में इस तरह की बैठकें कर हमारा प्रयास समूह जनता में जागरूकता बढ़ाकर बाढ़ आपदा से निपटने में सक्षम प्रखंड बनाने का प्रयास कर रहा है। लोग *आमार प्रयास गोष्ठी* के इस पहल को अत्यधिक सराहना कर रहे हैं।

Press Notice

This Executive Engineer, PWD, Bajali District & Bongaigaon District Territorial Building Division, Pathsala on behalf Governor of Assam invites item rate bids in electronic tendering system for the work-Construction of outside toilet at Court Campus of District & Session Judge of Bongaigaion District with an approximate value of work Rs.24,36,340.00 from APWD (Bidg.) Class-I (A/B/C) class & II) registered contractor under this circle.

Details of the bids may be seen at e- Procurement portal website: www.assamtenders.gov.in and also in the office of the undersigned during office hours. The bidders must be enrolled in www.assamtenders.gov.in for participating in the bidding process.

Sd/-
Executive Engineer,P.W.D.
Bajali District & Bongaigaon District
Territorial Building Division, Pathsala

-- Janasanyog /C/2742/23

भारतीय सेना प्रमुख मिस्त्र के दौरे पर, आपसी हित के मुद्दों पर होगी चर्चा

- भारत-मिस्त्र रक्षा संबंध आगे ले जाने के तरीकों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा
- दोनों देशों की सेनाएं कई जमीनी और आसमानी अभ्यासों में हो चुकी हैं शामिल

नई दिल्ली, (हि.स.)। थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे 16 मई से दो दिवसीय यात्रा पर मिस्त्र जायेंगे। यात्रा के दौरान सेना प्रमुख मेजबान देश के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व से मुलाकात करके भारत-मिस्त्र रक्षा संबंधों को आगे ले जाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। वह मिस्त्र के विभिन्न सशस्त्र बलों के प्रतिष्ठानों का भी दौरा करेंगे और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। सेना प्रमुख मिस्त्र के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ, रक्षा और सैन्य उत्पादन मंत्री और मिस्त्र के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ के साथ बातचीत करेंगे। वह मिस्त्र के सशस्त्र बल ऑपरेशन्स प्राधिकरण के प्रमुख के साथ व्यापक विचार-विमर्श भी करेंगे। थल सेनाध्यक्ष की यह यात्रा दोनों सेनाओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी। साथ ही रणनीतिक मुद्दों पर दोनों देशों के बीच घनिष्ठ समन्वय और सहयोग बढ़ाने में सहयोग करेगी। मिस्त्र के साथ भारत के सैन्य संबंध बढ़ रहे हैं, जो भारत के 74वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान स्पष्ट दिखा था। इस परेड में मिस्त्र के सशस्त्र बलों के एक दल ने अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की थी। मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देह फतह अल-सीसी इस परेड के मुख्य अतिथि थे। भारतीय और मिस्त्र की सेनाओं के विशेष बलों ने इस वर्ष जनवरी में राजस्थान के जैसलमेर में 'अभ्यास साइक्लोन-क' नाम का पहला संयुक्त अभ्यास किया था। यह अपनी तरह का पहला अल-सीसी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करके द्विपक्षीय रक्षा संबंधों की समीक्षा की थी। भारत और मिस्त्र के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर भी हुए थे। भारतीय वायु सेना ने पिछले साल जून माह में मिस्त्र के काहिरा पश्चिम एयरबेस में हुए सामरिक हवाई कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए 57 वायु योद्धाओं के साथ पांच लड़ाकू विमान भेजे थे। इससे पहले अक्टूबर, 2021 में भारत और मिस्त्र की वायु सेनाओं ने संयुक्त रूप से वायु अभ्यास 'डेजर्ट वारियर' किया था, जो दोनों देशों के बीच पहला वायु सैनिक अभ्यास था। इस दौरान सेना से सेना के संबंधों की नई शुरूआत करने के साथ ही दोनों देशों सैन्य अभ्यास था, जिसमें दोनों देशों के विशेष बल संयुक्त रूप से एक मंच पर एकत्रित हुए थे। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पिछले साल सितंबर में मिस्त्र की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर गए थे। उन्होंने भी यात्रा के दौरान मिस्त्र के रक्षा उत्पादन मंत्री जनरल मोहम्मद जकी और मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह के रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा की गई थी। अमेरिका, इटली और सऊदी अरब के बाद भारत मिस्त्र का चौथा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। इसलिए थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे की इस दो दिवसीय यात्रा में आपसी हित के मुद्दों पर सार्थक विचारों का आदान-प्रदान होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री आज रोजगार मेले में 71 हजार नियुक्ति-पत्र प्रदान करेंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज साढ़े दस बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये रोजगार मेले में सरकारी विभागों में 71 हजार नव-नियुक्तों को नियुक्ति-पत्र प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर नव-नियुक्तों को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोमवार को यह जानकारी दी। पीएमओ के अनुसार, रोजगार मेले का आयोजन देशभर में 45 स्थानों पर किया जायेगा। भर्तियां इस पहल को समर्थन देने वाले केंद्रीय सरकारी विभागों और राज्य सरकारों व केंद्र शासित क्षेत्रों में की जा रही हैं। देशभर से चयनित नव-नियुक्तों को ग्रामीण डाक सेवक, डाक निरीक्षक, वाणिज्यिक व टिकट लिपिक, कनिष्ठ लिपिक व टंकक, कनिष्ठ खाता लिपिक, ट्रैक मेनटेनर, सहायक सेक्शन अधिकारी, अवर श्रेणी लिपिक, उपमंडलाधिकारी, कर सहायक, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, इंसपेक्टर, नर्सिंग अधिकारी, सहायक सुरक्षा अधिकारी, दमकल अधिकारी, सहायक खाता अधिकारी, सहायक लेखा परीक्षण अधिकारी, मंडलीय खाता निरीक्षक, लेखा परीक्षक, कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, सहायक कमानडेंट, प्रधानाध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक, सहायक पंजीयक, सहायक प्रोफेसर, आदि विभिन्न पदों पर रखा जायेगा। रोजगार मेला, रोजगार सृजन को उच्च प्राथमिकता देने के प्रति प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने की दिशा में एक पहल है। रोजगार मेले से यह संभावना है कि वह आगे रोजगार सृजन तथा युवाओं के सशक्तिकरण तथा राष्ट्रीय विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये उन्हें सार्थक रोजगार अवसर प्रदान करने में अहम भूमिका निभायेगा। नव-नियुक्तों को कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर मिलेगा। यह विभिन्न सरकारी विभागों में नये नियुक्त होने वालों के लिये कामकाज से परिचित होने का ऑनलाइन पाठ्यक्रम है।

विधायी प्रारूपण में स्पष्टता बेहद जरूरी : अमित शाह

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि विधायी प्रारूपण में स्पष्टता बहुत जरूरी है। विधायी प्रारूपण एक कौशल है। इसके कोई स्थायी नियम नहीं है। यह हमारे लोकतंत्र का महत्वपूर्ण अंग है। ऐसे में विधायी प्रारूपण तैयार करने वाले लोगों को समय-समय प्रशिक्षित करते रहना चाहिए। शाह ने सोमवार को संसद भवन परिसर में संवैधानिक और संसदीय अध्ययन संस्थान की ओर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विधायी प्रारूपण के सिद्धांतों और प्रथाओं की समझ संसद, राज्य विधानसभाओं, विभिन्न मंत्रालयों, वैधानिक निकायों और अन्य सरकारी विभागों के अधिकारियों को होनी चाहिए। जो भी इन संस्थानों में विधायी प्रारूपण तैयार करते हैं उन्हें ध्यान देना चाहिए की वह किसी भी कानून का अनुवाद करने के बजाय भावानुवाद करें। जिससे मूल बात बदलने न पाए।

उन्होंने कहा कि विधायी ड्राफ्टमैन को भाषा पर पकड़ होना चाहिए और मुद्दे को सरल भाषा में लिखने की कला आनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि शाह ने यहां विधायी प्रारूपण पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन संवैधानिक और संसदीय अध्ययन संस्थान (आईसीपीएस) की ओर से लोकतंत्र के लिए संसदीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) के सहयोग से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में राज्यों, केन्द्रीय मंत्रालयों आदि के विधायी प्रारूप से जुड़े अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य संसद, राज्य विधानसभाओं, विभिन्न मंत्रालयों, वैधानिक निकायों और अन्य सरकारी विभागों के अधिकारियों के बीच विधायी प्रारूपण के सिद्धांतों और प्रथाओं की समझ पैदा करना है।

चारधाम यात्रा के दौरान अब तक केदारनाथ पहुंचे 2.89 लाख से अधिक श्रद्धालु

देहरादून, (हि. स.)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 8.31 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इनमें अकेले दो लाख 89 हजार 149 श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन करने पहुंचे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना पर्यटन उद्योग के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है। श्रद्धालुओं की संख्या का यह आंकड़ा पर्यटन विभाग ने जारी किया है। यह 22 अप्रैल से 14 मई रात आठ बजे तक का आंकड़ा है। पर्यटन विभाग के मुताबिक केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में अब तक कुल आठ लाख 31 हजार 131 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। केदारनाथ धाम में दो लाख 89 हजार 149, बदरीनाथ में दो लाख नौ हजार 45, गंगोत्री में एक लाख 73 हजार 586 और यमुनोत्री धाम में एक लाख 59 हजार 351 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। चारधाम यात्रा के लिए अब तक 29 लाख 33 हजार 770 लोगों ने पंजीकरण कराया है। इनमें से मोबाइल ऐप से पांच लाख 14 हजार 219, वेब पोर्टल से 23 लाख 36 हजार 692 और व्हाट्स ऐप से एक लाख 82 हजार 869 लोगों ने पंजीकरण कराया है। चारधाम यात्रा के लिए 14 मई से 19 मई के लिए कुल चार लाख 21 हजार 834 लोगों ने पंजीकरण कराया है।मौसम को देखते हुए 25 मई तक केदारनाथ धाम की यात्रा के लिए पंजीकरण पर रोक है। बर्फबारी और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। 26 मई से दोबारा पंजीकरण शुरू होगा।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को मानहानि केस में समन

चंडीगढ़, (हि.स.)। कर्नाटक चुनाव में बजरंग दल को लेकर बयानबाजी पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मुश्किल में फंस गए हैं। पंजाब के संगरूर कोर्ट ने उन्हें 100 करोड़ के मानहानि केस में समन जारी कर दिया है। संगरूर की सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रमनदीप कौर की कोर्ट ने खड़गे को 10 जुलाई को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। हिंदू सुरक्षा परिषद बजरंग दल हिंद के फाउंडर हितेश भारद्वाज ने कोर्ट में दायर पिटीशन में कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने बजरंग दल की तुलना देश विरोधी ताकतों से की। हितेश के मुताबिक खड़गे ने कहा था कि जब भी कांग्रेस की सरकार आती है तो बजरंग दल और इस जैसे दूसरे देश विरोधी संगठन समाज में नफरत फैलाते हैं। पिटीशन कर्ता ने इसे बजरंग दल के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करार दिया।

जेल में बंद सत्येंद्र जैन ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

अजय कुमार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मनी लॉन्ड्रिंग केस में करीब एक साल से जेल में बंद दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। दिल्ली हाई कोर्ट ने बीते 6 अप्रैल को जैन की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। ईडी ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि अगर जैन को जमानत दी जाती है तो गवाहों की जान को खतरा हो सकता है। जैन प्रभावशाली व्यक्ति हैं और बड़े राजनीतिक पद पर रह चुके हैं। वे गवाहों को प्रभावित भी कर सकते हैं। जैन को जमानत के लिए तय ट्रिपल टेस्ट को भी पास करना होगा। इससे पहले 17 नवंबर 2022 को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उल्लेखनीय है कि ईडी ने सत्येंद्र जैन को 30 मई, 2022 को गिरफ्तार किया था।

कर्नाटक में कांग्रेस की प्रचंड जीत, हारी भाजपा, अब राज्यसभा में भी दिखेगा असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्नाटक में कांग्रेस प्रचंड जीत हासिल करने में कामयाब रही, जबकि भाजपा ने पूरी ताकत लगा दी थी। अब कर्नाटक में हार का असर भाजपा को राज्यसभा में भी देखने को मिलेगा। हालांकि पिछले साल कर्नाटक की 4 राज्यसभा की सीटों पर हुए चुनाव में बीजेपी को 3 सीटें हासिल हुई थीं। कर्नाटक में राज्यसभा की 12 सीटें हैं। आगे जब ये सीटें खाली होंगी तो बीजेपी को संख्या बल पर नुकसान उठाना पड़ सकता है। मौजूदा समय में राज्यसभा में बीजेपी की 92 सीटें हैं, जबकि कांग्रेस की 31 सीटें ही हैं। तृणमूल कांग्रेस की 13 सीटें, आम आदमी पार्टी और डीएमके की 10-10 सीटें हैं। कर्नाटक से उच्च सदन के चार सदस्य अगले साल रिटायर होने वाले हैं, ऐसे में कांग्रेस को तीन सीटें फिर से मिल जाएंगी। तीन साल में पार्टी की पोजीशन भी राज्य की 12 सीटों में से 7 पर पहुंच जाएगी। कर्नाटक में इस समय भाजपा के पास 6, कांग्रेस के पास 5 और जेडीएस के पास 1 सीट है। चुनाव में जेडीएस को तगड़ा झटका लगा है और अब 2026 में एचडी देवगौड़ा का कार्यकाल पूरा होने के बाद जेडीएस की उच्च सदन में पोजीशन शून्य हो जाएगी। अगले साल रिटायर होने वालों में भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और तीन कांग्रेस के सांसद हैं। इस समय चार जम्मू-कश्मीर और दो नामित सीटें राज्यसभा की खाली हैं। इस समय कुल संख्या 239 है। हाल में बीजेपी हिमाचल और कर्नाटक का चुनाव हारी है। हिमाचल में कुल 3 सीटें हैं। वहां कांग्रेस को जितनी सीटें मिली हैं उस हिसाब से पार्टी को अगले संसदीय चुनावों से पहले अप्रैल 2024 में राज्यसभा की 3 में से एक और दो साल बाद दूसरी सीट मिल जाएगी। फिलहाल राज्यसभा में हिमाचल प्रदेश के सभी 3 सदस्य बीजेपी से हैं। इसमें पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा भी शामिल हैं, जो अप्रैल 2024 में रिटायर होंगे। राज्य की तीसरी सीट का फैसला केवल अगली विधानसभा द्वारा तय किया जाएगा, क्योंकि 2028 में वहां सीट खाली होगी। बीजेपी ने गुजरात विधानसभा में इस साल जबरदस्त जीत हासिल की है। गुजरात में राज्यसभा की 11 सीटें हैं। 2026 तक गुजरात के सभी 11 राज्यसभा सदस्य बीजेपी के होंगे। फिलहाल गुजरात से राज्यसभा में बीजेपी के 8 और कांग्रेस के 3 सदस्य हैं। अगले साल अगस्त में राज्यसभा में खाली हो रही 3 सीटों पर बीजेपी अपने सदस्य बनाएगी। अप्रैल 2024 में लोकसभा चुनाव के आसपास राज्यसभा की सीटों में बड़ा परिवर्तन होगा। तब राज्यसभा की 56 सीटों के लिए मतदान होगा।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित बने वायु सेना के उप प्रमुख, कार्यभार संभाला

- मिग-21, मिग-29 और मिराज-2000 जैसे विभिन्न प्रकार के विमानों को उड़ाने का है अनुभव
- अपने 23 साल के कार्यकाल में 20 से अधिक प्रकार के विमानों पर 3200 घंटे की उड़ान भरी

नई दिल्ली, (हि.स.)। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने सोमवार को वायु सेना के उप प्रमुख का पदभार संभाल लिया है। एयर मार्शल एक योग्य फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर होने के साथ-साथ एक एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट भी हैं। उन्हें मिग-21, मिग-29 और मिराज-2000 जैसे विभिन्न प्रकार के विमानों को उड़ाने का अनुभव भी है। पिछले 23 सालों से आशुतोष दीक्षित वायुसेना का हिस्सा रहे हैं। अपने अब तक के कार्यकाल में दीक्षित ने 20 से अधिक प्रकार के विमानों पर 3200 घंटे की उड़ान भरी है। उन्होंने ऑपरेशन सफेद सागर और रक्षक में भाग लिया है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र एयर मार्शल दीक्षित को 06 दिसंबर, 1986 को फाइटर स्ट्रीम में कमीशन दिया गया था। वह स्टाफ कोर्स, बांग्लादेश और नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली के स्नातक हैं। एयर मार्शल दीक्षित ने पश्चिमी क्षेत्र में एक फ्रंटलाइन फाइटर बेस मिराज-2000 स्क्वाड्रन की कमान संभाली, जो वायु सेना का प्रमुख फाइटर ट्रेनिंग बेस भी है। उन्होंने इससे पहले वायु सेना मुख्यालय में प्रिंसिपल डायरेक्टर एयर स्टाफ रिक्वायरमेंट, असिस्टेंट चीफ ऑफ द एयर स्टाफ (प्रोजेक्ट्स) और असिस्टेंट चीफ ऑफ एयर स्टाफ (प्लान) के रूप में काम किया है। वायु अधिकारी दक्षिणी वायु कमान के वायु रक्षा कमांडर भी रह चुके हैं और वायु सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले गांधीनगर, गुजरात में दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के वरिष्ठ वायु सेना अधिकारी थे। वह एयरफोर्स के आधुनिकीकरण के प्रभारी होंगे। उप प्रमुख के रूप में वह भारतीय वायु सेना में नई खरीद और आपातकालीन शक्तियों के तहत सेवा के लिए किए जाने वाले अधिग्रहण की देखरेख करेंगे। दीक्षित मुख्यालय में अपने पहले के कार्यकाल के दौरान भारतीय वायु सेना में आधुनिकीकरण और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का हिस्सा रहे हैं।

मॉरिशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिंह रूपन ने धर्मपत्नी के साथ दक्षिणेश्वर मंदिर में की पूजा

कोलकाता, (हि.स.)। तीन दिवसीय दौरे पर कोलकाता पहुंचे मॉरिशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिंह रूपन ने सोमवार को प्रसिद्ध दक्षिणेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की है। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद स्वपन दासगुप्ता भी मौजूद थे। धर्मपत्नी को साथ लेकर पृथ्वीराज सिंह ने दक्षिणेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के साथ यहां करीब 45 मिनट तक समय बिताया। दक्षिणेश्वर मंदिर के अक्षी कुशल चौधरी ने यहां उनका स्वागत किया। मां काली की पूजा-अर्चना करने के बाद परिसर में मौजूद भोले बाबा के मंदिर में भी उन्होंने जल चढ़ाया। वे गंगा घाट पर गए और यहां की व्यवस्था देखी। वे दक्षिणेश्वर मंदिर परिसर में मौजूद रामकृष्ण परमहंस के कमरे में भी गए और राधाकृष्ण मंदिर के अंदर जाकर पूजा-अर्चना की। मॉरिशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिंह रूपन कोलकाता में आयोजित एक नागरिक सम्मान कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए हैं।

डिपो में धूल खा रही हैं 500 से अधिक बसें

- 40 डिग्री में इंतजार कर रहे यात्रियों के छूटे पसीने
- कई युवा बसों के ऊपर बैठकर सफर करने को मजबूर दिखे

जालंधर (ईएमएस)। पंजाब के जालंधर में डिपो में 500 से अधिक बसें धूल खा रही हैं, जिससे बसों की कमी के चलते यात्रियों को रोजाना परेशानियां उठानी पड़ रही है, लेकिन प्राइवेट बसों के परिचालन में कमी होने के कारण यात्रियों की परेशानियां बढ़ गई और बस में चढ़ने के लिए लोग परेशान होते रहे। इसी बीच रविवार को सरकारी पेपर, डेरे में भंडारा व अन्य एक स्थान पर धार्मिक समारोह के चलते बसों में सफर करने वालों की गिनती रूटीन के दिनों से 2-3 गुणा बढ़ गई। बसों की कमी के चलते यात्रियों को अपने गंतव्य पर जाने में काफी दिक्कतें उठानी पड़ी। दोपहर को तापमान 40 डिग्री को छू रहा है व बसों का इंतजार कर रहे यात्रियों के पसीने छूट रहे थे। आलम यह था कि लंबे इंतजार के बाद भी उन्हें खड़े होकर सफर करने को मजबूर होना पड़ रहा था। बसों का इंतजार कर परेशानी झेल रहे कई युवा बसों के ऊपर बैठकर सफर को निकलते देखे गए। उल्लेखनीय है कि डिपो में खड़ी 500 से अधिक बसों को सड़कों पर उतारने के लिए ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा आउटसोर्स पर नए चालक दलों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी, जो शुरूआत में ही विरोध का शिकार हो गई। कांट्रैक्ट व आउटसोर्स पर पहले से काम कर रहे 6600 कर्मचारियों की यूनियन ने दो-टूक चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक उन्हें पक्का नहीं किया जाएगा व नए स्टाफ को काम करने नहीं देंगे। इसके चलते भर्ती प्रक्रिया ठंडे बस्ते में चली गई है जो विभाग के साथ-साथ यात्रियों के लिए भी परेशानी का सबब बन रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस परेशानी का कारण विभाग की गलत नीतियां है, जब 842 नई बसें डाली गई थी तो उस समय स्टाफ भर्ती करना चाहिए था। विधानसभा चुनावों के चलते अपनी पीठ थपथपाने के लिए चन्नी सरकार ने नई बसें तो डाल दी लेकिन भर्ती को लंबित रखा। उस समय सरकार कच्चे कर्मचारी भर्ती करती तो विरोध होना था, जिससे बचने के लिए सरकार ने मौजूदा स्टाफ से नई बसें चलावानी शुरू करवा दी। रूटों पर चल रही बसों को डिपों में खड़ा कर दिया गया। उसके बाद अब डेढ़ वर्ष का लंबा समय बीत चुका है लेकिन भर्ती नहीं हो पाई, जिसके चलते 500 से अधिक बसें खड़ी है।

भारत को साइबर व अंतरिक्ष के खतरों से निपटने में सक्षम बनाने का रक्षा मंत्री ने किया आह्वान

- रक्षा मंत्री ने 261 एमटेक, एमएससी, 22 पीएचडी सहित 283 छात्रों को डिग्री बांटी
- भारत की आत्मनिर्भरता के बिना वैश्विक मुद्दों पर स्वतंत्र निर्णय नहीं लिया जा सकता

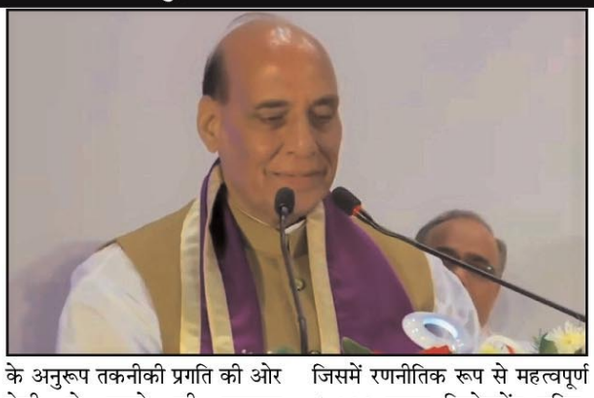

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत को साइबर और अंतरिक्ष से संबंधित उभरते खतरों से निपटने में पूरी तरह सक्षम बनाने का आह्वान किया। सोमवार को पुणे स्थित रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईए) के 12वें दीक्षांत समारोह में रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की आत्मनिर्भरता के बिना वैश्विक मुद्दों पर स्वतंत्र निर्णय नहीं लिया जा सकता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भरता का उद्देश्य अपने सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही अपने मित्र देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। अत्याधुनिक तकनीकों और रक्षा अनुसंधान के बीच गहरे संबंध पर प्रकाश डालते हुए राजनाथ सिंह ने डीआईएटी जैसे संस्थानों से नए नवाचारों के साथ आने का भी आह्वान किया, जो न केवल रक्षा क्षेत्र के लिए उपयोगी हैं, बल्कि नागरिकों के लिए भी समान रूप से प्रभावी हैं। रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने के लिए सरकार के दृष्टिकोण से अवगत कराते हुए रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत को साइबर और अंतरिक्ष से संबंधित उभरते खतरों से निपटने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी में प्रगति करनी चाहिए। आत्मनिर्भरता का मतलब अलगाव नहीं, बल्कि इसका अर्थ अपनी जरूरतों की पूर्ति करने के साथ-साथ मित्र देशों की भी आवश्यकताओं को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि यदि हमारे विरोधी के पास अधिक उन्नत प्रौद्योगिकियां हैं, तो यह भविष्य में हमारे लिए चिंता का कारण हो सकती हैं। बदलते समय के अनुरूप तकनीकी प्रगति की ओर तेजी से बढ़ने की तत्काल आवश्यकता है। यह जिम्मेदारी हमारी संस्थाओं की है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय ने चार सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की हैं, जिसमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 4,666 लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट, सब-सिस्टम और पुर्जों के आयात पर प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने इन कदमों को रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। दीक्षांत समारोह के दौरान डीआईएटी के कुलाधिपति और रक्षा मंत्री ने 261 एमटेक, एमएससी, 22 पीएचडी सहित 283 छात्रों को डिग्री प्रदान की। इस दौरान छात्रों को कुल 20 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। राजनाथ सिंह ने डीआईएटी में किए गए विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के प्रयोगशाला प्रदर्शनों का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम में रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव, डीआरडीओ के अध्यक्ष और गवर्निंग काउंसिल (डीआईएटी) के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. जी सतीश रेड्डी, डीआईएटी के कुलपति डॉ. सीपी रामनारायणन, डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के महानिदेशक और निदेशक शामिल हुए।

मुख्यमंत्री योगी ने थानों में बैरक, हास्टल के निर्माण को लेकर दी स्वीकृति

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ ही साथ पुलिस कर्मियों को मिलने वाली सुविधाओं को भी ध्यान दे रहे हैं। इसी के तहत कई जिलों के थानों में बैरक, हॉस्टल और विवेचना कक्ष के निर्माण को लेकर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। सरकारी प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस-ाकर्मियों की सुविधा को वरीयता देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद श्रावस्ती के कोतवाली भिनगा में हॉस्टल, बैरक एवं विवेचना कक्ष के निर्माण कार्य के लिए 202.92 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावा जनपद अम्बेडकर नगर के थाना अलीगंज में हॉस्टल,बैरक एवं विवेचना कक्ष के निर्माण को 218.32 लाख की धनराशि स्वीकृति प्रदान की गई। इसी तरह जनपद मऊ के थाना दोहरीघाट में हॉस्टल, बैरक और विवेचना कक्ष का निर्माण के लिए 207.01 लाख की स्वीकृति प्रदान की है।

देश और विदेशी उद्यमियों की मदद को उद्यमी मित्र सेलेक्ट

- उद्यमी मित्रों का सेलेक्शन प्रोसीजर हुआ पूरा, इन्वेस्ट यूपी ने लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद जारी किया रिजल्ट
- वेबसाइट (invest.up.gov.in)पर जाकर देंखे रिजल्ट

लखनऊ, (हि. स.)। देश और विदेश के उद्यमियों की समस्याओं और उनके समाधान के लिए प्रदेश सरकार उद्यमी मित्रों की नियुक्ति कर रही है। इन उद्यमी मित्रों की चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 105 उद्यमी मित्रों का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। यह रिजल्ट इन्वेस्ट यूपी की वेबसाइट (invest.up.gov.in)पर जाकर उद्यमी मित्र के सेक्शन पर क्लिक करके एक पेज ओपेन होगा, जिस पर रिजल्ट को डाउनलोड किया जा सकता है। उद्यमी मित्रों का सेलेक्शन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर किया गया है। जल्द ही सभी 105 उद्यमी मित्रों को जनपदों और इन्वेस्ट यूपी कार्यालय एवं मुख्यालय पर नियुक्ति दे दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी ने यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से प्रदेश में हुए 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू को धरातल पर उतारने और उद्यमियों की सहायता के लिए उद्यमी मित्र नियुक्त करने का निर्णय लिया था।

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर हुआ सेलेक्शन - अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अधीन नोडल संस्था इन्वेस्ट यूपी द्वारा इन उद्यमी मित्रों की नियुक्ति की प्रक्रिया को पूरा किया गया है। मालूम हो कि प्राप्त आवेदनों को वरिष्ठ अधिकारियों की स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा वेरिफिकेशन के बाद उद्यमी मित्रों के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया था। सफलतापूर्वक परीक्षा सम्पन्न होने के बाद 16 अप्रैल को इसके परिणाम घोषित किए गए थे, जिसमें 350 अभ्यर्थी चयनित हुए थे। वहीं 18 अप्रैल से सेलेक्टेड कैंडीडेट्स के लिए इंटरव्यू की प्रक्रिया शुरू की गई, जो 8 मई तक चली।

साक्षात्कार के 25 तो कंप्यूटर टेस्ट के 10 अंक किए गए थे निर्धारित - साक्षात्कार एवं कंप्यूटर टेस्ट के लिए भी एसओपी बनाई गई थी, जिसमें रिक्तियों की संख्या के तीन गुणा अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था। साक्षात्कार के लिए 25 अंक व कंप्यूटर टेस्ट के लिए 10 अंक निर्धारित किए गए थे। वहीं आईआईटी कानपुर, आईआईएम लखनऊ या एकेटीयू लखनऊ जैसे प्रदेश के प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों द्वारा प्रश्न पत्र तैयार करके कंप्यूटर टेस्ट की परीक्षा ली गयी थी। उद्देश्य कथन को साक्षात्कार में मूल्यांकित किया गया। साक्षात्कार के समय ही अभ्यर्थियों द्वारा अपने समस्त शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत किया गया।

बड़ी संख्या में भेजे गए थे आवेदन - विभागीय अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार, इस योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में प्रदेश के युवाओं की ओर से आवेदन भेजे गए थे। निर्धारित योग्यता के अनुसार अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया था। योजना के तहत कुल 105 उद्यमी मित्रों का चयन किया गया। इसमें 70 पद विभिन्न जनपदों के लिए हैं, जबकि 10 पद इन्वेस्ट यूपी कार्यालय व मुख्यालय के लिये हैं। वहीं 25 पद औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के लिए हैं। इन सभी का चयन एक वर्ष के लिए किया गया है और जरूरत पड़ने पर यह समय-सीमा बढ़ाई जा सकेगी।

अभिनेत्री आकांक्षा दुबे को न्याय दिलाने के लिए किन्नर समाज भी आगे आया

—गुलिस्ता एकता किन्नर ट्रस्ट ने अभिनेत्री की मां के साथ पुलिस कमिश्नर को सौंपा पत्रक,पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग

वाराणसी, (हि.स.)। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे मौत प्रकरण में परिजनों को न्याय दिलाने के लिए अब गुलिस्ता एकता किन्नर ट्रस्ट भी आगे आया है। सोमवार को ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष सलमान किन्नर अपने साथियों के साथ इस मामले को लेकर कचहरी पहुंची। अभिनेत्री की मां मधु दुबे के साथ पुलिस कमिश्नर को पत्रक देने पहुंची सलमान किन्नर ने कहा कि आकांक्षा दुबे को न्याय दिलाने के लिए वह उनके परिजनों के साथ है। सलमान किन्नर ने कहा कि यदि जल्दी ही आकांक्षा की हत्या किए जाने का मुकदमा दर्ज कर विवेचना नहीं की जाती है तो वह बड़ा धरना वाराणसी जिला मुख्यालय पर आयोजित करेंगी। सलमान किन्नर ने आकांक्षा दुबे हत्या मामले की सीबीआई जांच और हत्या में दोषी पाये जाने पर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की। इस दौरान संजू किन्नर, माही किन्नर, रागिनी किन्नर और पारो किन्नर भी मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 21 मई को

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में इस बार 21 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। इसकी जानकारी रविवार को देते हुए अपर जिला जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रेम प्रकाश ने बताया कि 21 मई की सुबह 10 बजे से जनपद न्यायालय, लखनऊ कलेक्ट्रेट एवं जनपद की समस्त तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत लगाई जाएगी। इसके अतिरिक्त पारिवारिक न्यायालय एवं मोती महल स्थित मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, लखनऊ में भी लोक अदालत का आयोजन होगा। वादकारीगण जिनके वाद किसी न्यायालय में विचाराधीन हो, राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने वाद निस्तारित कराकर लाभान्वित हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि बैंक वसूली वाद, किरायदारी वाद, मोबाइल फोन व केबल नेटवर्क संबंधी प्रकरण, आयकर, बैंक व अन्य वित्तीय संस्थाओं से सम्बन्धित प्रकरण, ऐसे प्रकरण जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के लिए आपसी सुलह समझौते से निपटाना चाहें, दीवानी वाद, उत्तराधिकार वाद, पारिवारिक वाद, दाम्पत्य सम्बन्धी वाद, प्रीलिटिगेशन स्तर पर, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, चेक बाउंस के मामले, जनोपयोगी सेवाओं तथा वाणिज्य कर से सम्बन्धित प्रकरण आदि मामलों का निस्तारण किया जायेगा।

प्लास्टिक फैक्टरी में लगी आग पर दमकल कर्मियों ने चार घंटे में काबू पाया

मथुरा, (हि.स.)। गोविन्द नगर थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया में रविवार की आधी रात को प्लास्टिक फैक्टरी के कबाड़ गोदाम में आग लग गई। दमकल कर्मियों ने चार घंटे की कड़ी मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया। थाना गोविन्द नगर क्षेत्र अंतर्गत गोकुल रेस्टोरेंट के पास इंडस्ट्रियल एरिया में प्रमोद खंडेलवाल तथा गिरधारी खंडेलवाल की रसिक प्रोडक्ट के नाम से फैक्टरी है। इस फैक्ट्री में पॉलिथीन,प्लास्टिक से संबंधित सामान बनाए जाते हैं। र-विवार रात को फैक्टरी परिसर में बने कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। आग फैक्टरी परिसर में अंदर पहुंचती उससे पहले ही सूचना मिलने पर दमकल कर्मी दो गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचकर आग को बुझाने में जुट गए। चीफ फायर ऑफिसर नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आग को समय रहते कंट्रोल कर लिया गया। आग को काबू में करने के लिए करीब चार घंटे का समय लगा है। प्लास्टिक का स्क्रैप और आंधी तूफान की वजह से आग कंट्रोल होने की बजाय बढ़ती जा रही थी। आग को बढ़ता देख रिफाइनरी, कोसी और वृंदावन से दमकल की गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। इसके अलावा समाजसेवियों से टैंकर मंगा कर मदद ली गई।

निकाय चुनाव में मिली हार की समीक्षा करेंगी मायावती

- लखनऊ में 18 मई को होगी बड़ी बैठक, मौजूद रहेंगे सभी बड़े नेता

लखनऊ, (हि.स.)। नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश में बड़ी जीत दर्ज की है। निकाय चुनाव में मिली बड़ी जीत से भाजपा के नेताओं में खुशी की लहर है, वहीं विपक्षी दल हार की समीक्षा करने में लगे हैं। इसी क्रम में बहुजन समाज पार्टी 18 मई को लखनऊ में एक बड़ी बैठक करने जा रही है। पार्टी के एक प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम चुनाव के नतीजे एकतरफा आए हैं। दूसरी ओर, पार्टी की ओर से क्या और क-हां पर कमी रह गई है, इस पर चर्चा के लिए 18 मई को आपात बैठक बुलाई गयी है। इसमें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, तमाम बड़े नेता, जोनल कोऑर्डिनेटर, पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। नगर निकाय चुनाव में बसपा की करारी हार और आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी की रणनीति पर भी चर्चा होगी।

गुस्साए अधिवक्ताओं ने कचहरी के गेट पर ताला जड़, किया हंगामा

गाजियाबाद, (हि.स.)। एक वकील को थाने में रातभर बैठने से गुस्साए अधिवक्ताओं ने सोमवार को गाजियाबाद कचहरी में जमकर हंगामा किया। वकीलों ने इस दौरान कचहरी परिसर के गेट पर ताला डाल दिया और किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया। हालांकि कुछ देर बाद वादकारियों की परेशानी को देखते हुए गेट को खुलवा दिया गया। विरोध प्रर्दशन करते हुए अधिवक्ता कार्य से विरत रहे। बॉर एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेंद्र कौशिक ने कहा कि बॉर में कार्यरत अधिवक्ता प्रवीण त्यागी को निवाड़ी थाना पुलिस ने र-विवार रात से थाने में बैठा रखा है। यदि कोई मामला था भी तो पुलिस को बॉर को विश्वास में लेना चाहिए था, लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं किया। सुबह कुछ अधिवक्ताओं ने थाना पुलिस से संपर्क किया था, लेकिन इसके बावजूद पुलिस ने अधिवक्ता को नहीं छोड़ा। पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में अधिवक्ता कार्य से विरत रहे। बॉर एसोसिएशन ने पुलिस कमिश्नर से अधिवक्ता को बिना किसी कार्रवाई के छोड़े जाने और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

अतिशीघ्र शुरू होंगी कानपुर नए टर्मिनल से फ्लाइट की उड़ान

कानपुर (कान्हापुर), (हि.स.)। एयरपोर्ट की नई एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग बनकर पूरी तरह तैयार हो चुकी है। कानपुर वासियों का इंतजार अति शीघ्र खत्म हो जाएगा। मई माह के अन्तिम सप्ताह में उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका उद्घाटन करेंगे। इसकी तैयारी की जा रही है। मालूम हो कि कानपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल से मुंबई, पुणे, हैदराबाद, कोलकाता, जयपुर, सूरत, अहमदाबाद, भोपाल, इंदौर, अमृतसर की उड़ानें शुरू होंगी। लगभग एक वर्ष के अन्दर बीस उड़ानें शुरू होने की उम्मीद है। सूत्रों की मानें तो एएआई की रिपोर्ट में नए टर्मिनल में तीन एप्रन को बढ़ाकर छह एप्रन बनाने का विकल्प है। इस वजह से एक साथ छह जहाज एयरपोर्ट पर आ सकते हैं। एयरपोर्ट का नया टर्मिनल पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है। 26 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन से नया टर्मिनल ऑपरेशनल हो जाएगा। पहले चरण में बंद हो चुकी उड़ानों को बहाल किया जाएगा। जिसमें हैदराबाद, कोलकाता और पुणे की उड़ानें शामिल हैं। इसके बाद यात्रियों की संख्या के हिसाब से एक दर्जन शहरों के लिए फ्लाइट बढ़ाई जाएंगी।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर 5 जुलाई से लगेगा अधिक पार्किंग शुल्क

रांची, (हि.स.)। रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की नई पार्किंग पॉलिसी के तहत दरों में बदलाव किया गया है। नयी दर पांच जुलाई से लागू होगी। नए नियमों के अनुसार 0 से 8 मिनट तक किसी भी गाड़ी को एंट्री गेट से एग्जिट गेट के बीच कोई शुल्क नहीं देना होगा। आठ मिनट से ज्यादा समय होने पर प्राइवेट गाड़ियों को 30 रुपये और व्यावसायिक गाड़ियों को 115 रुपये देने होंगे। नए पॉलिसी के अनुसार, पार्किंग टैरिफ में भी बदलाव किया गया है। नयी दरों के अनुसार, बस-ट्रक को 30 मिनट तक 170 रुपये देने पडेगे। वही 30 मिनट से 120 मिनट तक 250 रुपय देने होंगे। ऑटो और एक्सयूवी को 30 मिनट तक 20 रुपये देना होगा। 30 मिनट से 120 मिनट तक के लिए 35 रुपये देने होंगे। प्रीमियम कार पार्किंग के लिए 30 मिनट तक 75 रुपये लगेंगे। वहीं 30 मिनट से 120 मिनट तक के लिए 80 रुपये लगेंगे। प्राइवेट कारों को 30 मिनट के लिए पार्किंग शुल्क 30 रुपये लगेगा। वहीं 30 मिनट से 120 मिनट तक 40 रुपये देना पड़ेगा। टू-ह्वीलर गाड़ियों को 30 मिनट तक के लिए 10 रुपये देना होगा। 30 मिनट से 120 मिनट तक के लिए 15 रुपये देना होगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के लिए काम करने वाले कर्मचारियों के लिए भी पार्किंग दरों को बदला गया है। कर्मचारियों के लिए पार्किंग शुल्क महीने के हिसाब से बदला गया है। ऑटो ट्रक और मालवाहक गाड़ियों के लिए एक महीना का शुल्क दो हजार रुपये रखा गया है। वहीं टू-ह्वीलर गाड़ियों को एक महीने के लिए 3000 रुपये देने होंगे।

आपराधिक घटनाओं के साथ-साथ साइबर क्राइम को रोकना बेहद जरूरी: डीजीपी

रांची, (हि.स.)। डीजीपी अजय कुमार सिंह ने कहा कि आपराधिक घटनाओं के साथ-साथ साइबर क्राइम को रोकना बेहद जरूरी है। अब साइबर क्राइम के जरिए वाट्सएप कॉल कर रंगदारी मांगी जा रही है। ऐसे मामलों के अनुसंधान के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। डीजीपी सोमवार को होटवार स्थित पुलिस अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड में छह साइबर थाने के सहयोग से साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार से छह साइबर थाने और खोलने का अनुरोध किया गया है। जिससे पूरी तरह से साइबर अपराध पर लगाम लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से पुलिस पदाधिकारियों को बहुत सी जानकारियां दी जा रही हैं। इससे उन्हें साइबर मामले से जुड़े केस में काफी मदद मिलेगी। साथ ही साइबर से जुड़े केस का त्वरित गति से समाधान हो सकेगा। मौके पर डीजी सीआईडी ने बताया कि झारखंड में साइबर अपराध की रोकथाम और केस के बेहतर अनुसंधान के लिए पुलिस अफसरों को ट्रेनिंग दी जा रही है। इसे लेकर झारखंड सीआईडी की ओर से भारतीय साइबर समन्वय केंद्र और उत्तराखंड पुलिस के सहयोग से पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम तीन भागों में आयोजित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने जनता दरबार में 83 लोगों की सुनी समस्या, अधिकारियों को दिए निर्देश

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को जनता दरबार में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे 83 लोगों की समस्याओं को सुना। साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए। 'जनता के दरबार में मुख्यमंत्री' कार्यक्रम में सुपौल जिले से आए एक समाजसेवी ने कहा कि उनके गांव के क्षतिग्रस्त पुल का पुनः निर्माण कराया जाए, जिससे आवागमन सुलभ हो सके। अररिया जिले से आए एक फरियादी ने गुहार लगाते हुए मुख्यमंत्री से कहा कि जमीन बंदोबस्ती के बाद भी हम महादलित परिवारों की जमीन की रसीद नहीं काटी जाती है, जिससे हमेशा भगाए जाने का संशय बना रहता है। सहरसा जिले से आए एक फरियादी ने गुहार लगाते हुए मुख्यमंत्री से कहा कि हमारे इलाके में ग्रामीण सड़क का अब तक निर्माण नहीं हो सका है, जिससे आज भी हमारा गांव पिछड़ा हुआ है। शेखपुरा जिले से आए एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि हमने अपनी भूमि के म्यूटेशन के लिए आवेदन दिया, सारी प्रक्रिया को पूरा करने के बाद भी मेरी जमीन, जो मेरे नाम से है म्यूटेशन करने की बजाए उसे बिका हुआ बताया जा रहा है, जबकि इस बार के सर्वे में भी भूमि मेरे ही नाम पर चढ़ा हुआ है। मेरी जमीन का हल्का कर्मचारी द्वारा म्यूटेशन नहीं किए जाने से मेरा पूरा परिवार अपनी पुश्तैनी भूमि को लेकर काफी परेशान है। समस्तीपुर जिले से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि पौधारोपण मामले में राशि गबन कर ली गयी है और पौधारोपण भी नहीं किया गया है।मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। समस्तीपुर जिले से ही आयी एक अन्य महिला ने मुख्यमंत्री से फरियाद करते हुए कहा कि 9 कट्ठा 8 धुर जमीन खरीदा लेकिन हमारे अपनी ही भूमि का लगान रसीद काटकर नहीं दिया जा रहा है, जिससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लखीसराय जिले से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से निवेदन करते हुए कहा कि जन वितरण प्रणाली के अंतर्गत दुकान आवंटन की सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी दुकान मुझे नहीं देकर किसी और को दे दी गयी है।

मुख्यमंत्री ने खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। गोपालगंज जिले से आये एक समाजसेवी ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि दो बीघा से अधिक सरकारी गैर मजरूआ जमीन को दबंगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है। इसकी शिकायत करने के बाद भी इस भूमि को मुक्त नहीं कराया जा रहा है। वहीं गोपालगंज जिले से ही आए एक अन्य फरियादी ने आग्रह करते हुए कहा कि मेरी दादी के द्वारा बख्शीश में मिली भूमि का दाखिल खारिज नहीं किया जा रहा है, इससे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बेगूसराय जिले से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि हमलोग पिछले तीन साल से जल जमाव की समस्या से जूझ रहे हैं। इस-की सूचना संबंधित लोगों को दिए जाने के बाद भी किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। रोहतास जिले से आये एक युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मेरे गांव अगड़ेर से झुलकुसिया तक के सड़क का निर्माण नहीं कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोहतास से ही आए एक अन्य युवक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर दबंगों द्वारा मकान का निर्माण करा लिया गया है, जिससे नहर बाधित हो गया है और पटवन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सारण जिले से आए एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि हमारे गांव में सड़क का निर्माण नहीं होने से महादलित टोले के लोग बरसात के दिनों में मुख्य मार्ग से कट जाते हैं। सारण जिले से ही आए एक अन्य फरियादी ने गुहार लगाते हुए कहा कि पंचायत के कई वार्डों में नल-जल योजना में मेंटेनेंस नहीं किया जा रहा है, जिससे सरकार के द्वारा मिलने वाली शुद्ध पेयजल की सुविधा सही तरीके से मुहैया नहीं हो पा रही है। मुंगेर जिले से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे पति नगर निगम में कार्यरत थे, तीन साल पहले उनकी मृत्यु हो गई, लेकिन किसी प्रकार की कोई सुविधा नहीं मिल पायी है। मुख्यमंत्री ने नगर विकास एवं आवास विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

आईपीएस डॉ एम तमिलवानन केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे

रांची, (हि. स.)। झारखंड 2008 बैच के तेजतर्रार आईपीएस डॉ एम तमिलवानन केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे। इस संबंध में केंद्र सरकार के अंडर सेक्रेटरी संजीव कुमार ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि डॉ. एम. तमिलवानन की प्रतिनियुक्ति हैदराबाद के वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) में उप निदेशक के रूप में की गई है। साथ ही राज्य सरकार से अनुरोध किया गया है कि डॉ. एम. तमिलवनन को तुरंत कार्यमुक्त करें, ताकि वे केंद्र में अपना नया कार्यभार ग्रहण कर सकें। वर्तमान में डॉ. एम. तमिलवानन सीआईडी के डीआईजी के पद पर पदस्थापित है।

नल जल योजना का ग्रामीणों को नहीं मिल रहा लाभ : शमशाद आलम

किशनगंज, (हि.स.)। जिला के ठ-ाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत डुमरिया पंचायत के होटल बस्ती गांव में ग्रामीणों को नल जल योजना का शुद्ध पेयजल नहीं मिल रहा है। सोमवार को स्थानीय समाजसेवी शमशाद आलम ने जानकारी देते हुए बताया कि नल जल योजना का पानी टंकी लगे हुए तकरीबन एक वर्ष हो गया है लेकिन अब तक नल जल योजना का ग्रामीणों को लाभ नहीं मिल पाया। उनका कहना है कि नल जल योजना सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गई है कागजों में ही नल जल योजना की खानापूर्ति की जा रही है लेकिन नल जल योजना धरातल पर नजर नहीं आ रहा है और ग्रामीणों को हर घर नल जल योजना के तहत शुद्ध पेयजल मिलना चाहिए जो ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। आगे उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तर से लेकर जिलास्तर तक अधिकारियों को बताया गया है लेकिन अब तक नल जल योजना का शुद्ध जल ग्रामीणों को नसीब नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि सरकार नल जल योजना के प्रति गंभीरता दिखाते हुए हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से हर घर नल जल योजना को लाए और धरातल पर उतारने के लिए जद्दोजहद कर रही है। वहीं संवेदक द्वारा लापर-वाही सामने आ रही है कि नल जल योजना के तहत पानी टंकी लगने के बाद भी अब तक ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नसीब नहीं हुआ। यह बहुत हैरानी की बात है कि सरकार के योजना का संवेदक द्वारा मजाक उड़ाया जा रहा है। समाजसेवी शमशाद आलम ने नल जल योजना से जुड़ी परेशानियों को बताते हुए कहा कि संवेदक मो रियाज अहमद द्वारा उक्त नल जल योजना का कार्य किया गया लेकिन अभी तक ग्रामीण इसका लाभ नहीं ले पाए हैं।

विपक्षी दल साथ आए तो पूरे देश से भाजपा का होगा सफाया : तेजस्वी यादव

पटना, (हि.स.)। बिहार के उपमुख्यमंत्री-सह स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव ने कर्नाटक चुनाव नतीजों के दो दिन बाद सोमवार को अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां अगर साथ हो जाएं तो भाजपा पूरे देश में खत्म हो जायेगी। पटना में जनता दरबार के बाद पत्रकारों से बातचीत में डिप्टी सीएम तेजस्वी ने कहा कि कर्नाटक में भाजपा की हार ने पूरे देश में एक संदेश दिया है कि अगर साथ आकर लड़े तो हम जीत सकते हैं। पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि सीएम कब बनेंगे तो उन्होंने कहा कि पीएम-सीएम बनने की फिलहाल कोई इच्छा नहीं है। तेजस्वी ने तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने तो पहले ही बता दिया था कि हनुमान जी भाजपा से नाराज हैं, कांग्रेस की एकतरफा जीत हुई है। यह हार सिर्फ भाजपा की हार नहीं है, यह पूंजीवाद की भी हार है।

संपादकीय

कांग्रेस को संजीवनी

कर्नाटक का जनादेश और स्पष्ट बहुमत कांग्रेस के पक्ष में रहा है। कांग्रेस को 135 और भाजपा को 65 सीटों पर जीत मिली है, जबकि जनता दल-एस मात्र 19 सीटों पर ही ठहर गया है। भाजपा और जद-एस दोनों की ताकत और आंकड़े कम हुए हैं। कांग्रेस बीती विधानसभा में 69 सीट पर ही रह गई थी। उसे 66 अधिक सीटें हासिल हुई हैं। भाजपा 118 सीट से घट कर 65 पर सिमट गई है। जद-एस को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है और वह 32 सीट से घट कर 19 तक लुढ़क आई है। कांग्रेस के लिए यह जनादेश 1989 के बाद सबसे विराट है, जब पार्टी के हिस्से करीब 43 फीसदी वोट पड़े थे। यह वोट प्रतिशत भाजपा के 36 फीसदी से बहुत ज्यादा है। यकीनन यह कांग्रेस के हिस्से की 'संजीवनी' है, जिसे कर्नाटक के मतदाता लाए हैं। सोच लीजिए कि 'बजरंग बली' किसके साथ उपस्थित हैं! दरअसल जब चुनाव शुरू हुआ था, तभी से स्पष्ट 'अंडर करंट' कांग्रेस के पक्ष में था, लेकिन यह मूड बुनियादी तौर पर भाजपा-विरोधी था। इस बार जनता भाजपा के मंत्रियों और विधायकों को सबक सिखाना चाहती थी, लिहाजा 12 मंत्री चुनाव हारे हैं। माना जा रहा है कि यदि येदियुरप्पा भी भाजपा के मुख्यमंत्री-चेहरा होते, तो भी भाजपा की पराजय तय थी। भाजपा के विकल्प के तौर पर कांग्रेस को यह जनादेश हासिल हुआ है। कांग्रेस की जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण भाजपा की पराजय और अंतर्कलह है, क्योंकि कर्नाटक ही दक्षिण में भाजपा की उम्मीद रहा है। उसे भाजपा का गढ़ नहीं माना जा सकता, क्योंकि पार्टी को कभी भी स्पष्ट जनादेश नहीं मिला। भाजपा के कई नेताओं और खासकर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने येदियुरप्पा को कहा था कि वह उनके इलाकों में चुनाव प्रचार न करें। नतीजतन येदियुरप्पा ने खुद को हाशिए पर कर लिया और सीमित प्रचार किया। कुछ लिंगायत बहुल इलाकों में वहां के जातीय नेताओं ने भी येदियुरप्पा से आग्रह किया कि वह उन इलाकों में प्रचार न करें, क्योंकि लिंगायत कांग्रेस को वोट देंगे। यह जनादेश से भी स्पष्ट हो रहा है कि लिंगायत अब भाजपा तक ही सिमटे हुए नहीं हैं। बहरहाल कांग्रेस के लिए यह जश्न की घड़ी है। अब देश के 4 राज्यों में कांग्रेस सरकारें होंगी। उनके अलावा बिहार, झारखंड और तमिलनाडु राज्यों की गठबंधन सरकारों में भी कांग्रेस एक घटक है। कमोबेश अब यह सार्वजनिक दावा करना छोड़ देना चाहिए कि भारत कांग्रेस-मुक्त हो सकता है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तो तंज किया है कि अब दक्षिण भाजपा-मुक्त हो गया है। दरअसल कर्नाटक में भाजपा की हर स्तर पर हार हुई है। जो विश्लेषण सामने आ रहे हैं, उनके मुताबिक मुसलमान और ओबीसी की लामबंदी और एकतरफा वोट के कारण कांग्रेस की जीत हुई। करीब 72 फीसदी मुसलमानों ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया, नतीजतन हर क्षेत्र का जनादेश कांग्रेसमय हुआ। कर्नाटक के सिर्फ तटीय क्षेत्र में भाजपा कांग्रेस से आगे रही। जिन्हें भाजपा अपना गढ़ माना करती थी और वहां उसे लगातार जनादेश भी मिलते रहे हैं, वहीं भाजपा पराजित हुई है। इनके अलावा मजदूर, किसान, महिलाओं, आदिवासियों, दलितों, लिंगायत, वोक्कालिगा आदि ने भी कांग्रेस को 'पहली पसंद' माना और वोट दिए। भाजपा की नाकामी का बड़ा कारण यह भी रहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'बजरंग बली', 'जहरीला सांप' और 'डबल इंजन' सरीखे मुद्दे उठाए। अब मौजू सवाल है कि क्या कर्नाटक के जनादेश का असर 2024 के आम चुनावों तक रहेगा?

> भाजपा 118 सीट से घट कर 65 पर सिमट गई है। जद-एस को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है और वह 32 सीट से घट कर 19 तक लुढ़क आई है। कांग्रेस के लिए यह जनादेश 1989 के बाद सबसे विराट है, जब पार्टी के हिस्से करीब 43 फीसदी वोट पड़े थे। यह वोट प्रतिशत भाजपा के 36 फीसदी से बहुत ज्यादा है। यकीनन यह कांग्रेस के हिस्से की 'संजीवनी' है, जिसे कर्नाटक के मतदाता लाए हैं। सोच लीजिए कि 'बजरंग बली' किसके साथ उपस्थित हैं! दरअसल जब चुनाव शुरू हुआ था, तभी से स्पष्ट 'अंडर करंट' कांग्रेस के पक्ष में था, लेकिन यह मूड बुनियादी तौर पर भाजपा-विरोधी था। इस बार जनता भाजपा के मंत्रियों और विधायकों को सबक सिखाना चाहती थी, लिहाजा 12 मंत्री चुनाव हारे हैं। माना जा रहा है कि यदि येदियुरप्पा भी भाजपा के मुख्यमंत्री-चेहरा होते, तो भी भाजपा की पराजय तय थी। भाजपा के विकल्प के तौर पर कांग्रेस को यह जनादेश हासिल हुआ है। कांग्रेस की जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण भाजपा की पराजय और अंतर्कलह है, क्योंकि कर्नाटक ही दक्षिण में भाजपा की उम्मीद रहा है। उसे भाजपा का गढ़ नहीं माना जा सकता, क्योंकि पार्टी को कभी भी स्पष्ट जनादेश नहीं मिला। भाजपा के कई नेताओं और खासकर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने येदियुरप्पा को कहा था कि वह उनके इलाकों में चुनाव प्रचार न करें।

कुछ अलग

सिर्फ एक बार

सुक्खू सरकार लगभग आधा साल पूरा कर चुकी है और इसके सियासी, प्रशासनिक और सामाजिक पहलू, कुछ न कुछ अंक बटोर चुके हैं और इसीलिए मुख्यमंत्री के रूप में सुखविंदर सिंह सुक्खू की निजी भूमिका में यह प्रदेश कुछ चर्चाएं, कुछ सहमतियां और कुछ अपेक्षाएं बटोर रहा है। ऐसे में कितने अंतर में और कितने समानांतर यह सरकार खड़ी है, इसका विवेचन राज्य के विभिन्न प्रैशर ग्रुप कर रहे हैं। जाहिर है ओपीएस मुद्दे पर कार्रवाई ने सरकार के प्रति कर्मचारी सौहार्द पैदा किया है, कुछ इसी प्रकार पेश किए गए बजट की समीक्षा में भी सुक्खू सरकार को विश्वसनीयता की आंख से देखा जा रहा है, लेकिन इसकी असली पहचान व्यवस्था परिवर्तन के दायरे में ही होगी। ऐसे में हम यह तो मान सकते हैं कि वर्तमान सरकार को 'सिर्फ एक बार' के सिद्धांत पर सफल होना पड़ता है। हिमाचल में क्रांतिकारी बदलाव तब-तब आए हैं, जब-जब मुख्यमंत्रियों ने 'सिर्फ एक बार' की राह पर स्वतंत्र और साहसी उद्घोष किए। वाईएस परमार और शांता कुमार हिमाचल के राजनीतिक इतिहास में अपने साहसी कडक़पन के लिए आज भी इसलिए जाने जाते हैं, क्योंकि दोनों मुख्यमंत्रियों ने सरकारी कार्य संस्कृति को अनुशासित करते-करते यह प्रवाह नहीं की कि उनकी सरकारें लगातार सत्ता में रहें। शांता कुमार ने तो दो बार सरकार की कुर्बानियां देकर, खुद को मतदान की कचहरी में अलोकप्रिय बना लिया, लेकिन प्रदेश को जीने के मौलिक सिद्धांत देकर वह श्रद्धेय हो गए। वाईएस परमार का जिक्र भी इसी तरह हिमाचल के संदर्भों को रोशन करता है। ऐसे में अब इनकी कुछ राजनीतिक समानताएं मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के पास आकर संबोधित हो रही हैं। भले ही हम यह न कहें कि सुखविंदर सुक्खू के तेवर पूरी तरह परमार या शांतामय हो गए हैं, लेकिन सत्ता का लहजा 'सिर्फ एक बार' के सिद्धांत पर कुछ मार्ग अवश्य ही तय कर चुका है। अब तक सरकार का गठन, प्रशासन की समझ और प्रादेशिक प्राथमिकताओं की खनक से 'बार-बार सत्ता' का अलार्म नहीं बज रहा। सरकार अपनी मौलिकता में परवान चढऩा चाहती है, तो चंद फैसलों का सफल होना भी भविष्य लिख देता है। बेशक चुनावी गारंटियों की वचनबद्धता सुक्खू सरकार को उन तौर तरीकों से दूर रख रही है, जो कभी शांता-परमार ने उठाए, लेकिन सीमेंट उद्योग विवाद के बाद जल उप कर लगाने का निर्णय 'सिर्फ एक बार' आजमाने की दृढ़ प्रतिज्ञा बन जाता है। मुख्यमंत्री जब पूर्व सरकार की तख्ती पर लिखी सुर्खियां मिटाते हुए नौ सौ के करीब संस्थानों से जमीन खींच कर उन्हें तर्क की सूली पर चढ़ाते हैं, तो वह शांता कुमार हो जाते हैं। व्यवस्था परिवर्तन और सिर्फ एक बार सरकार के सिद्धांत दरअसल एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जयराम सरकार, इससे पहले वीरभद्र या प्रेम कुमार धूमल सरकारों ने रिवाज बदलने या मिशन रिपीट की खातिर जो तख्तियां लिखीं, उनसे प्रदेश को नुकसान ही हुआ। कमोबेश पिछले पांच-छह विधानसभा चुनावों में सरकारों की अदला-बदली के जवाब में मुख्यमंत्रियों ने जो खाका बनाया, वह खराब साबित हुआ है। इस खाके ने अनावश्यक स्कूल, कालेज, दफ्तर, मेडिकल-इंजीनियरिंग कालेज और विश्वविद्यालय तक खोलकर सरकारों की इच्छा शक्ति को अजीब सी नुमाइश में बदल दिया, जबकि किसी भी सरकार को आरंभिक तीन सालों में ही अपनी बुलंदी जाहिर करनी चाहिए।

केंद्र सरकार 10 हजार नए एफपीओ बना रही है, जिस पर 6865 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे

गांवों में बेहतर ऋण आबंटन जरूरी

डा. जयंती लाल भंडारी

> पीएम किसान के तहत पारदर्शिता के साथ प्रति वर्ष 3 किस्तों में 6 जहार रुपए सीधे छोटे किसानों के खातों में दिए जाते हैं। विगत 27 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत लगभग 16800 करोड़ रुपये की 13वीं किस्त देशभर के लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) द्वारा जमा की। देश के 11 करोड़ से अधिक छोटे किसानों के खातों में अब तक लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपए जमा किए जा चुके हैं। इसमें भी 50 जहार करोड़ रुपए से ज्यादा पैसे किसानी करने वाली हमारी माता-बहनों के खाते में जमा हुए हैं।

यद्यपि देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में लगातार सुधार आ रहा है, लेकिन अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में सरल और सुगम ऋण की जरूरत बनी हुई है। हाल ही में 12 मई को वित्त मंत्रालय ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की समीक्षा बैठक में इन बैंकों की वित्तीय व्यवहार्यता योजनाओं पर चर्चा की और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को वित्तीय समावेशन के मामले में प्रदर्शन सुधारने और ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण आवंटन बेहतर करने के लिए सुझाव दिए गए। ऐसे में निश्चित रूप से गांवों में बेहतर ऋण आवंटन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। गौरतलब है कि देश छोटे किसानों को आय सहायता के लिए लागू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम किसान) की स्पष्ट उपयोगिता दिखाई देने लगी है। पीएम किसान के तहत पारदर्शिता के साथ प्रति वर्ष 3 किस्तों में 6 हजार रुपए सीधे छोटे किसानों के खातों में दिए जाते हैं। विगत 27 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत लगभग 16800 करोड़ रुपये की 13वीं किस्त देशभर के लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) द्वारा जमा की। देश के 11 करोड़ से अधिक छोटे किसानों के खातों में अब तक लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपए जमा किए जा चुके हैं। इसमें भी 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा पैसे किसानी करने वाली हमारी माता-बहनों के खाते में जमा हुए हैं। केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक 2014 के पहले तक कृषि क्षेत्र का बजट लगभग 25 हजार करोड़ रुपए होता था, जबकि अब 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए का बजट कृषि के लिए है। कृषि के विकास के लिए टेक्नालाजी के माध्यम से काम किया जा रहा है। केंद्र सरकार 10 हजार नए एफपीओ बना रही है, जिस पर 6865 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। किसानों के नुकसान की भरपाई के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई है जिसमें किसानों को उनकी प्रीमियम 25 हजार करोड़ रुपए के मुकाबले अभी तक 1.30 लाख करोड़ रुपए क्लेम के रूप में दिए गए हैं। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, 1 लाख करोड़ रुपए का एग्री इंफ्रास्ट्रकचर फंड एवं कृषि व सम्बद्ध क्षेत्रों के लिए 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के फंड दिए गए हैं। हर जगह गैप्स भरने के लिए तथा किसान मुनाफे की खेती करें, इसके लिए पर्याप्त निवेश की व्यवस्था की है। इस बार 2023-24 के बजट में भी एग्री स्टार्टअप को मदद देने के साथ ही, प्राकृतिक खेती, मिलेट्स व बागवानी फसलों को बढ़ावा देने, कृषि क्षेत्र में टेक्नालाजी के जरिये विकास, प्लांटेशन को बढ़ाने, हर

विषय के लिए पर्याप्त प्रावधान किए हैं, जिससे भारतवर्ष की खेती को काफी फायदा मिल रहा है और मिलेगा। कृषि उत्पादों का निर्यात बढक़र 4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है, जो अब तक का सर्वाधिक है। साथ ही खाद्यान्नों के मामले में हम आत्मनिर्भर हैं। निःसंदेह इस वर्ष एक जनवरी 2023 से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर) 2023 की जिस तरह उत्साहवद्र्धक शुरुआत हुई है, उससे भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। ज्ञातव्य है कि भारत सरकार के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है, जिसे वर्ष भर देश के साथ ही वैश्विक स्तर पर उत्साह के साथ मनाने तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलेट्स की मांग और स्वीकार्यता बढ़ाने के उद्देश्य से, अनेक कदम सुनिश्चित किए गए हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश में एक जिला-एक उत्पाद के तहत 19 जिलों को श्रीअन्न के लिए चुना गया है। भारत में श्रीअन्न की उपज और खपत में लगातार वृद्धि हो रही है। इसकी विभिन्न प्रजातियों की खेती 12 राज्यों में होती है। प्रति व्यक्ति खपत पहले दो किलो प्रति माह थी, जो अब बढक़र 14 किलो तक पहुंच गई है। केंद्र सरकार ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) को श्रीअन्न के प्रचार-प्रसार की जिम्मेवारी सौंपी है और उसके संसाधन बढ़ाए हैं। एपीडा ने भी दो स्तरों पर काम प्रारंभ कर दिया। उसने ऐसे 30 प्रमुख देशों की सूची बना ली है जो मोटे अनाज के बड़े आयातक हैं। साथ ही अपने देश के 21 राज्यों में उत्पादन बढ़ाने की कार्ययोजना भी बना ली है। एपीडा ने एक कदम और बढ़ाते हुए श्रीअन्न की खपत और कारोबार को प्रोत्साहित करने के लिए श्रीअन्न ब्रांड का निर्माण किया है। वस्तुतः मोटे अनाजों को पोषण का पावर हाउस कहा जाता है। मोटा अनाज सूक्ष्म पोषक तत्वों, विटामिन और खनिजों का भंडार है। छोटे बच्चों और प्रजजन आयु वर्ग की महिलाओं के पोषण में विशेष लाभप्रद हैं। शाकाहारी खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के दौर में मोटा अनाज वैकल्पिक खाद्य प्रणाली प्रदान करता है। श्रीअन्न केवल भोजन या खेती तक ही सीमित नहीं है। भारतीय परंपरा में यह गांवों-गरीबों से जुड़ा है। छोटे किसानों के लिए समृद्धि का द्वार, करोड़ों लोगों के पोषण का आधार व आदिवासियों का सम्मान है। सामान्य भूमि और कम पानी में भी उगाया-उपजाया जा सकता है। यह रसायनमुक्त है। उर्वरा शक्ति को बढ़ाता है। खेती के लिए खाद की जरूरत नहीं पड़ती। जलवायु परिवर्तन से निपटने में मददगार है। इनकी खेती सस्ती और कम चिंता वाली होती है। मोटे अनाजों का भंडारण आसान है और ये लंबे समय तक संग्रहण योग्य बने रहते हैं। विभिन्न दृष्टिकोणों से मोटे अनाज की फसलें किसान हितैषी फसलें हैं। ज्ञातव्य है कि देश में कुछ दशक पहले तक सभी लोगों की थाली का एक प्रमुख भाग मोटे अनाज हुआ करते थे। फिर हरित क्रांति और गेहूं-चावल पर हुए व्यापक शोध के बाद गेहूं-चावल का हर तरफ अधिकतम उपयोग होने लगा। मोटे अनाजों पर ध्यान कम हो गया। स्थिति यह है कि कभी हमारे खाद्यान्न उत्पादन में करीब 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले मोटे अनाज की हिस्सेदारी इस समय 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है। निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के तहत जनवरी से अप्रैल 2023 के चार माह पूर्ण होने के बाद यह बात उभरकर दिखाई दे रही है कि अब सरकार की यह रणनीति होनी चाहिए कि जिस तरह से पिछले चार-पांच दशकों में अन्य नकदी फसलों को बढ़ावा देने के कदम उठाए गए हैं उसी तरह के कदम मोटे अनाजों के संदर्भ में भी उठाए जाएं। इनका न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाना होगा। देश के कृषि अनुसंधान संस्थानों के द्वारा मोटे अनाजों पर लगातार शोध बढ़ाया जाना होगा। देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आम आदमी तक गेहूं एवं चावल की तुलना में मोटे अनाज की अधिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मोटे अनाजों की सरकारी खरीदी बढ़ाई जानी होगी। साथ ही मोटे अनाजों के निर्यात को अधिक ऊंचाई देने की नई रणनीति भी बनाई जानी होगी। हम उम्मीद करें कि जहां छोटे किसानों का सशक्तिकरण और अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष भारत के लिए मोटे अनाज सहित खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने में मील के पत्थर साबित होगा, वहीं गांवों में ऋण आबंटन बेहतर किए जाने से देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था संवरते हुए दिखाई देगी।

एनकाउंटर्स में पुलिस की स्थिति विकट

> न्याय दिलवाने के लिए पुलिस ही पहली चौखट होती है तथा अंतिम न्याय देने वाली संस्था तो माननीय न्यायपालिका ही होती है तथा न चाहते हुए भी लोग अन्ध भक्तों की तरह न्यायपालिका का गुणगान करते रहते हैं। पुलिस एक ऐसी संस्था है जसिकी हर व्यक्ति जैसे कि मीडिया, बुद्धिजीवी, कोर्ट व अन्य कोई भी संस्था इस तरह से आलोचना करती रहती है जैसे कि पुलिस वास्तव में ही बुराई का पर्याय हो। क्या किसी की हिम्मत है कि जो किसी न्यायाधीश की आलोचना कर सके। पुलिस ही एक लावारिस की तरह होती है जसिको कोई भी नहीं चाहता तथा अपने भी उसे ठोकरें मारते रहते हैं। क्या कभी किसी ने सोचा कि उत्तर प्रदेश में कितने बाहुबलियों व खूंखार अपराधियों, जिन्हें राजनीतिक शरण प्राप्त थी, ने कितने असमर्थ, असहाय व अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों की हत्याएं की हैं। विकास दूबे जैसे बाहुबली ने तो मौके पर गई पुलिस के आठ जवानों की हत्या कर दी थी तथा इसी तरह दैनिक छुटपुट घटनाओं में न जाने और कितने जवानों व अन्य लोगों की हत्याएं होती रहती हैं।

पुलिस की आलोचना तो हर कोई करना जानता है तथा हर काम के लिए पुलिस को ही बलि का बकरा बनाया जाता है। न्याय दिलवाने के लिए पुलिस ही पहली चौखट होती है तथा अंतिम न्याय देने वाली संस्था तो माननीय न्यायपालिका ही होती है तथा न चाहते हुए भी लोग अन्ध भक्तों की तरह न्यायपालिका का गुणगान करते रहते हैं। पुलिस एक ऐसी संस्था है जिसकी हर व्यक्ति जैसे कि मीडिया, बुद्धिजीवी, कोर्ट व अन्य कोई भी संस्था इस तरह से आलोचना करती रहती है जैसे कि पुलिस वास्तव में ही बुराई का पर्याय हो। क्या किसी की हिम्मत है कि जो किसी न्यायाधीश की आलोचना कर सके। पुलिस ही एक लावारिस की तरह होती है जिसको कोई भी नहीं चाहता तथा अपने भी उसे ठोकरें मारते रहते हैं। क्या कभी किसी ने सोचा कि उत्तर प्रदेश में कितने बाहुबलियों व खूंखार अपराधियों, जिन्हें राजनीतिक शरण प्राप्त थी, ने कितने असमर्थ, असहाय व अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों की हत्याएं की हैं। विकास दूबे जैसे बाहुबली ने तो मौके पर गई पुलिस के आठ जवानों की हत्या कर दी थी तथा इसी तरह दैनिक छुटपुट घटनाओं में न जाने और कितने जवानों व अन्य लोगों की हत्याएं होती रहती हैं। यदि हम उत्तर प्रदेश की ही बात करें तो पिछले छह वर्षों में वहां एनकाउंटर्स में 183 मौतें हुई हैं तथा जिनमें कई जख्मी भी हुए हैं। अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की कुछ अन्य बदमाशों ने पुलिस संरक्षण में ही हत्या कर दी तो पुलिस कार्यप्रणाली पर न जाने कितने प्रश्न उठने लगे हैं। अतीक अहमद के विरुद्ध सौ से भी अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं तथा उसने न जाने कितने लोगों की हत्या की है तथा कितने लोगों की जबरन जमीन हड़प कर ली थी। वर्ष 2004 में उसने राजूपाल नामक व्यक्ति जो बीएसपी का एमएलए था, की भी हत्या कर दी थी। कितनी विडंबना है कि उसकी अग्रिम जमानत का मामला हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए आया तो एक नहीं दस जजों ने बारी-बारी अपने पांव पीछे खींच लिए तथा सुनवाई करने से इन्कार कर दिया था। कौन दोषी व कौन निर्दोष यह काम तो अदालतों का है। जब अदालतें दशकों तक न्याय नहीं देंगी तो गुंडे लोग राजनीतिज्ञों की शरण में जाकर आम लोगों का शोषण करते रहेंगे। राजू पाल की हत्या का मामला आज तक भी लम्बित है। वास्तव में आपराधिक तुष्टिकरण से हमारे नेता बाहर नहीं निकलना चाहते तथा वो बदमाशों के साथ हाथ मिलाकर अपना उल्लू सीधा करते रहते हैं। उत्तर प्रदेश में जो भी मुठभेड़ें हुई हैं, उनमें 67.5 प्रतिशत हिंदू तथा 24 फीसदी मुस्लिम लोग संलिप्त पाए गए हैं तथा ऐसा नहीं है कि किसी सम्प्रदाय विशेष को लक्षित किया गया है। जरा सोचिए कि पुलिस एनकाउंटर्स के लिए पुलिस वालों को कोई न ही विशेष वेतन और न ही नियमों के विरुद्ध किसी प्रकार की पदोन्नति दी जाती है। वो तो अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए अपना दायित्व निभाते हैं। वो जो कुछ भी करते हैं, आपकी और हमारी सुरक्षा के लिए ही करते हैं। पुलिस पर छींटाकशी करने वालों के साथ जब कोई ऐसी घिनौनी घटना घटेगी तब इन्हें पुलिस के महत्त्व का एहसास जरूर होगा। याद रहे कि जब पुलिस वाले एनकाउंटर्स करते हैं तब उनके दिल और दिमाग पर कितना दबाव होता होगा। न केवल उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा बल्कि उनके परिवार के सदस्यों को भी हमेशा खौफ के साये में जीना पड़ता है। उच्चतम न्यायालय ने अपनी एक टिप्पणी में कहा है कि यदि मुठभेड़ फर्जी पाई जाती है तो सम्वन्धित पुलिस वालों को मौत की सजा होनी चाहिए। न्यायालय अपने गिरेबान में क्यों नहीं झांकते। वो खूंखार अपराधियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा तैयार किए गए मुफद्दमों को बिना वजह से कई वर्षों तक लम्बित रखते हैं तथा पीड़ित व्यक्तियों को आहें भर-भर कर मरने के लिए मजबूर कर देते हैं। अब तो अपराध की सोशल इंजीनियरिंग भी होने लगी है। हाल ही में बिहार में एक खूंखार अपराधी आनंद मोहन को, जिसे आजीवन कारावास की सजा दी हुई थी, 14 वर्षों की सजा के बाद ही सजा मुक्त कर दिया गया। इस व्यक्ति ने वर्ष 1994 में एक आईएएस अधिकारी की हत्या कर दी थी। जैसे ही ऐसे अपराधी जेल से बाहर आते हैं तब उनका एक देशभक्त की तरह आदर सत्कार किया जाता है तथा उनकी दीर्घ आयु की कामना के नारे भी लगाए जाते हैं। हम सभी को यह भी याद होना चाहिए कि वर्ष 1984 से लेकर वर्ष 1990 तक पंजाब में उग्रवाद के फन इस कदर फैल चुके थे कि यदि गिल जैसे निर्भीक पुलिस अधिकारी न होते तो न जाने कितने ही निर्दोष हिंदुओं को मौत के घाट उतार दिया होता। इसी तरह वर्ष 1990 में कश्मीर में हजारों हिंदुओं का कत्लेआम किया गया तथा उनकी बहू-बेटियों के साथ बलात्कार किया गया। उन्हें अपने घरबार छोडऩे के लिए मजबूर कर दिया गया। पुलिस ने जो कुछेक मुकद्दमे दर्ज भी किए उन पर न्यायालयों ने आज 33 वर्ष बीत जाने तक भी कोई विशेष कार्रवाई नहीं की। इस सम्बन्ध में उन पीड़ित महिलाओं से पूछा जाए जिनकी सांसें शुष्क हो चुकी हैं तथा न्याय के इन्तजार में उनकी आंखें पथरा सी गई हैं। यदि इतने बर्षों के बाद उन्हें न्याय मिल भी जाए तो ऐसा न्याय उनके जख्मों पर मरहम नहीं लगा सकता क्योंकि अब तक उनके जख्म कैंसर का रूप धारण कर चुके होंगे। यह ठीक है कि पुलिस को केवल कानून के अनुसार ही कार्य करना चाहिए मगर बेदर्द जमाने को पुलिस वालों की व्यथा व लाचारी की तरफ भी सहानुभूति रखनी चाहिए तथा उन्हें मूकदर्शक न बन कर पुलिस की सहायता करनी चाहिए ताकि आतताई शक्तियों का पूर्ण रूप से मुकाबला किया जा सके। अतीक और अशरफ की हत्या पर राजनीतिज्ञों व मीडिया के लोगों ने काफी हो-हल्ला किया तथा पुलिस की नाकामी का चालीसा भी पढ़ते रहे। हमलावरों ने चंद सैकंडों में ही इन दोनों को मार दिया तथा पुलिस वालों ने तुरन्त उन हमलावरों को दबोच लिया क्योंकि उन्होंने उसी समय आत्म समर्पण कर दिया था तथा पुलिस को उन पर गोली चलाने का कोई औचित्य नहीं था। पुलिस कोई अग्रदूत या ऐसे फरिश्ते नहीं हैं जिन्हें पहले ही पता हो कि एक निश्चित समय पर कोई हमलावर किसी अपराधी पर गोलियां चला देगा ताकि उसे एक वीआईपी की तरह सुरक्षा देकर उसका सुरक्षा चक्र इतना मजबूत कर दिया जाए ताकि पंछी भी उस चक्र में अपना पर न खोल पाए। जनता को पुलिस की मजबूरियों को समझना चाहिए तथा उनके हर कार्य में एक सारथी व सहयोगी की तरह काम करना चाहिए। तभी आप और हम चैन की नींद सो पाएंगे।

नागरिक बोध

कर्नाटक में कौन है कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के दावेदार!

सिद्दारमैया कर्नाटका के मुख्यमंत्री रह चुके है।सीएम पद के सबसे बड़े दावेदार है। सिद्दारमैया कोरबा समुदाय से ताल्लुक रखते है। वोकालिगा और लिंगायत के बाद तीसरी सबसे बड़ी ताकत और कर्नाटक में प्रभावी समुदाय के तौर से देखा जाता है। सिद्दारमैया खुद को पिछड़ी जाति के बताते है। इसी कड़ी में सीएम चयन के लिए चुनाव के दूसरे दिन से सियासी उठापटक और पोस्टर वार के बाद भी कोई निष्कर्ष नही निकला है। सिद्दारमैया के बाद कर्नाटक की सियासत में जिनका भरपूर योगदान रहा है उनके नाम की चर्चा जोरों पर है। डीके शिवकुमार सीएम पद के दावेदार है। इन दो नामो की चर्चा टॉक ऑफ स्टेट हो गई है। लेकिन इसके लिए अंतिम निर्णय आलाकमान का ही होगा। उसके लिए कर्नाटक में जीत का सेहरा बांधे सभी विधायको को दल के नेता का इंतजार करना होगा। अभी भी सूबे की कमान संभालने वाले डीके शिवकुमार की अगुवाई और उनकी मेहनत के बाद कर्नाटक में बहुत बड़ी जीत मिली है। कांग्रेस के इतने वर्षों के इंतजार के बाद दक्षिण में हाथ ने बाजी मारने के बाद सीएम की दावेदारी में एक या दो नही और भी हाथ खड़े हो सकते है। लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस की जीत के लिए पसीना बहाने वाले अनेक कार्यकर्ताओ का योगदान भूलाया नही जा सकता है। डीके शिवकुमार को पार्टी संकट मोचन के रूप में देखती है। कांग्रेस के लिए संजीवनी लाने वाले ये चेहते चेहरे कांग्रेस के हाथ को उपर उठाने में मदद करते आ रहे है। डीके शिवकुमार वोक्कालिगा समाज से आते है। भाजपा ने इन दोनों समुदाय के साथ तात्मय स्थापित करने के प्रयास किये थे। लेकिन सफलता नही मिली।जेडीएस का वोट बैंक कहा जाने वाला वोकालिंगा समुदाय ने कांग्रेस का हाथ पकड़ लिया। जिसके लिए जेडीएस की कम सीटे मिली है। सियासी उठापटक के बाद कोई परिणाम आने के बाद भी कांग्रेस में अंदरूनी लड़ाई शांत नही होगी। दोनो उम्मीदवार के नाम की चर्चा जोरों पर है। इसके साथ ही तीसरे दावेदार के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की चर्चा है। जिनके बूते कांग्रेस की नींव मजबूत हुई है। मल्लिकार्जुन खरगे का नाम चर्चित हो रहा है। मल्लिकार्जुन खरगे के रास्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस की दो राज्य में सरकार बनी है। इसलिए इनको शायद मुख्यंमत्री बनाने में आलाकमान की स्वीकृति नही भी हो । लेकिन डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए खींचतान बनती है तो तीसरे व्यक्ति के तौर पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री के नाम की दावेदारी मल्लिकार्जुन खड़गे को दी जा सकती है। कांग्रेस को बहुत बड़ा जनादेश मिला है। इसके चलते आलाकमान अपनी इच्छानुसार सीएम का नाम चयनित कर सकते है।

देश दुनीया से

नाक ढूंढना मुश्किल

गांव की मान्यता थी, इसलिए कचरे में भी बरकत ढूंढी जाती थी। कचरे में सबसे कीमती थी सुई। जो चुभती रही, जब तक चुभती रही, वही सुई थी, वरना ढेरों यूं ही नोक के टूटते ही ढेर पर फेंक दी जातीं। देखते ही देखते सुइयों का अपना एक साम्राज्य बन गया। यह दर्जियों का गांव था, इसलिए हर घर की सुई कचरे में भी आबाद थी। दरअसल सुइयों में भी रिश्ते आबाद थे। जो सास के हाथ में चली, वह सास हो गई, जो बहू के कब्जे में रही, वह बहू सरीखी हो गई। कचरे में भी रिश्ते सुई की नोक पर थे। पास में घर-घर से फेंके गए व्यर्थ भोजन की खिचड़ी पक रही थी, तो इधर सुइयों के झुंड में वार पर पलटवार चल रहा था। यह सब दो सुइयों की वजह से हो रहा था। एक खुद को जेठानी, तो दूसरी देवरानी मानती थी। सुइयों के झुंड में कई रिश्ते शांत हो चुके थे, लेकिन अपनी नोक की वजह से ये दोनों सुइयां टकराव पर आमादा थीं। सास के पलड़े से आई सुई को यह भ्रम था कि उसकी नोक के आगे किसी बहू की सुई कैसे टिक सकती है, लेकिन अपने रिश्ते की अस्मिता बचाने के लिए बहू की सुई भी जगह घेरने की फिराक में थी। हर वस्तु में कहीं न कहीं, कोई न कोई भाग नुकीला हो सकता है और यही शाब्दिक अर्थ नोक को हथियार बना देता है। नोक कितना स्थान घेरती है, यह इसके नुकीलेपन पर निर्भर करता है। हमें नहीं मालूम किस देश की सुई कितनी नुकीली है, लेकिन दावे से कह सकते हैं कि भारत की नोक के नीचे कोई सुई भी टिक नहीं सकती। ऐसे में चीन की क्या मजाल जो भारत की सुई के नीचे या सुई की नोक जितनी जगह हड़प ले। झगड़ालू सुइयां एक-दूसरे पर भारी पड़ रही थीं। टूटी हुई नोक के बावजूद, नाक का सवाल नोक पर आकर अटक गया था। वैसे भी यह पता करना मुश्किल है कि नाक कब नोक बन जाए। रूस ने नाक को नोक में क्या बदला, यूक्रेन लहूलुहान हो गया। अपने देश में थोड़ा विपरीत हो रहा है। नाक के बजाय लोग नोक बने घूम रहे हैं। नोक-नोक में हम न सामाजिक रहे और न ही सांस्कृतिक, बल्कि जनता ने नोक का आधिपत्य इतना बढ़ा लिया है कि इनके बीच नाक ढूंढना मुश्किल हो रहा है। नाक में नोक लिए जो लोग सफल हैं, उनमें सियासत का हर लक्षण परवान है, वरना नाक रखने वाले ही अब कानून, प्रशासन, सरकार और भगवान के सामने सिर्फ इसे रगड़ ही सकते हैं। यह बात टूटी नोक वाली सुइयों को जब समझ आई, तो उन्होंने एक दूसरी से रगड़-रगड़ कर फिर नोक बना ली। सुइयां कचरे के ढेर में भी नोक बना सकती हैं, तो इनसान भी नोक के लिए अब कचरा ढूंढ रहा है। दरअसल देश में जितने भी लोग नोकधारी बन रहे हैं, वे कचरे का फायदा उठाकर ही आगे बढ़ रहे हैं। पढ़े-लिखे बुद्धिजीवी चाहकर भी नोक पैदा नहीं कर सकते, क्योंकि वे देश में नाक ढूंढ रहे हैं। बुद्धिजीवियों को यह भ्रम रहा है कि उनकी नाक ही देश की नाक है, लेकिन इधर राष्ट्र को मालूम है कि केवल चुनाव में ही नाक को ढूंढा जा सकता है। हर चुनाव में कोई जीत या कोई हार रहा है, लेकिन देश को अपना नाक नही मिल रहा। जीतने से ही नाक है, लेकिन जीतने के लिए एक अदद नोक चाहिए। इसलिए देश को वही मुद्दे लुभा रहे हैं, जिनके ऊपर नोक चस्पां है। बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे अब इसलिए पिटने लगे क्योंकि इनकी न तो नोक है और न ही नाक। उधर कचरे की टेढ़ी-मेढ़ी सुइयों को अब यह विश्वास हो गया कि वे घिसी-पिटी नोक से भी मुद्दा बनकर चुनाव को राजनीति का नाक बना सकती हैं। लिहाजा यह चुनाव तमाम सुइयों को लेकर होगा। ये सुइयां चल गईं तो बहता खून बताएगा कि चुनाव में किसकी नोक तीखी थी। देश फिर नाक ढूंढने की फिराक में जनता के नाक पर चढ़ी सुइयां देख रहा है, उसे बुद्धिजीवियों की नाक नजदीक से भी नजर नहीं आ रही।

> हर वस्तु में कहीं न कहीं, कोई न कोई भाग नुकीला हो सकता है और यही शाब्दिक अर्थ नोक को हथियार बना देता है। नोक कितना स्थान घेरती है, यह इसके नुकीलेपन पर निर्भर करता है। हमें नहीं मालूम किस देश की सुई कितनी नुकीली है, लेकिन दावे से कह सकते हैं कि भारत की नोक के नीचे कोई सुई भी टिक नहीं सकती। ऐसे में चीन की क्या जमाल जो भारत की सुई के नीचे या सुई की नोक जतिनी जगह हड़प ले। झगड़ालू सुइयां एक-दूसरे पर भारी पड़ रही थीं। टूटी हुई नोक के बाजवूद, नाक का सवाल नोक पर आकर अटक गया था। वैसे भी यह पता करना मुश्किल है कि नाक कब नोक बन जाए। रूस ने नाक को नोक में क्या बदला, यूक्रेन लहूलुहान हो गया। अपने देश में थोड़ा विपरीत हो रहा है। नाक के जबाय लोग नोक बने घूम रहे हैं।

चक्रवात मोचा ने मचाई भयंकर तबाही, म्यांमा में तीन की मौत, कई घर तबाह

ढाका ।
चक्रवाती तूफान मोचा ने पहले ही दिन भयंकर तबाही मचा दी है। म्यांमा के तट पर जैसे ही तूफान ने दस्तक दी तो यहां उथल-पुथल मच गई और इसकी चपेट में आने से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जानकारी के अनुसार मोचा की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई घर तबाह हो गए। इस शक्तिशाली तूफान से बचने के लिए हजारों लोग मठों, पैगोडा और स्कूलों में शरण लेने पहुंचे। म्यांमा के मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवात मोचा के कारण म्यांमा के रखाइन राज्य में सितवे कस्बे के पास 209 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। तूफान पहले बांग्लादेश के सेंट मार्टिन द्वीप से गुजरा, जिससे काफी क्षति हुई और कई लोग हताहत हुए। इससे पहले दिन में तेज हवाओं के कारण कई मोबाइल टावर टूट गए, जिससे अधिकांश क्षेत्र में संचार संपर्क टूट गया। जानकारी के अनुसार चक्रवात के प्रभाव से हुई बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया, निचले इलाकों में लोग अपने घरों में फंसे हुए थे और कस्बे के बाहर पीड़ितों के चिंतित रिश्तेदार बचाव के लिए अपील कर रहे थे। म्यांमा के सैन्य सूचना कार्यालय ने कहा कि तूफान ने सितवे, क्यौकप्यू और ग्वा कस्बों में घरों, बिजली के ट्रांसफार्मर, सेल फोन टावरों, नावों और लैम्पपोस्ट को नुकसान पहुंचाया है। तूफान के कारण देश के सबसे बड़े शहर यांगून से लगभग 425 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में कोको द्वीप पर खेल भवनों की छतें भी गिर गई हैं। सितवे में आश्रय स्थलों में सहायता कार्य कर रहे टिन नयेन ओ ने कहा कि 3 लाख लोगों की आबादी वाले सितवे में 4 हजार से अधिक लोगों को दूसरे शहरों में ले जाया गया है और 20 हजार से अधिक लोगों ने मठों, पैगोडा और शहर के ऊंचाई वाले इलाकों में स्थित स्कूलों जैसी मजबूत इमारतों में आश्रय लिया है। स्थानीय चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष लिन लिन ने कहा कि अपेक्षा से अधिक लोगों के आने के बाद सितवे में आश्रय स्थलों में पर्याप्त भोजन नहीं है। म्यांमा में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रतिनिधि टिटन मित्रा ने ट्वीट किया, मोचा ने दस्तक दे दी है। 20 लाख लोग खतरे में हैं। नुकसान और क्षति व्यापक होने की आशंका है। हम इससे निपटने के लिए तैयार हैं और सभी प्रभावित समुदायों तक निर्बाध सहायता पहुंचाने की आवश्यकता होगी।

न्यूज ब्रीफ

कनाडाई युवक को नौ साल कैद की जेल; दो साल पहले गर्दन में चाकू घोंपकर की थी भारतीय सिख की हत्या

टोरेंटो । दो साल पहले कनाडा में भारतीय सिख की हत्या के मामले में आरोपी एक कनाडाई व्यक्ति को सजा सुनाई है। जानकारी के मुताबिक, सितंबर 2021 में नोवा स्कोटिया प्रांत के ट्रूरो शहर में एक अपार्टमेंट इमारत के बाहर 21 वर्षीय कैमरन जेम्स प्रॉस्पर ने प्रभजोत सिंह कटरी की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इसी मामले में अदालत ने सजा का एलान किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय सिख युवक प्रभजोत सिंह की हत्या के मामले में नोवा स्कोटिया जज ने शुक्रवार को अपना फैसला सुनाया। जज ने मामले में आरोपी कैमरन जेम्स प्रॉस्पर को नौ साल कैद की सजा सुनाई है। रिपोर्ट्स् के मुताबिक, इस मामले में प्रॉस्पर पर शुरू में जघन्य हत्या का आरोप लगाया गया था, हालांकि 19 दिसंबर, 2022 को अदालत में पेश होने के दौरान आरोपों को कम किया गया और उसे दोषी ठहराया गया था। अपने फैसले में, न्यायमूर्ति जेफरी हंट ने कहा कि सिख युवक पर हमला बिना किसी तर्कसंगत कारण के किया गया था। सुनवाई के दौरान सामने आया है कि आरोपी ने जान लेने के इरादे से ऐसा नहीं किया था। न्यायमूर्ति हंट ने कहा कि मामले में प्रॉस्पर की याचिका और घटना को लेकर पश्चाताप को देखते हुए उन्हें नौ साल कैद की सजा दी गई है। बता दें कि कनाडा में हत्या के लिए अधिकतम सजा आजीवन कारावास है।वहीं, आरोपी प्रॉस्पर ने अपने किए पर पश्चाताप जताते हुए मृतक प्रभजोत के परिजनों से माफी मांगी है। उसने माफी मांगते हुए कहा कि मुझे वास्तव में खेद है। अगर मैं उस समय पर वापस जा सकता तो मैं इसे बदल देता।

यूक्रेन के पायलट्स को ट्रेनिंग देगा ब्रिटेनः जेलेंस्की से 2 घंटे बातचीत के बाद सुनक का वादा; रूस बोला- इससे नहीं बदलेगा जंग का नतीजा

मास्को। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की सोमवार को ऋषि सुनक से मिलने के लिए ब्रिटेन पहुंचे। दोनों ने 16वीं सदी में ब्रिटेन के बकिंघमशायर में बने घर में यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक मदद देने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक ब्रिटेन जंग में रूस का सामना करने के लिए यूक्रेन को कई सौ एयर डिफेंस मिसाइल और अटैक के लिए लंबी रेंज वाले ड्रोन देगा। जेलेंस्की ने मदद के बदले ब्रिटेन के लोगों को दिल से धन्यवाद दिया। वहीं, रूस ने कहा कि ब्रिटेन की मदद से जंग का रुख नहीं बदलने वाला है। जेट कोएलिशन बनाना चाहता है यूक्रेन जेलेंस्की ने कहा कि हम जेट कोएलिशन बनाना चाहते हैं। ये हमारे लिए काफी अहम है क्योंकि हम आसमान को कंट्रोल नहीं कर सकते हैं। मुझे इसके बनने की पूरी उम्मीद है। हमें जल्द ही कुछ जरूरी फैसले सुनने को मिल सकते हैं। वहीं जेलेंस्की के फाइटर प्लेन की मांग पर ऋषि सुनक ने कहा- लड़ाकू एयरक्राफ्ट बनाना आसान नहीं है। वो एयरक्राफ्ट चलाने के लिए यूक्रेन के पायलट्स को ट्रेनिंग देंगे। जो जल्द ही शुरू होगी। वहीं ब्रिटेन के यूक्रेन की मदद करने पर रूस ने एतराज जताया है। इस पर सुनक ने कहा- मैं रूस को बता देना चाहता हूं कि हम यूक्रेन को छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं। मदद करते रहेंगे। ब्रिटेन के यूक्रेन को और मदद देने के वादे का वहां की डिफेंस सिलेक्ट कमेटी ने विरोध किया है। कमेटी ने कहा कि ब्रिटेन लगातार यूक्रेन को मदद देकर अपने हथियार खत्म नहीं कर सकता है।

इस्राइल और फलस्तीनी उग्रवादियों के बीच संघर्ष विराम, अब तक 35 की मौत

यरुशलम । इस्राइल और फलस्तीनी चरमपंथियों के बीच पांच दिन तक चली हिंसा के बाद गाजा पट्टी में दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम लागू होता प्रतीत हुआ। हिंसा में फलस्तीन के 33 और इस्राइल के दो लोगों की मौत हो चुकी है। ताजा हिंसा बीते शुरू हुई थी, जब इस्राइली विमानों ने इस्लामिक जिहाद के तीन शीर्ष कमांडरों को मार गिराया था। हमला गाजा से दागे गए रॉकेट की जवाबी कार्रवाई था। इसके बाद से दोनों पक्षों में हिंसा जारी थी, लेकिन मिस्र की मदद से रात संघर्ष विराम समझौता हुआ। पश्चिम बुर्किना फासो के योउलोउ गांव में संदिग्ध इस्लामिक चरमपंथियों ने खेत में काम कर रहे किसानों पर हमला कर दिया। इसमें 33 किसान मारे गए। प्रांतीय गवर्नर ने इसे कायराना व बर्बर हमला बताया है। गवर्नर की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, चरमपंथियों का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। लोग सतर्कता बरतें और सुरक्षा बलों का सहयोग करें। नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल के नेता टोपबहादुर रायमाझी को फर्जी भूटान शरणार्थी घोटाले में शामिल होने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया। दो सप्ताह पूर्व अदालत से जारी गिरफ्तारी वारंट के बाद से ही वह फरार चल रहे थे। रायमाझी मामले में गिरफ्तार होने वाले दूसरे बड़े नेता हैं। इस घोटाले के तहत नेपाली नागरिकों को फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से भूटानी शरणार्थी बनाकर अमेरिका भेजने के आरोप हैं।

तुर्किये के गांधी ने भारत विरोधी अर्दोआन की चुनावी जीत में अटकाया रोड़ा

अंकारा ।
तीन महीने पहले ही भूकंप का कहर झेलने वाले तुर्किये में अब चुनाव के नतीजे आने लगे हैं। राष्ट्रपति चुनाव के लिए पड़े मतों की गणना में मौजूदा प्रेजिडेंट रजब तैयब अर्दोआन बहुमत के आंकड़े से फिसलते दिख रहे हैं। उनकी पार्टी के वोटों का आंकड़ा 50 फीसदी से भी नीच फिसलता दिख रहा है, जिससे लगभग स्पष्ट है कि तुर्किये की विपक्षी पार्टी सीएचपी के नेता कमाल किलिकडरोग्लु अब दूसरे राउंड के मतदान में भी अर्दोआन को चुनौती देते नजर आएंगे। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर कमाल किलिकडारोग्लु हैं कौन

पहले जानें- अर्दोआन को किससे मिली चुनौती

अर्दोआन के दो दशक से लंबे राष्ट्राध्यक्ष के कार्यकाल को चुनौती देने के लिए विपक्ष के छह दलों ने मिलकर मुख्य सेक्युलर विपक्षी दल रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी के नेता कमाल किलिकदरोग्लु को अपना प्रत्याशी बनाया है। कमाल मौजूदा राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। अर्दोआन को भारत विरोधी कहा जाता है। अर्दोआन वही नेता हैं, जिन्होंने भूकंप के दौरान भारत के ऑपरेशन दोस्त की मुहिम और मदद को तुरंत भूलकर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान का साथ दे दिया था।

वहीं, कमाल किलिकडारोग्लु तुर्किये के गांधी कहे जाते हैं। कमाल तुर्किये में लोगों के हक, सामाजिक न्याय और लोकतंत्र की लड़ाई लड़ते हैं। तुर्किये की मीडिया भी उन्हें कमाल गांधी कहती है। वह महात्मा गांधी की तरह की चश्मा भी पहनते हैं और पोलिटिको की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि गांधी की तरह, किलिकडारोग्लु की राजनीतिक शैली भी विनम्र है।

कौन हैं कमाल गांधी

एक रिपोर्ट के अनुसार, कमाल किलिकडारोग्लु का जन्म 1948 में पूर्वी तुर्किये (तब तुर्की) के शहर दुनसेली में हुआ था। वह एक ऐसे परिवार में जन्में जो अल्पसंख्यक अलेवी विश्वास का पालन करता था। अलेविस 13वीं शताब्दी के फारसी-तुर्की दरवेश हाजी बेक्टश वेली के अनुयायी हैं जिन्होंने इस्लाम के एक गूढ़ और मानवतावादी रूप को सिखाया।

किलिकडारोग्लु ने अंकारा एकेडमी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड कमर्शियल साइंसेज (अब गाजी विश्वविद्यालय) में अर्थशास्त्र पढ़ा और सरकार और निजी दोनों क्षेत्रों में तुर्किये के आर्थिक और वित्तीय संस्थानों में शीर्ष पदों पर काबिज हुए। उन्होंने अंकारा में हैकेटपे विश्वविद्यालय में भी पढ़ाया। 2002 में तुर्किये की संसद में इस्तांबुल से किलिकडारोग्लू ने सीएचपी के सदस्य के रूप में प्रवेश किया। उसी चुनाव के बाद जिसने पहली बार अर्दोआन की जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी (एडालेट वी कल्किन्मा पार्टिसि या एकेपी) को सत्ता में लाया। इसके बाद कमाल तुर्किये में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने लगे। 2007 में वह फिर संसद के लिए चुने गए। 2009 में उन्होंने इस्तांबुल के मेयर बनने के लिए चुनाव लड़ा। इसके बाद 2010 में एक वीडियो के लीक होने के बाद कमाल की पार्टी सीएचपी के अध्यक्ष डेनिज बायकल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। तब किलिकडारोग्लू को उनकी पार्टी का अध्यक्ष बनाया गया।

जारी है कड़ी लड़ाई

अब तक हुई वोटों की गिनती में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली है। अर्दोआन और कमाल किलिकडारोग्लू के बीच राष्ट्रपति पद को लेकर काफी कड़ी लड़ाई जारी है। तुर्किये में 97 फीसदी से ज्यादा वोटों के गिने जाने तक अर्दोआन की एकेपी पार्टी को 49.4 फीसदी वोट मिले हैं। वहीं, किलिकडारोग्लु की सीएचपी को 45 फीसदी वोट मिले हैं। दूसरी तरफ एक छोटी पार्टी ओगान को 5.3 फीसदी वोट मिले हैं, जबकि एक और छोटे दल होमलैंड पार्टी को 0.4 फीसदी मत हासिल हुए हैं। किसी भी दल को 50 फीसदी से ज्यादा वोट न मिलने की स्थिति में पहले और दूसरे नंबर की पार्टी अगले राउंड की वोटिंग का सामना करेगी।

अर्दोआन के पिछड़ने की वजह क्या

तुर्किये में छह परवरी को भूकंप के झटके में 50,000 से अधिकी लोगों की मौत हो गई थी। इस संकट के तीन महीने से कम समय में तुर्किये में चुनाव हुए हैं। कई जगहों पर अर्दोआन का विरोध भी हुआ है। इस साल फरवरी में आए भूकंप में जिन क्षेत्रों को नुकसान पहुंचा था, उनमें से ज्यादा राष्ट्रपति अर्दोआन का गढ़ था। ऐसे में तुर्किये के राष्ट्रपति के लिए यह चुनाव पहले ही मुश्किल माने जा रहे थे।

सैन्य शासन विरोधी पार्टियों को मिली बंपर सीटें, फिर भी सेना के हाथ में रहेगी सत्ता की चाबी

बैंकॉक ।
थाईलैंड में हुए आम चुनाव में सैन्य शासन विरोधी विपक्षी पार्टियों को बंपर सीटें मिली हैं। जिसके बाद लग रहा है कि थाईलैंड में करीब एक दशक से सत्ता पर काबिज सैन्य समर्थित सरकार की विदाई हो जाएगी। अभी तक 99 प्रतिशत वोटों की गिनती में विपक्षी पार्टियां मूव फॉरवर्ड पार्टी और पॉपुलिस्ट फेयु थाई पार्टी को बंपर सीटें मिलती दिख रही हैं। हालांकि अभी भी विपक्षी पार्टियों की सरकार बनेगी या नहीं, ये तय नहीं है क्योंकि सत्ता की चाबी अभी भी सेना के हाथ में है।

इन पार्टियों को मिली बंपर सीटें

चुनाव में विपक्षी पार्टियों ने सैन्य शासन से आजादी का वादा मतदाताओं से किया था, साथ ही थाईलैंड में राजशाही अपमान कानून में सुधार, साफ-सफाई जैसे मुद्दों पर वोट मांगे थे। साथ ही संस्थागत सुधार जैसे वादे किए थे। थाईलैंड में चुनाव के नतीजे पूरी तरह से जारी होने में अभी कुछ हफ्ते का समय लगेगा लेकिन शुरुआती रुझानों में माना जा रहा है कि मूव फॉरवर्ड पार्टी को 400 में से 113 और फेयु थाई पार्टी को करीब 112 सीटों पर जीत मिल सकती है। वहीं 100 सीटों को पार्टियों को मिले वोट प्रतिशत के आधार पर वितरित किया जाएगा। इस तरह साफ है कि थाईलैंड में विपक्षी पार्टियों ने बंपर जीत हासिल की है।

सत्ता की चाबी अभी भी सेना के पास

विपक्षी पार्टियों ने भले ही बंपर सीटों पर जीत हासिल की है लेकिन सत्ता की चाबी अभी भी थाई सेना के पास है। दरअसल थाईलैंड में सैन्य शासन के बाद ऐसी व्यवस्था बनाई गई है कि वहां चुनाव के बाद 250 सदस्यों वाली एक सीनेट का भी समर्थन पाना होता है। यह सीनेट ही प्रधानमंत्री और सत्ताधारी पार्टी का चुनाव करती है। हालांकि इस सीनेट के सदस्यों का चुनाव नहीं होता है और यह सेना द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। इस तरह साफ है कि भले ही विपक्षी पार्टियों को बंपर सीटें मिली हैं लेकिन अभी भी यह तय नहीं है कि वह सरकार बना पाएंगे या नहीं।

फेयु थाई पार्टी थाईलैंड की सबसे पुरानी पार्टियों में से एक है। इसके संस्थापक अरबपति उद्योगपति थाकसिन शिनेवात्रा हैं। थाकसिन शिनेवात्रा भी एक बार थाईलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। वहीं उनकी रिश्तेदार यिंगलुक शिनेवात्रा भी देश की बागडोर संभाल चुकी हैं।

ऑस्ट्रेलिया में हो रही चीनी छात्रों की वर्चुअल किडनैपिंग, 17-23 साल के बच्चों को बनाया जा रहा निशाना

कैनबरा ।
ऑस्ट्रेलिया में रह रहे चीनी छात्रों के दोस्तों और रिश्तेदारों से पैसे ऐंठने के लिए वर्चुअल अपहरण किए जा रहे हैं। पिछले एक महीने में इस तरह के चार मामले सामने आए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ठगों ने खुद को चीनी अधिकारी बताकर इन छात्रों को डराया, उन्हें जबरन अपने ही अपहरण का नाटक करने पर मजबूर किया और फिर फिरौती में लाखों ऑस्ट्रेलियाई डॉलर ले उड़े। इन छात्रों की उम्र 17 से 23 के बीच बताई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, अपराधी अभी तक छात्रों से सात लाख डॉलर यानी 6 करोड़ से अधिक रुपये वसूल चुके हैं। बताया जा रहा है कि छात्रों को तब तक धमकी दी जाती है, जबतक वे डेढ़ लाख से लेकर ढाई लाख डॉलर तक इन अपराधियों को न दे दें। बता दें, अपराधी अक्सर फोन कर चीनी दूतावास या पुलिस से होने का दावा करते हैं। वे मैंडरिन में बात करते हैं और अपने शिकार को शुरू में बताते हैं कि उस पर चीन में किसी जुर्म का आरोप है या उन्हें यह बताते कि उनकी पहचान चोरी कर ली गई है। उसके बाद धमकी देते कि अगर उन्होंने कुछ पैसे नहीं दिए तो उन्हें वापस चीन भेज दिया जाएगा। बदमाश इसके बाद भी अपने शिकार को तब तक धमकाते रहते जब तक वह ऑफशोर बैंक खातों में एक मोटी रकम नहीं डाल देते।

आंखों पर पट्टी बांधकर बनवाते हैं वीडियो

कुछ मामलों में शिकार हुए छात्रों को कहा जाता कि वह अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से कोई संपर्क ना रखें फिर उन्हें कहा जाता कि वह खुद को बंधक दिखाते हुए अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर अपना वीडियो बनाएं। इसके बाद इस तरह के वीडियो का इस्तेमाल फिरौती की रकम मांगने में करते। हाल ही में, एक व्यक्ति ने एक 17 वर्षीय लड़के को फोन करके अपने आपको डाक सेवा कर्मचारी बताते हुए कहा कि उसके नाम से एक पैकेज मिला है, जिसमें वर्जित सामान था।

सियासी मुसीबत और संगीन आरोपों से घिरी पार्टी को ओली ने दिखाया ऊंचा सपना

काठमांडो ।
नेपाल के प्रमुख विपक्षी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) अब अगले आम चुनाव में अकेले सत्ता में आने का लक्ष्य तय किया है। नेपाल में राजतंत्र के खात्मे के बाद से अकसर साझा सरकारें ही बनती रही हैं। लेकिन खत्म हुई सेंट्रल कमेटी की तीन दिन की बैठक में यूएमएल ने अपने पार्टी के वैचारिक और सांगठनिक आधार को मजबूत करने का संकल्प लिया, ताकि वह अगले आम चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल कर सके।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली पार्टी के इस फैसले का संकेत यह है कि अब वह कम्युनिस्ट एकता जैसे प्रयासों में अपनी ताकत नहीं लगाएगी। इसके बजाय जमीनी स्तर तक अपना संगठन मजबूत करने को प्राथमिकता देगी। पिछले नवंबर में यूएमएल दूसरे नंबर पर रही थी। उसके बाद उसने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) को नेपाली कांग्रेस वाले गठबंधन से तोड़ कर उसके साथ साझा सरकार बनाने में सफल रही। लेकिन दो महीनों के अंदर माओइस्ट सेंटर फिर से नेपाली कांग्रेस से जा मिली। समझा जाता है कि इससे फिलहाल यूएमएल कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा हुआ है।

यूएमल की पोलित ब्यूरो के सदस्य कृष्ण राय ने कहा- 'सेंट्रल कमेटी की बैठक में मिशन-150 शुरू करने का फैसला हुआ। इसका अर्थ यह है कि अगले आम चुनाव में पार्टी 275 सदस्यों वाली प्रतिनिधि सभा की 150 सीटें जीते। इस लक्ष्य के लिए पार्टी अब कड़ी मेहनत करेगी। अब पार्टी इस आकलन पर पहुंची है कि 2018 में माओइस्ट सेंटर के साथ विलय कर एक पार्टी बनाने का उसे दीर्घकालिक नुकसान हुआ है। इस कारण बड़ी संख्या पार्टी की जमीनी समितियां निष्क्रिय हो गईं। इसका कारण यह है कि एकीकृत पार्टी में इनमें से अनेक समितियों की भूमिका तय नहीं थी। राय ने कहा- पाया यह गया है कि निष्क्रियता के कारण पार्टी के एक तिहाई सदस्यों ने अपनी सदस्यता रिन्यू नहीं कराई है। अब पार्टी ने अपने दस्तावेजों को अपडेट किया है और सदस्यों को संगठित करते हुए नए लक्ष्य तय किए हैं। खबरों के मुताबिक सेंट्रल कमेटी की बैठक के दौरान पार्टी नेतृत्व को कड़ी आलोचना सुननी पड़ी। पोलित ब्यूरो के एक सदस्य ने बताया- 'पार्टी को जिस तरह चलाया गया है, कई सदस्यों ने उसकी कड़ी आलोचना की। उन्होंने पार्टी को स्वच्छ बनाने का प्रयास ऊपर से शुरू करने की मांग की। कुछ सदस्यों ने कहा कि पार्टी में फैसले सामूहिक रूप से लिए जाने चाहिए, ना कि पार्टी अध्यक्ष फैसला लेकर उसे पार्टी पर थोपना चाहिए।' इस आलोचना को केपी शर्मा ओली के लिए एक चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

शनि के 62 नए चंद्रमा मिले, हमारे सौर मंडल में सबसे ज्यादा, 95 चंद्रमा वाले बृहस्पति ग्रह को पीछे छोड़ा

वाशिंगटन।
हमारे सौर मंडल में अब सबसे ज्यादा चंद्रमा शनि ग्रह के पास हो गए हैं, उसके 62 नये चंद्रमा अंतरराष्ट्रीय खगोल विज्ञान संगठन ने स्वीकार कर लिए हैं। इन्हें मिला उसके पास अब कुल 145 चंद्रमा हैं, जो बृहस्पति ग्रह के 95 चंद्रमा से कहीं अधिक है। खास बात है कि हाल ही में सौरमंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति के 12 नये चंद्रमा मिलने पर उसे हमारे सौर मंडल में सबसे ज्यादा चंद्रमाओं वाला ग्रह घोषित किया गया था। महज तीन महीने में उससे यह उपाधि छिन गई।

छल्लों वाले ग्रह के रूप में मशहूर शनि के नये 62 चंद्रमाओं की खोज खगोल वैज्ञानिकों के दो समूहों ने की थी। इनमें शामिल खगोल विज्ञानी स्कॉट शेफर्ड के अनुसार दोनों ग्रहों के बार ढेरों चंद्रमा हैं, लेकिन शनि ने इस बार बाजी मार ली है। दूसरे समूह का नेतृत्व ताइवान के वैज्ञानिक एडवर्ड एश्टन कर रहे थे। नये चंद्रमाओं का आकार महज एक से दो मील है, दिखने में भी वे आलू जैसे अनियमित-गोलाकार हैं। वे शनि ग्रह से 60 लाख से 1.8 करोड़ किमी दूर कक्षा में रहते हुए उसकी परिक्रमाएं कर रहे हैं। वैसे शनि का सबसे बड़ा चंद्रमा टाइटन है, जो करीब 10 लाख किमी की दूरी पर परिक्रमा करता है।

इसलिए खास हैं ये नन्हे चंद्रमा

शनि के नन्हे चंद्रमा समूहों में रहते हैं। शुरुआती आकलन है कि वे 150 मील आकार के बड़े चंद्रमाओं से टूट कर बने हैं। इसी वजह से नन्हे चंद्रमा हमारे सौर मंडल की निर्माण प्रक्रिया समझने की रोचक कड़ी कहे जा रहे हैं।

नासा वैज्ञानिक बोनी बुराटी के अनुसार इन्हें किसी अपराध की जांच में अंगुलियों के निशानों की तरह महत्वपूर्ण समझिए। निर्माण के समय सौर-मंडल कितना अशांत था कैसे टकराव हो रहे थे सूर्य की परिक्रमा के लिए ग्रह एक दूसरे से कैसे धक्का-मुक्की कर रहे थे आदि अनुमान लगाने में इनसे मदद मिलती है। कुछ वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले समय में हमें कई और चंद्रमाओं का पता चल सकता है, इनकी संख्या शायद हजारों में भी हो सकती है।

डॉ. शेफर्ड के अनुसार, हर ऐसा पिंड जो किसी ग्रह की एक निश्चित कक्षा में रहते हुए परिक्रमा करता है, वह उस ग्रह का चंद्रमा कहलाता है। इनके न्यूनतम आकार की खगोल विज्ञान ने अब तक परिभाषा तय नहीं है।

इन्सानों के रहने लायक और दो ग्रहों की खोज

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इन्सानों के रहने लायक दो और ग्रहों की खोज की है। टीओआई-2095बी और टीओआई-2095सी नामक दोनों ग्रह पृथ्वी से आकार में अधिक बड़े और वजनी है। दोनों ग्रहों की सतह का तापमान 24 से 74 डिग्री सेल्सियस के बीच है। नासा के मुताबिक, यह ग्रह अपने तारे से अच्छी दूरी पर रह रहे हैं। इससे यह साबित होता है कि यह ग्रह इन्सानी बस्ती बसाने के लायक हो सकते हैं। ट्रांजिटिंग एक्सोप्लैनेट सर्वे सैटेलाइट से ये दोनों सूर्य की तरह लाल नजर आ रहे थे। टीओआई-2095 ब्रह्मांड के सबसे बड़े तारों के समूह से संबंध रखता है। यह हमारे सूर्य की तुलना में कम गर्म है। लेकिन इसकी रेडिएशन, अल्ट्रावायलेट और एक्स-रे तरंगें निकाल रहा है। टीओआई-2095 से निकल रही रेडिएशन से पास मौजूद ग्रहों का वायुमंडल खत्म हो सकता है। लेकिन हम जिन दो ग्रहों की बात कर रहे हैं, वो इतनी अच्छी दूरी पर हैं कि उनका वायुमंडल बना हुआ है।

अपनी ही सरकार के खिलाफ पायलट ने दी आंदोलन की चेतावनी

जयपुर (हिंस)। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने सोमवार को अपनी ही सरकार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सरकार के सामने तीन मांगे रखीं और कहा कि इस महीने के आखिर तक यदि ये मांगें नहीं मानी गईं, तो पूरे प्रदेश में हम आंदोलन करेंगे। अजमेर से शुरू पांच दिन की जनसंघर्ष यात्रा के समापन पर जयपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए पायलट ने अपनी ही सरकार और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर खुलकर प्रहार किए। उन्होंने तीन मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी देते हुए कहा कि मेरी पहली मांग है कि भ्रष्टाचार की जननी राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) को भंग करके इसका पुनर्गठन किया जाए। चेयरमैन और सदस्यों के चयन के लिए नए कानून और मापदंड बने और पारदर्शिता से लोगों का चयन हो। चयन से पहले चेयरमैन और सदस्यों के बैकग्राउंड की जांच की जाए जैसे हाई कोर्ट के जज की होती है। दूसरी मांग में कहा गया है कि पेपर लीक होने से प्रत्येक बच्चे को उसका पूरा मुआवजा मिलना चाहिए। तीसरी मांग में कहा गया है कि वसुंधरा के खिलाफ लगाए गए आरोपों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि आज 15 मई को जन संघर्ष यात्रा समाप्त हो रही है। अगर इस महीने के आखिर तक यह तीनों मांगे नहीं मानी गई, तो मैं आप लोगों को बताना चाहता हूं कि अभी तक मैंने गांधीवादी तरीके से अनशन किया है। जनसंदेश यात्रा की है लेकिन महीने के आखिरी तक कार्रवाई न होने पर पूरे प्रदेश में आप लोगों के साथ आंदोलन करूंगा। पायलट ने कहा कि गांव-ढाणी, शहरों में बड़ा आंदोलन होगा। न्याय करवाएंगे। हम लोगों के पास कुछ नहीं है। हम तो पैर में जूता डालकर निकल पड़े थे। मुख्यमंत्री गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि हम बिना पद के गाली खा-खाकर संगठन के लिए काम कर रहे हैं और आप सत्ता में बैठकर मलाई खा रहे हो। लोग यह सुन लें कि मुझे किसी सीमा में न बांधें, मैं किसी एक धर्म या समाज का नहीं हूं। मैं 36 कौम का बेटा हूं। राजस्थान का बेटा हूं। पायलट ने कहा कि मैं किसी पद पर रहूं या न रहूं। राजस्थान की जनता की सेवा करता रहूंगा। डरने वाला नहीं हूं, दबने वाला नहीं हूं। आपके लिए ल ?ा हूं और लड़कर रहूंगा। पायलट ने कहा कि सब जानते हैं 2013 में कांग्रेस के मात्र 21 विधायक रह गए थे। उस समय मैं केंद्र सरकार का मंत्री था, सोनिया-राहुल गांधी ने मुझे यह कहते हुए जिम्मेदारी दी कि राजस्थान में पार्टी का बहुत बुरा हाल हो गया। आपको पार्टी का अध्यक्ष बनना है। इतिहास गवाह है कि 2013 से 2018 तक हमने पांच सालों में वसुंधरा सरकार का नीतियों के आधार पर कड़ा विरोध किया। वसुंधरा शासन में खुली लूट मची थी। गहलोत सरकार ने भी वसुंधरा पर बढ़-चढ़कर आरोप लगाए थे। साढ़े चार साल पूरे हो गए। हम अभी तक उन वादों को पूरा ना कर पाए। वसुंधरा ने भ्रष्टाचार किया। मैं डेढ़ साल से सबको चिट्ठी लिख रहा हूं। मुख्यमंत्री जी गृह मंत्री भी हैं, वित्त मंत्री भी हैं। मैंने चिट्ठी में लिखा कि जांच कराओ। हमारी कथनी और करनी में फर्क नहीं होना चाहिए। पक्षपात की भावना से जांच ना हो। दूध का दूध-पानी का पानी होना चाहिए। डेढ़ साल तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। मैंने जयपुर में एक दिन का अनशन रखा। वसुंधरा के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की, लेकिन कुछ नहीं हुआ। इसके बाद नौ तारीख को मुझे लगा कि अनशन से पार नहीं पड़ेगी, हमें जनता के बीच जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार ऐसा मुद्दा है जो समाज को दीमक की तरह खा रहा है। नौजवानों का भविष्य अंधकार में है। भ्रष्टाचार को समाप्त करना है तो उसपर करारा प्रहार करना पड़ेगा। ग्यारह तारीख को अजमेर से मैंने यात्रा शुरू की। मुझे कुछ पत्रकारों ने कहा कि गर्मी बहुत है। चार-पांच दिन धूप में चलोगे तो बहुत पीड़ा होगी। हमने कहा कि यह कोई पीड़ा नहीं है, लेकिन जो लड़का-लड़की परीक्षाओं के लिए साल दो साल तैयारी करते हैं, कोचिंग करते हैं। एग्जाम की तैयारी पर लाखों रुपए खर्च करके दे देते हैं, वह पेपर लीक हो जाता है तो वह पीडा मेरी पीडा से कहीं अधिक है। ये बार-बार होता है क्यों होता है, इसकी जड़ पर जाना पड़ेगा। एक पेपर लीक करने वाले के मकान पर बुलडोजर चलता है। लेकिन दूसरे पेपर लीक करने वाले आरपीएससी सदस्य कटारा के मकान पर बुलडोजर क्यों नहीं चलता। कानून अपना काम कर रहा है तो पक्षपात नहीं होना चाहिए। मछली अगर छोटी हो या बड़ी, उसको पकड़ना पड़ेगा। मैंने झुंझुनू और नागौर की सभा में कहा था कि यह पेपर लीक होता कैसे है, इसमें भ्रष्टाचार होता है। यह पूरा तंत्र आपको बदलना पड़ेगा। तब कहा गया कि इस पेपर लीक मामले में कोई अधिकारी नेता शामिल नहीं है। मैं पूछना चाहता हूं जांच पूरी हुई नहीं आप घोषणा कर रहे हो कि कोई नेता या अधिकारी शामिल नहीं है। अभी कटारा को आपने अरेस्ट कर लिया। कटारा आरपीएससी के सदस्य किसके कहने पर बने, इसका पता करना पड़ेगा।

युवा ही देश के भविष्य को देता है आकार : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद (हिंस)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र फरीदाबाद द्वारा जज्बा फाउंडेशन के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला के तहत प्रधानमंत्री द्वारा दिए अमृत काल के पंच प्रण की 2047 के भारत की संकल्पना भीम पर आधारित युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन सोमवार राजकीय महाविद्यालय खेड़ी गुजरान में किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि युवा ही है, जो देश के भविष्य को आकार देता है। किसी भी देश की प्रगति और विकास इस बात पर निर्भर करते हैं कि उसका युवा कितना शिक्षित और परिश्रमी है। युवा जितना परिश्रमी होगा उस देश का भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। हमारे देश के युवाओं को उत्कृष्ट शिक्षा और अच्छा स्वास्थ्य मिले तो राष्ट्र की सफलता को ऊंचाइयों तक पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य देश के हर जिले में युवा प्रतिभागियों को एक मंच पर लाकर एकजुट करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेहरू युवा केन्द्र की जिला युवा अधिकारी प्रियंका मालिक जी के द्वारा की गई।

महिला सरपंच ने सिर से दुपट्टा उतार मुख्यमंत्री के पैरों में फेंका

सिरसा (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के सिरसा जिला के जनसंवाद कार्यक्रम के तीसरे दिन भी विवाद हो गया। राजस्थान सीमा के साथ सटे गांव बनी की महिला सरपंच ने अपने गले से दुपट्टा उतार कर सीएम के पैरों में फेंक दिया। इसको देखकर वहां खड़ी पुलिस और अफसरों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में महिला को संभाला फिर उसे पकड़कर नीचे उतार दिया गया। हलांकि इस दौरान सीएम मनोहर लाल बातों से इस बारे में समझाते दिखे। महिला सरपंच बोली हमारे साथ अन्याय हुआ है। मनोहर लाल के पास पहुंची महिला सरपंच नैना जोड़ ने कहा कि उनके गांव में प्राइमरी हेल्थ सेंटर में स्टाफ नहीं है। 25 किलोमीटर में कोई भी कॉलेज नहीं है। सरपंच ने कहा बीजेपी का नारा है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ। हमारे साथ अन्याय हुआ है। यह सुनकर सीएम ने कहा कि आप लिखकर दे दो। इस पर महिला सरपंच नहीं मानी। सरपंच नैना ने कहा मैंने तो लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव जीता है। सीएम ने रोकने का प्रयास किया। वे बोलीं, मेरे पति पर जानलेवा हमला हुआ है, फिर भी पुलिस ने अभी तक आरोपियों को नहीं पकड़ा। इतना कहते ही सरपंच ने अपने सिर से दुपट्टा उतार कर सीएम के आगे फेंक दिया। सीएम ने कहा कि मान सम्मान सबके अपने हाथ में है। हमने आपको इज्जत देकर ऊपर बिठाया है। इसके बाद सीएम ने भारत माता की जय कहकर कार्यक्रम समाप्त कर दिया।

नियंत्रण रेखा पर तरकुंडी गांव से घुसपैठिया गिरफ्तार

जम्मू (हिंस)। सुरक्षाबलों ने राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में नियंत्रण रेखा पर तरकुंडी गांव से रविवार देररात एक घुसपैठिया को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी जम्मू-कश्मीर के करेला मजान कोटली निवासी मोहम्मद उस्मान (27) पुत्र जुल्फिकार को आज पूछताछ के लिए पुलिस के हवाले किया गया है। सुरक्षाबलों ने घुसपैठिये को रात को ही पूछताछ के लिए सेना की 6-जैकलाई को सौंपा था। बताया गया है कि नियंत्रण रेखा पर सतर्क सुरक्षाबलों के जवानों ने देररात एक व्यक्ति को भारतीय क्षेत्र में घुसते देखा। बिना समय गवाएं उसे दबोच लिया। पुलिस इस घुसपैठिया से पूछताछ कर रही है।

पटियाला के गुरुद्वारा साहिब में शराब पीने पर महिला की हत्या

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पटियाला में गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब में रविवार रात कथित बेअदबी पर एक युवक ने महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। गोलीबारी एक सेवादार घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि रविवार रात करीब 10 बजे परविंदर कौर गुरुद्वारा में माथा टेकने के बाद सरोवर किनारे बैठ गई और शराब पीने लगी। सेवादारों के रोकने पर उनसे उलझ गई। तभी निर्मलजीत सिंह आया और महिला के साथ उलझ गया। विवाद इतना बढ़ा कि निर्मलजीत सिंह ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से महिला को गोली मार दी। आरोपी ने पांच राउंड फायर किए। इसमें से तीन गोली महिला को लगी और एक गोली सेवादार सागर मल्होत्रा को लगी। इसके बाद सेवादारों ने परविंदर कौर और सेवादार सागर को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। सागर का अभी भी उपचार चल रहा है। सूचना मिलते ही अनाज मंडी थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रिवाल्वर भी बरामद कर लिया है। गुरुद्वारा परिसर में लगे सीसीटीवी के फुटेज भी कब्जे में ले लिए हैं।

दक्षिण से ही होती है देश में बदलाव की शुरुआत हरियाणा में होगा सत्ता परिवर्तन : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

पलवल (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल की भाभी की शोकसभा में संवेदना व्यक्त करने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कर्नाटक विधानसभा में हुई कांग्रेस की जीत को लेकर कहा की हमेशा दक्षिण से ही देश में परिवर्तन की शुरुआत होती है। कर्नाटक चुनावों के जो नतीजे आये हैं उनसे साफ जाहिर है कि भविष्य में हरियाणा के साथ-साथ पूरे देश में परिवर्तन आएगा। इस दौरान भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ उत्तरप्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज बब्बर, हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान, पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा व पूर्व विधायक रघुबीर सिंह तेवतिया सहित तमाम कांग्रेस नेता मौजूद थे। किठवाड़ी गांव में शोकसभा में शामिल होने के उपरांत पत्रकारों से बात करते हुए भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कर्नाटक की जनता ने गरीबी, महंगाई, बेरोगारी, भ्रष्टाचार के मुद्दों को मद्देनजर रखते हुए कांग्रेस को प्रचंड बहुमत दिया है। हमेशा से ही परिवर्तन की शुरुआत दक्षिण से होती है। जो परिवर्तन कर्नाटक में हुआ है अब वही परिवर्तन पूरे देश में आएगा और हरियाणा के साथ-साथ पूरे देश में परिवर्तन सुनिश्चित है। आज पूरे देश की जनता बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से दुखी है और सत्ता परिवर्तन चाहती है। आने वाले चुनावों में देश-प्रदेश में परिवर्तन होगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 137 ग्रामीण स्कूलों को अपग्रेड करने का किया एलान

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि गांवों में जिन सेकेंडरी स्कूलों में पिछले साल 9वीं व 10वीं कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या 100 थी, उन स्कूलों को सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अपग्रेड किया जाएगा। इस घोषणा के साथ ही प्रदेशभर में तुरंत प्रभाव से 137 स्कूल अपग्रेड होंगे। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सिरसा जिले के तीन दिवसीय दौरे के दौरान रानियां विधानसभा क्षेत्र के गांव बणी में जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर थे। मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार ने 5 किलोमीटर के दायरे में एक सीनियर सेकेंडरी स्कूल का प्रावधान करने का निर्णय लिया है, ताकि बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अधिक दूरी तय न करनी पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी परिवारों का परिवार पहचान पत्र बनाया है। यदि अब भी किसी परिवार का पीपीपी आईडी नहीं बना है तो वे तुरंत बनवा लें। पीपीपी से परिवार को भी सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा तो वहीं ग्राम पंचायतों को भी आबादी के अनुसार ही ग्रांट मिलेगी। रविवार को ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री ने बणी गांव से कालांवाली तक बस की घोषणा की थी और मात्र कुछ ही घंटों में आज इस घोषणा को मूर्तरूप मिल गया। मुख्यमंत्री ने आज बणी गांव जन संवाद कार्यक्रम से पहले बणी गांव से कालांवाली बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान ग्रामीणों ने तालियां बजाकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। जन संवाद कार्यक्रम में अभ्यर्थियों ने पीजीटी पंजाबी शिक्षकों की भर्ती करवाने के लिए अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि 30 जून तक पीजीटी पंजाबी शिक्षकों की भर्ती के लिए विभाग की ओर से आयोग को मांग भेज दी जाएगी और भर्ती प्रक्रिया जल्द आरंभ होगी। भम्भूर ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने मिडल स्कूल को हाई स्कूल में अपग्रेड करने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने स्कूल द्वारा यदि मानदंड पूरे होंगे तो सरकार अपग्रेड करने पर विचार करेगी। जन संवाद में कृष्णा देवी ने अपने घर की छत गिरने की शिकायत रखते हुए मरम्मत की गुहार लगाई। इस पर मुख्यमंत्री ने बीआर अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत 80 हजार रुपये की राशि मंजूर की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री जन आवास योजना के दूसरे चरण में आवास के लिए आवेदन करने को भी कहा। ग्रामीणों ने सिरसा-बणी-हनुमानगढ़ तथा सिरसा-बणी-संगरिया रूट पर बस चलाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने तुरंत हरियाणा रोडवेज महाप्रबंधक को निर्देश दिए और कहा कि आज शाम से ही इन रूटों पर बस की सुविधा शुरू हो जानी चाहिए। ग्रामीणों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने जन कल्याण की जितनी योजनाएं चलाई हैं, इतनी किसी सरकार ने नहीं चलाई। ग्रामीणों ने कहा कि राज्य सरकार ने सोलर ट्यूबवेल कनेक्शन देने का जो काम किया है, वह बहुत सराहनीय है।

मुख्यमंत्री के सलाहकार ने की सीएम विंडो पर लंबित शिकायतों की समीक्षा

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री के सलाहकार (सिंचाई एवं सीएम विंडो) देवेंद्र सिंह ने सोमवार को गुरुग्राम जिला में सीएम विंडो पर लंबित शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने यहां लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में आयोजित समीक्षा बैठक के एजेंडे में शामिल लंबित शिकायतों की सुनवाई की संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने समीक्षा बैठक में एजेंडे में शामिल 10 शिकायतों का सिलसिलेवार विवरण दिया। देवेंद्र सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सीएम विंडो के माध्यम के माध्यम से आने वाली शिकायतों का निपटारा करने के लिए विभागाध्यक्षों को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। हरियाणा सरकार ने सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों के लिए एमिनेंट पर्सन भी बनाए है। ऐसे में लंबित शिकायतों के निपटारे के लिए एमिनेंट पर्सन को भी शामिल किया जाए। सीएम विंडो से जुड़ी गाइडलाइन का सभी विभागाध्यक्ष पालन करें और अपने एक्शन की रिपोटजू पोटज़्ल पर भी समय रहते अपडेट करें। उन्होंने यह भी कहा कि जिन शिकायतों से जुड़े मामले न्यायालय में भी विचाराधीन है उनकी भी रिपोर्ट उचित तरीके से की जाए। उन्होंने नगर परिषद सोहना क्षेत्र में रिहायशी इलाके के समीप पोल्ट्री फार्म से संबंधित मामले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व स्थानीय निकाय अधिकारियों की संयुक्त टीम को साइट विजिट करने के निर्देश दिए। इसी तरह निजी रिहायशी सोसायटीज में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स में नियमों के उल्लंघन को लेकर एक शिकायत में डीटीपी (ई) व हाइड्रोलॉजिस्ट की टीम को मौके का मुआयना कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम गुरुग्राम, सिंचाई विभाग, जीएमडीए, एचएफडीसी, एचएसवीपी आदि से जुड़े अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करने की रिपोर्ट भी भेजने के निर्देश दिए। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने उन्हें बताया कि जिला प्रशासन, गुरुग्राम के पास सीएम विंडो पर अब तक 8429 शिकायतें मिली हैं, जिनमें से 8080 का निपटारा कर दिया गया है। वहीं 163 शिकायतों की एटीआर पोर्टल पर अपलोड है। सीएम विंडो के स्कोर के मामले में गुरुग्राम प्रदेश में पहले स्थान पर है। उन्होंने लंबित शिकायतों का विवरण देते हुए बताया कि सभी अधिकारियों को इस संदर्भ में पहले ही निर्देश जारी कर दिए जा चुके हैं और नियमित आधार पर इन शिकायतों की मॉनिटरिंग भी की जा रही है।

नगर परिषद कार्यालय पर धरने एवं अनशन पर बैठे पार्षद

धौलपुर (हिंस)। धौलपुर नगर परिषद कार्यालय के बाहर सोमवार को पूर्व निर्धारित घोषणा के अनुसार पार्षदों का क्रमिक अनशन एवं धरना शुरू हो गया। धरने पर बैठे पार्षद एवं उनके समर्थक नगर परिषद में चल रहे भ्रष्टाचार की जांच, सभी वार्डों में समान रुप से विकास कार्य कराने तथा विभिन्न समितियों के गठन की मांग कर रहे हैं। धरना एवं क्रमिक अनशन के पहले दिन उप सभापति माया शर्मा, नगर परिषद में नेता प्रतिपक्ष कुक्कू शर्मा नेता प्रतिपक्ष, उप नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र घुरैया, आशा धीरू जाट एवं भारती विवेक शर्मा छावनी भूख हडताल पर बैठे। इस मौके पर उप सभापति माया शर्मा ने कहा कि शहर में नगर परिषद द्वारा विकास कार्य नहीं कराए जा रहे हैं। इस संबंध में कई बार धौलपुर नगर परिषद प्रशासन को मौखिक एवं लिखित रुप से अवगत कराया गया है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। नेता प्रतिपक्ष कुक्कू शर्मा ने कहा कि नगर परिषद में भ्रष्टाचार व्याप्त है तथा सभापति एवं आयुक्त अपने चहेते पार्षदों में मनमाने तरीके से विकास कार्य करा रहे हैं। जबकि अन्य वार्ड विकास कार्य से अछूते हैं। इस मौके पर पूर्व सभापति कमल कंषाना, पार्षद रहीस सामी, संध्या राजोरिया एवं अमीना खान तथा पूर्व पार्षद धीरू जाट, चंद्रमोहन त्रिवेदी, विशंभर दयाल शर्मा एवं महेश शर्मा सहित अन्य समर्थक मौजूद रहे। नगर परिषद कार्यालय पर पार्षदों द्वारा धरने के संबंध में धौलपुर नगर परिषद सभापति खुशबू सिंह ने बताया कि धरने पर बैठे पार्षदों द्वारा डीएम को एक ज्ञापन सोंप कर जांच एवं कार्रवाई की मांग की गई थी। परिषद की ओर से उन सभी बिंदुओं पर कार्रवाई शुरू की गई है। इसमें कुछ समय लगेगा। विकास कार्यों में भेदभाव के सवाल पर सभापति ने कहा कि बीते दो साल में सभी वार्डों में विकास कार्य कराए गए हैं।

फर्जी कागजों पर बनी महिला सरपंच के खिलाफ ग्रामीण लामबंद

यमुनानगर (हिंस)। यमुनानगर में गांव दुसानी की महिला सरपंच के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण जिला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि महिला ने फर्जी दस्तावेज लगाकर सरपंच का चुनाव जीता है। गौरतलब है कि 2 नवंबर 2022 को यमुनानगर में सरपंच पद के चुनाव हुए थे, जिसको लेकर यमुनानगर के गांव दुसानी में सरपंच ने अपने कागजों के आधार पर नामांकन किया और सरपंच का चुनाव भी जीत गई। गांव वालों को सरपंच के शिक्षा से जुड़े कागजात पर आशंका जाहिर हुई तो उन्होंने सीएम विंडो पर एक शिकायत लगाई। शिक्षा विभाग ने इस सरपंच के सभी दस्तावेजों को प्रमाणित करवाने के लिए जांच शुरू की तो पाया कि इस सरपंच महिला के शिक्षा से जुड़े सभी दस्तावेज फर्जी हैं। जैसे ही शिकायतकर्ता जिला उपायुक्त के दरबार में यह शिकायत लेकर पहुंचे तो शिकायतकर्ता पर ही उल्टा मामला दर्ज करवा दिया गया। उस पर देसी कट्टा दिखाकर मारने की कोशिश करने का आरोपी लगाया गया। इसे लेकर ग्रामीणों ने अपनी शिकायत देते हुए कहा कि मामले की सही जांच की जाए और जो भी दोषी हो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

गठबंधन को लेकर बयानबाजियों के बीच दुष्यंत ने की जेपी नड्डा से मुलाकात

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के सत्तारूढ़ भाजपा-जजपा गठबंधन को लेकर चल रही बयानबाजी की घटनाओं के बीच जजपा नेता एवं उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है। इस मुलाकात के कई राजनीतिक मायने हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर चुके हैं। दरअसल, हरियाणा में गठबंधन में पेंशन समेत कई मुद्दों के लेकर तकरार चल रही हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल सार्वजनिक कार्यक्रमों में यह बोल चुके हैं कि सरकार भाजपा की है और जजपा केवल सहयोग कर रही है। जजपा के किए गए चुनावी वादों से भाजपा को कोई सरोकार नहीं है। अफसरशाही में चल रही चर्चाओं के अनुसार इस बार प्रदेश में जारी हुई आबकारी नीति में भी मुख्यमंत्री का सीधा हस्तक्षेप रहा है। भाजपा अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ भी चुनावों की अलग-अलग तैयारियां करने को लेकर बयान दे चुके हैं। गठबंधन में चल रही तकरार के बीच दुष्यंत चौटाला ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ मुलाकात की है। दुष्यंत ने रविवार की रात करीब एक घंटा नड्डा के साथ मंत्रणा की है।

लव जिहाद के विषय में हिंदुओं के जागृत होने के भय से *द केरला स्टोरी* का विरोध : अधिवक्ता मणि मित्तल

जयपुर (हिंस)। *लव जिहाद* जैसे संवेदनशील विषय पर *द केरला स्टोरी* फिल्म बनानेवाले निर्माता तथा निर्देशक का अभिनंदन किया जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल एवं तमिलनाडु की सरकारों ने *द केरला स्टोरी* पर प्रतिबंध लगाया है। वामपंथियों तथा मुसलमानों का तुष्टीकरण करनेवाले इन राज्यों को न्यायालय द्वारा इस विषय में फटकारने पर भी उन्होंने हिंदुओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को ठेस पहुंचाई है। इन राज्यों में भले ही इस फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया गया हो, परंतु अब केवल भारत में ही नहीं, अपितु विदेशों में भी यह फिल्म प्रदर्शित हुई है तथा वहां के दर्शकों का उन्हें समर्थन मिल रहा है। अब *लव जिहाद* करने वाले लोगों की पोल खुल गई है तथा *द केरला स्टोरी* जैसी फिल्में देखकर हिंदू जागृत हो जाएंगे, इस भय से *द केरला स्टोरी* का विरोध किया जा रहा है। यह बात सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता मणि मित्तल ने हिंदू जनजागृति समिति की ओर से सोमवार को आयोजित *द केरला स्टोरी* : प्रतिबंध फिल्म पर अथवा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ? विषय पर आयोजित ऑनलाइन *विशेष संवाद* में कही। अधिवक्ता मणि मित्तल ने कहा कि वास्तव में देखा जाए, तो *द केरला स्टोरी* फिल्म में *लव जिहाद* के विषय में थोड़ा सा ही दिखाया गया है, वास्तविकता तो बहुत भयानक है। हिंदुओं की भावनाएं आहत करनेवाली *ओ माई गॉड, पीके* जैसी अनेक फिल्में प्रदर्शित हुईं, साथ ही *आश्रम* जैसी वेबसीरिज से हिंदू धर्म एवं ऋषि-मुनियों को अपमानित किया गया। आज *द केरला स्टोरी* का विरोध करनेवाले उस समय मौन थे। हिंदुओं को *द केरला स्टोरी* फिल्म का बड़े स्तर पर समर्थन करना चाहिए। हिंदू जनजागृति समिति के महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ राज्य संगठक सुनील घनवट ने कहा कि *द केरला स्टोरी* फिल्म केवल केरल तक ही सीमित नहीं है, अपितु देश-विदेश में *लव जिहाद* का षड्यंत्र चल रहा है। इस फिल्म से आतंकी संगठन आईएसआईएस की वास्तविकता सामने आई है। कुछ राजनीतिक दलों के नेता इस फिल्म का विरोध कर रहे हैं, तो क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता केवल अल्पसंख्यकों के लिए ही है ? *लव जिहाद* एवं *आतंकवाद* की वास्तविकता को स्वीकार न करते हुए *यह फिल्म मुसलमानों के विरुद्ध है*, यह संभ्रम निर्माण करने वाला दुष्प्रचार किया जा रहा है। यह फिल्म बनाने वालों ने जो यह साहस दिखाया है, उसके लिए हिंदू जनजागृति समिति इन सभी लोगों का अभिनंदन करती है। हिंदू समाज अब जागृत है तथा *द केरला स्टोरी* फिल्म अधिकाधिक लोग देखें; इसके लिए अनेक लोग सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से प्रसार कर रहे हैं, वे लोग भी अभिनंदन के पात्र हैं। आज की स्थिति में *द कश्मीर फाईल्स, द केरला स्टोरी* जैसे हिंदुओं को जागृत करनेवाली अनेक फिल्में बनाना आवश्यक है।

लगातार 11वें महीने घटी थोक महंगाई : अप्रैल में घटकर -0.92प्रतिशत पर आई, मार्च में ये 1.34प्रतिशत रही थी

नई दिल्ली।
थोक महंगाई दर अप्रैल में घटकर -0.92प्रतिशत पर आ गई है। इससे पहले मार्च 2023 में थोक महंगाई दर 1.34प्रतिशत रही थी। फरवरी 2023 में थोक महंगाई दर 3.85प्रतिशत थी। ये लगातार 11वां महीना है जब होल-सेल महंगाई कम हुई है।

इससे पहले जून 2020 में इससे कम है। तब ये -1.81प्रतिशत पर थी। खाने-पीने के सामान और ईंधन और बिजली के दामों में गिरावट आने से थोक महंगाई घटी थी। थोक महंगाई दर जून 2020 के बाद पहली बार 0प्रतिशत के नीचे गई है।

अप्रैल में खाद्य महंगाई दर घटी - अप्रैल में खाद्य महंगाई दर 2.32प्रतिशत से घटकर 0.17प्रतिशत रही है। रोजाना जरूरत के सामानों की महंगाई दर 2.40प्रतिशत से घटकर 1.60प्रतिशत रही है। ईंधन और बिजली की थोक महंगाई दर 8.96प्रतिशत से घटकर 0.93प्रतिशत रही है। मेन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई दर -0.77प्रतिशत से बढ़कर -2.42प्रतिशत रही है।

आम आदमी पर असर - थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहना चिंता का विषय रहता है। ये ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर बुरा असर डालती है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं।

सरकार केवल टैक्स के जरिए कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है, क्योंकि उसे भी सैलरी देना होता है। ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

2021 से रिटेल महंगाई सबसे कम - अप्रैल में रिटेल महंगाई दर घटकर 4.70प्रतिशत पर आ गई है। मार्च में महंगाई दर 5.66प्रतिशत रही थी। ये लगातार तीसरा महीना है जब महंगाई दर में कमी आई है। इतना ही नहीं रिटेल महंगाई का अक्टूबर 2021 से ये सबसे निचला स्तर भी है। तब देश की रिटेल महंगाई दर 4.5प्रतिशत पर पहुंच गई थी। खाने-पीने के सामान के दामों में गिरावट, बिजली और ईंधन की महंगाई घटने की वजह से रिटेल इंफ्लेशन में गिरावट देखने को मिली है।

न्यूज ब्रीफ

रुपे डेबिट कार्ड की दुनियाभर में स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए गठजोड़

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) रुपे डेबिट कार्ड की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए और गठजोड़ करने के लिए प्रयास कर रहा है। सूत्रों ने बताया, रुपे डेबिट कार्ड और मजबूत करने की जरूरत है।एनपीसीआई इस दिशा में काम कर रहा है, जिससे रुपे कार्ड के उपयोगकर्ता वीजा या मास्टरकार्ड का इस्तेमाल करने वालों के बराबर पहुंच सकें। रुपे ने मार्च, 2012 में भारतीय नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय सेवाएं देने के लिए डिस्कवर फाइनेंशियल सर्विसेज से गठजोड़ किया था। जुलाई, 2019 में जेसीबी इंटरनेशनल कंपनी लि. के साथ मिलकर रुपे जेसीबी ग्लोबल कार्ड पेश करते हुए अपनी नेटवर्क क्षमताएं मजबूत की हैं। रुपे कार्ड इस समय डिस्कवर ऑफ द यूएस, डाइनर्स क्लब, जेसीबी ऑफ जापान, पल्स और यूनियन पे ऑफ चाइना समर्थित बिक्री मशीनों (पीओएस) पर स्वीकार किए जाते हैं। रुपे जेसीबी ग्लोबल कार्ड का उपयोग भारत में रुपे कार्ड स्वीकार करने वाले केंद्रों पर और देश से बाहर जेसीबी कार्ड स्वीकार करने वाले केंद्रों पर पीओएस, ई-कॉमर्स व एटीएम के लिए किया जा सकेगा। अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात के बाद नीदरलैंड भारत का तीसरा बड़ा निर्यातक देश बन गया है। पिछले वित्त वर्ष में भारत से नीदरलैंड को पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक सामानों, केमिकल और अल्यूमिनियम जैसे सामानों का ज्यादा निर्यात हुआ। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, नीदरलैंड के साथ भारत का ट्रेड सरप्लस 2022-23 में 13 अरब डॉलर रहा है।

धोखाधड़ी व एनपीए रोकने के लिए हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां करें उपाय

नई दिल्ली। एनएचबी ने हाल में जारी एक सर्कुलर में कहा है कि हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (एचएफसी) की धोखाधड़ी के विश्लेषण से पता चला है कि ज्यादातर धोखाधड़ी के कारणों में नकली आय/रोजगार दस्तावेज पेश करना, फर्जी टाइटल डीड जमा करना और बिल्डर एवं कर्जदार की मिलीभगत शामिल होती है। यह भी देखा गया है कि इस तरह की कमियों की पहचान तभी की जाती है जब कर्जदार कर्ज लेकर किस्त का भुगतान बंद कर देता है। एनएचबी के मुताबिक, यह निर्णय लिया गया है कि एचएफसी को ईडब्ल्यूएस फ्रेमवर्क को अपनाया जाना चाहिए। इससे किसी भी खाते को एनपीए बनने से पहले पता चल जाएगा। सर्कुलर में आगे कहा गया है कि ईडब्ल्यूएस की ट्रैकिंग को एचएफसी के सिस्टम में क्रेडिट निगरानी प्रक्रिया के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए ताकि यह हमेशा की गतिविधि बन जाए। सेबी के लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से वित्त वर्ष 2022-23 में म्यूचुअल फंड के नए फंड ऑफर (एनएफओ) से जुटाई गई रकम 42 फीसदी गिरकर 62,342 करोड़ रुपये रह गई है। 2021-22 में एनएफओ से कुल 1.08 लाख करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई थी। आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 253 एनएफओ लॉन्च किए गए थे जबकि 2021-22 में 176 एनएफओ पेश किए गए थे।

आईफोन बनाने वाली कंपनी और तेलंगाना के बीच 50 करोड़ डॉलर निवेश का करार, 25 हजार नौकरियों का होगा सृजन

नई दिल्ली। तेलंगाना के मंत्री केटी रामा राव ने घोषणा की है कि एपल के उत्पादन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन तेलंगाना में 50 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी और परियोजना के पहले चरण में 25,000 लोगों को रोजगार दिया जाएगा। फॉक्सकॉन का संयंत्र हैदराबाद के पास रंगारेड्डी जिले के कोंगर कलान में बनेगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बेटे और राव ने ट्वीट में कहा, मुझे आज कोंगर कलान में फॉक्सकॉन के पहले संयंत्र की आधारशिला रखने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 50 करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश के साथ पहले चरण में करीब 25000 लोगों को नौकरियां मिलेंगी। रामा राव जिन्हें केटीआर के नाम से भी जाना जाता है, तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार मंत्री हैं। वह नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास और उद्योग और वाणिज्य विभागों को भी संभालते हैं। तेलंगाना सरकार और फॉक्सकॉन की ओर से जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि नई उत्पादन इकाई से विश्व स्तरीय उत्पादों की डिलीवरी जारी रखने का वादा है।

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सेबी का जवाब

सेबी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- 2016 से अडाणी ग्रुप की जांच के सभी दावे तथ्यात्मक रूप से निराधार

नई दिल्ली।
अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सेबी ने एक एफिडेविट में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 2016 से अडाणी ग्रुप की जांच के सभी दावे तथ्यात्मक रूप से निराधार (फैक्चुअली बेसलेस) हैं। सेबी की तरफ से दाखिल जवाब में कहा गया कि ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसिप्ट्स जारी करने के मामले में जांच पूरी करने के बाद कानूनी प्रोसेस के तहत एक्शन लिया जा चुका है। अडाणी ग्रुप की कोई भी लिस्टेड कंपनी 2016 की इस जांच का हिस्सा नहीं है, जिसमें 51 भारतीय कंपनियां शामिल हैं।

सेबी ने एफिडेविट में क्या कहा - याचिकाकर्ताओं की तरफ से जिस जांच का जिक्र किया गया है। उसका हिंडनबर्ग रिपोर्ट से कोई लेना-देना नहीं है। ये जांच 51 लिस्टेड कंपनियों के जीडीआर मामले में की गई थी। अडाणी ग्रुप पर 2016 से सेबी की जांच के आरोप तथ्यात्मक रूप से निराधार हैं। मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग के मामले में सेबी ने 11 देशों के रेगुलेटर्स से संपर्क किया है। इन सभी रेगुलेटर्स से जानकारी देने के लिए आवेदन भेजे गए हैं। सेबी ने उठाए गए 4 मामलों में जानकारी जुटाने की मौजूदा स्थिति के बारे में एक्सपर्ट कमेटी को एक विस्तृत नोट दिया है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट में लगाए 12 ट्रांजैक्शंस के आरोप पर मार्केट रेगुलेटर ने कहा कि जिन ट्रांजैक्शंस की बात की गई है, वो काफी जटिल हैं और उनके साथ कई सब-ट्रांजैक्शंस जुड़े हुए हैं। अलग-अलग सोर्स से जुटाई गई जानकारी का एनालिसिस किए बिना, अंतिम निर्णय पर पहुंचना कानूनी रूप से सही नहीं होगा।

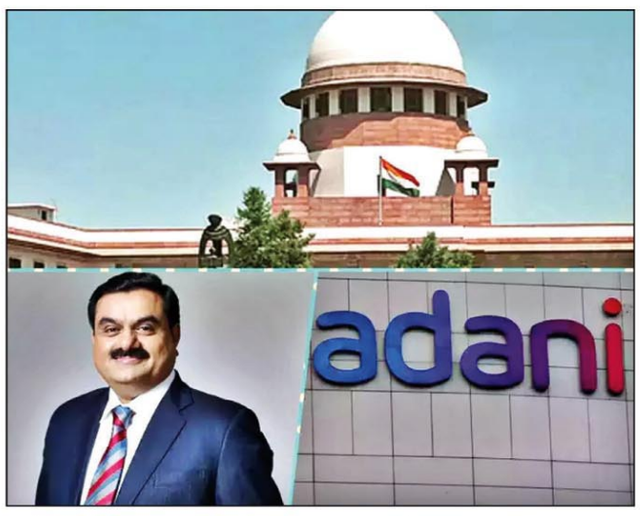

रेगुलेटर 2016 से अडाणी ग्रुप की जांच नहीं कर रहा - इसके साथ ही सेबी ने ये भी साफ किया कि मार्केट रेगुलेटर 2016 से अडाणी ग्रुप की जांच नहीं कर रहा है। सेबी की तरफ से ये जवाब ऐसे वक्त में आया है, जब ये आरोप लग रहे थे कि जीडीआर मामले में अडाणी ग्रुप पर 2016 से जांच चल रही है। हालांकि, अब सेबी ने अपने जवाब में इसे पूरी तरह से तथ्यहीन बताया है।

जांच का समयपूर्व निष्कर्ष न्याय के हित में नहीं होगा - सेबी ने कोर्ट से यह भी कहा कि उसकी जांच का कोई भी गलत या समयपूर्व निष्कर्ष न्याय के हित में नहीं होगा और कानूनी रूप से अस्थिर होगा। रेगुलेटर ने बताया कि मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग के मामले में 11 विदेशी नियामकों से पहले ही संपर्क किया जा चुका है। ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या अडाणी ग्रुप ने अपने पब्लिकली अवेलेबल शेयरों के संबंध में किसी भी मानदंड का उल्लंघन किया है या नहीं।

विदेशी रेगुलेटर्स से जानकारी के लिए कई आवेदन भेजे गए हैं - सेबी ने बताया कि इन सभी विदेशी रेगुलेटर्स से जानकारी देने के लिए कई आवेदन भेजे गए हैं और सबसे पहला आवेदन 6 अक्टूबर 2020 को भेजा गया था। इसके साथ ही अडाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच कर रही स्वतंत्र कमेटी को जांच की इस प्रोग्रेस के बारे में जानकारी दे दी गई है।

ट्रांजैक्शंस की जांच के लिए कई सोर्सेज से जानकारी जमा करनी होगी - हिंडनबर्ग रिपोर्ट में लगाए 12 ट्रांजैक्शंस के आरोप पर मार्केट रेगुलेटर ने कहा कि जिन ट्रांजैक्शंस की बात की गई है, वो काफी जटिल हैं और उनके साथ कई सब-ट्रांजैक्शंस जुड़े हुए हैं। इन ट्रांजैक्शंस की जांच के लिए घरेलू और इंटरनेशनल बैंकों समेत अलग-अलग सोर्सेज से जानकारी जमा करनी होगी। अलग अलग सोर्स से जुटाई गई जानकारी का एनालिसिस करने के बाद ही अंतिम निर्णय पर पहुंचा जा सकता है।

मामले में अब अगली सुनवाई 16 मई को होगी - हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों पर अडाणी ग्रुप की कंपनियों की जांच के लिए समय बढ़ाने की सेबी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हुई। कहा कि बाकी मैटर कल और बाद में सुनेंगे। हिंडनबर्ग पर कुछ नहीं कहा है। सुनवाई में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि वो वीकेंड में जस्टिस सप्रे कमेटी की रिपोर्ट देखेंगे सेबी की याचिका पर आदेश जारी करेंगे, लेकिन मामले की सुनवाई टल गई है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि मामले में अब अगली सुनवाई आज होगी।

12 मई को सेबी ने 6 महीने का अतिरिक्त समय मांगा था - इससे पहले 12 मई को सुनवाई हुई थी, जिसमें सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी ने अपनी जांच पूरी करने के लिए 6 महीने का अतिरिक्त समय मांगा था। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा था कि 6 महीने का समय सही नहीं है। इस मामले में कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी भी बनाई थी और 2 महीने के भीतर रिपोर्ट देने को कहा था। 8 मई को कमेटी ने बंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। जस्टिस सप्रे की कमेटी की रिपोर्ट आ गई है। हम वीकेंड के दौरान ये रिपोर्ट देखेंगे। अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में 4 जनहित याचिकाएं दायर हुई थीं।

निरंतरता, कड़ी मेहनत और दृढ़ता ही सफलता का मंत्र, आकाश इंस्टीट्यूट के सीईओ ने खोले टॉपर्स के राज

नई दिल्ली।
34 से ज्यादा वर्षों की मज़बूत विरासत के साथ आकाश की शिक्षण पद्धति को समय के साथ बेहतर बनाया गया है। हमारे कोर्स छात्रों में गहन विश्लेषण और समस्या हल करने के कौशल को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसलिए, 1988 में सिर्फ एक केंद्र और 12 छात्रों के एक छोटे से बैच के साथ शुरू हुए इस इंस्टीट्यूट की आज देशभर में 300 से ज्यादा ब्रांच हैं। नीट और जेईई 2022 में क्वालीफाई करने वाले 93,500 से अधिक आकाशियन्स इसकी गवाही देते हैं कि हमने वर्षों से लगातार उत्कृष्ट परिणाम देने के अपने वादे को पूरा किया है। जेईई/नीट में सफलता पाने का मंत्र क्या है परीक्षा के दिन छात्रों की घबराहट को शांत रखने में 'प्रैक्टिस' का क्या महत्व है

ऐसा कोई एक मंत्र नहीं है, जो इन परीक्षाओं में सफलता की गारंटी देता हो। फिर भी, कुछ ऐसे जरूरी तत्व हैं, जो इन परीक्षाओं में सफल होने के लिए मौजूद होने चाहिए। वे हैं...निरंतरता, कड़ी मेहनत और दृढ़ता का संयोजन। नीट और जेईई परीक्षाओं में छात्रों की गति एवं सटीकता दोनों का आकलन होता है। निर्धारित समय में सभी प्रश्नों के सही उत्तर देने का दबाव होता है। इसलिए यहां प्रैक्टिस का बहुत अधिक महत्व है।

छात्र की सफलता में पैरेंट्स क्या भूमिका हैं - पैरेंट्स की भागीदारी छात्र की सफलता में बड़ी भूमिका निभाती है। इसलिए, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि पैरेंट्स के पास बच्चे के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए पर्याप्त अवसर हो। नियमित पैरेंट्स-टीचर मीटिंग और काउंसलिंग सेशन होते हैं।

नीट-जेईई की परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को अच्छे प्रदर्शन के लिए क्या सलाह देंगे नीट देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में एक है। इसमें हर सीट के लिए करीब 16 बच्चे परीक्षा देते हैं। इसमें निगेटिव मार्किंग (प्रत्येक गलत उत्तर के लिए -1) भी होती है। इसलिए, इस परीक्षा में छात्रों को उनकी अब तक की आजमाई रणनीति से भटकना नहीं चाहिए। प्रश्नों के मुख्य शब्दों को गलत समझने जैसी गलती से बचने के लिए उन्हें ठीक से पढ़ने के लिए समय देना चाहिए। बहुत से छात्र ओएमआर शीट भरते समय गलतियां करते हैं। उस समय जरूरी है कि आप शांत रहें और सुनिश्चित करें कि आपके पास उत्तरों को दोबारा पढ़ने के लिए समय बचे। कक्षा 8, 9 और 10 में छात्र उन अवधारणाओं से रुबरु होने लगते हैं, जिन्हें बड़ी कक्षाओं में विस्तार से पढ़ाया जाएगा। इसलिए, शुरुआत में ठोस नींव रखना महत्वपूर्ण है ताकि बाद में जब छात्रों को अधिक जटिल अवधारणाओं का सामना करना पड़े तो वे उन्हें आराम से समझ सकें। हमारे फाउंडेशन कोर्सेस का उद्देश्य इन्हीं अवधारणाओं को मजबूत करने में मदद करना है। आकाश बायजू के फाउंडेशन कोर्सेस 'इंटीग्रेटेड' दृष्टिकोण का पालन करते हैं।

28 साल के रसेल ने फोर्ब्स में खरीदी 82प्रतिशत हिस्सेदारी: 800 मिलियन डॉलर में हुई डील, 18प्रतिशत हिस्सेदारी पर फोर्ब्स फैमिली का हक

न्यूयॉर्क।
लुमिनार टेक्नोलॉजीस के अरबपति सीईओ ऑस्टिन रसेल ने फोर्ब्स मैगजीन निकालने वाली कंपनी फोर्ब्स ग्लोबल मीडिया होल्डिंग्स में 82प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। रसेल की उम्र महज 28 साल है। यह डील 800 मिलियन डॉलर (लगभग 6576 करोड़ रुपए) में हुई है। वहीं, कंपनी की बची 18प्रतिशत हिस्सेदारी पर फोर्ब्स फैमिली का मालिकाना हक रहेगा। बयान के मुताबिक, रसेल की कंपनी फोर्ब्स ब्रांड के दिन-प्रतिदिन के ऑपरेशन्स में शामिल नहीं होंगे। वह फोर्ब्स अमेरिकी मीडिया, टेक्नोलॉजी और एआई एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर एक नया बोर्ड नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं। इसके साथ ही, फोर्ब्स मीडिया के चेयरमैन और एडिटर-इन-चीफ स्टीव फोर्ब्स कंपनी में शामिल रहेंगे। लुमिनार टेक्नोलॉजिस जानी-मानी ऑटोमोटिव टेक कंपनी है, जिसका मार्केट कैप 2.1 अरब डॉलर है। रसेल ने 17 साल की उम्र में 2012 में यह कंपनी बनाई थी। इससे पहले वे फोटोनिक्स और ओप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स पर काम कर चुके थे। उन्होंने एडवांस लाइडर टेक्नोलोजी विकसित की है, जो कार, ट्रक को अधिक सेफ बनाती है। रसेल के नाम ऐसे 100 से ज्यादा पेटेंट हैं। कंपनी को मुख्य उद्देश्य सड़क हादसों को खत्म करना है। फोर्ब्स अमेरिका के सबसे पुरानी मीडिया कंपनियों में से एक है। इसकी मैगजीन दुनियाभर में 50 लाख लोगों तक पहुंचती है। यह हर साल दुनियाभर के अमीरों की लिस्ट जारी करती है। इसके साथ ही, कंपनी रियल टाइम बिलेनियर्स के बारे में भी जानकारी देती है। स्टीव फोर्ब्स ने कहा कि हम ऑस्टिन रसेल का स्वागत करते हैं। वह एक डॉयनेमिक इंटरप्रेन्योर और थॉट लीडर है, जिन्होंने इंडस्ट्री लीडर बिजनेस बनाया है।

तेजी से बढ़ रही गोबर की कीमत, सरकार के इस फॉर्मूले से आम लोगों के साथ किसानों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली।
भारत में इन दिनों गोबर की डिमांड बढ़ती हुई नजर आ रही है। आलम यह है कि पशुओं का गोबर उनके चारे से ज्यादा महंगा हो गया है। केंद्र और कई राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही गोबर खरीदी योजनाओं का असर इस पर सबसे ज्यादा दिखाई दे रहा है। साथ ही गोबर को ऊर्जा के स्रोत के रूप में भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन्हीं वजह से गोबर के दामों बढ़ रहे हैं। साल 2017 और 2018 में गोबर की डिमांड में मामूली गिरावट देखी गई थी। लेकिन बीते दस सालों के आंकड़े बताते हैं कि गोबर का मूल्य 10 वर्षों से लगातार बढ़ रहा है। गोबर का मूल्य आगे भी बढ़ने की संभावना है, क्योंकि केंद्र व राज्य सरकारें गोबर खरीदने की कई योजनाएं चला रही हैं। साथ ही इसे ऊर्जा के स्रोत के रूप में भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। गोबर की पूछ इसलिए भी बढ़ी है, क्योंकि इसका इस्तेमाल हाल के वर्षों में बायोगैस और बायो फर्टिलाइजर में तेजी से बढ़ा है। इसके पहले खादी व ग्रामोद्योग आयोग ने खादी प्राकृतिक पेंट नाम से एक पहल की थी, जिसमें गोबर मुख्य सामग्री थी। इसी तरह छत्तीसगढ़ सरकार ने गोधन न्याय योजना शुरू की है। देखने में आया है कि कई अन्य राज्य भी इस योजना की कॉपी कर रहे हैं।

भविष्य में इसलिए बढ़ेगी गोबर की कीमत

चर्चा में ऊर्जा विशेषज्ञ और लेखक अरविंद मिश्रा गोबर के गणित को कुछ इस तरह समझाते हैं। मिश्रा कहते हैं कि गोबर हमारी कृषि व्यवस्था में खाद के नजरिए से लंबे समय से एक अहम फीडस्टॉक रहा है। यहां तक कि पशु पालन का उद्देश्य ही दूध और गोबर जनित खाद हासिल करना सबसे अहम था। लेकिन कथित हरित क्रांति की वजह से रासायनिक खाद का इस्तेमाल कुछ इस तरह बढ़ा कि पैदावार तो बढ़ी, लेकिन उसने खेती-किसानी की लागत बढ़ाने के साथ जमीन की उर्वरा शक्ति को भी कमजोर किया। इसका नकारात्मक असर हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ा है। यही वजह है कि अब एक बार फिर गोबर खाद रासायनिक खादों का विकल्प बन रही है। अरविंद मिश्रा के मुताबिक, देश में गोबर खाद और कंपोस्ट खाद का उपयोग प्राचीन काल से होता आ रहा है। विभिन्न प्रकार के वर्मी कंपोस्ट खाद भी तैयार करने की विधियां ईजाद की गई हैं। जैविक खाद से जुड़ी आधुनिक तकनीकों से अब हम गोबर और कंपोस्ट की एक टन खाद से लगभग पांच किग्रा नाइट्रोजन, 2.5 किग्रा फास्फोरस एवं पांच किग्रा पोटाश हासिल कर सकते हैं। भविष्य में गोबर की दरें और बढ़ेंगी। क्योंकि अभी देश में जैविक खाद की क्षमता का 50 फीसदी उपयोग भी नहीं हो पाया है। खास बात यह है कि इससे लोग पशुपालन के लिए भी प्रोत्साहित होंगे।

गो फर्स्ट लीज विमान विवाद

किराए पर एयरक्राफ्ट देने वाली कंपनियां वापस चाहती हैं अपने विमान, 22 मई को आ सकता है फैसला

नई दिल्ली।
नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल ने गो फर्स्ट को लीज पर एयरक्राफ्ट देने वाली कंपनियों द्वारा दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। 22 मई को इस मामले पर अपना फैसला सुना सकता है। नर्मदा एविएशन लीजिंग, यमुना एविएशन लीजिंग, एविएशन लीज जैसे अन्य लेसर्स के साथ मिलकर पिछले हफ्ते (नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल) की सुनवाई में गो फर्स्ट की स्वैच्छिक दिवाला याचिका का विरोध किया था। इससे पहले बीते 10 मई को गो फर्स्ट की दिवालिया याचिका को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल यानी ने स्वीकार कर लिया था। एयरलाइन को राहत देते हुए मोरेटोरियम की मांग को भी मान लिया था। मोरेटोरियम यानी लेनदार किसी भी लोन के मामले में कोई लीगल एक्शन नहीं ले सकते। लीज पर एयरक्राफ्ट देने वाली फर्म्स अपने प्लेन वापस नहीं ले पाएंगी।

एसएमबीसी का दावा- पहले ही खत्म कर दी थी लीज - एसएमबीसी ने कहा कि उन्होंने एनसीएलटी के एयरलाइन की स्वैच्छिक दिवालिया याचिका को स्वीकार करने से पहले ही अपनी लीज खत्म कर दी थी। एसएमबीसी ने कहा कि गो फर्स्ट का विमानों पर कोई अधिकार नहीं है। गो फर्स्ट ने अपनी पसंद का एक रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल अपॉइंट किया और अब वे उस विमान को अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रहे हैं जो उनके है ही नहीं।

दुनिया की बड़ी लीजिंग कंपनियों में से एक है एसएमबीसी - एसएमबीसी एविएशन दुनिया की सबसे बड़ी एयरक्राफ्ट लीजिंग कंपनियों में से एक है। इसे पहले एविएशन कैपिटल के नाम से जाना जाता था। एसएमबीसी ने नर्मदा एविएशन लीजिंग, यमुना एविएशन लीजिंग, एविएशन लीज जैसे अन्य लेसर्स के साथ पिछले हफ्ते एनसीएलटी की सुनवाई में गो फर्स्ट की स्वैच्छिक दिवाला याचिका का विरोध किया था।

पूरा मामला समझें - गो फर्स्ट एयरलाइन ने 2 मई को बताया कि वो 3, 4 और 5 मई के लिए अपनी सभी फ्लाइट कैंसिल कर रही है। 3 मई को एयरलाइन स्वैच्छिक दिवालिया याचिका के लिए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल यानी एनसीएलटी पहुंच गई।गो फर्स्ट एयरलाइन की याचिका पर एनसीएलटी ने 4 मई को सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। फ्लाइट सस्पेंशन को 4 मई से बढ़ाकर 9 मई तक किया। फिर 12 मई और आगे 19 मई तक इसे बढ़ा दिया। 10 मई को एनसीएलटी ने एयरलाइन को राहत देते हुए मोरेटोरियम की मांग को मान लिया और नियुक्त किया। जस्टिस रामलिंगम सुधाकर और एलएन गुप्ता की दो सदस्यीय बेंच ने कर्ज में डूबी गो फर्स्ट को चलाने के लिए अभिलाष लाल को इंटरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल यानी आईआरपी नियुक्त किया है। वो एयरलाइन को रिवाइव करने के लिए मैनेजमेंट संभालेंगे। गो फर्स्ट के सस्पेंडेड बोर्ड को नियमित खर्च के लिए 5 करोड़ रुपए भी जमा कराने होंगे। यह पहली बार है जब किसी भारतीय एयरलाइन ने खुद से ही अपने कॉन्ट्रेक्ट और कर्ज को रिनेगोशिएट करने के लिए बैंकरप्सी प्रोट्रेक्शन की मांग की है। इससे पहले एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने गो फर्स्ट को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा था। ऑपरेशन जारी रखने में फेल होने पर ये नोटिस दिया गया था। इससे पहले एयरलाइन की इंटरिम मोरेटोरियम की मांग पर 4 मई को एनसीएलटी ने पहली सुनवाई की थी। इस दौरान गो फर्स्ट को लीज पर एयरक्राफ्ट देने वाली फर्म्स ने एनसीएलटी से कहा था कि उन्हें एयरलाइन की इंटरिम मोरेटोरियम की मांग पर आपत्ति है। मोरेटोरियम के गंभीर परिणाम होंगे। लेसर्स ने जस्टिस रामलिंगम सुधाकर की अगुआई वाली बेंच को बताया था कि उन्होंने लीज को खत्म कर दिया है और वे विमान वापस पाने के हकदार हैं। लेसर्स ने कहा था कि मेंटेनेंस और अन्य खर्चों को लेकर भी गो फर्स्ट का रिकॉर्ड ठीक नहीं हैं। यदि गो फर्स्ट को मोरेटोरियम राहत दी जाती है, तो वे अपने ग्राउंडेड विमान को वापस नहीं ले पाएंगे।

सिडनी फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुई कैनेडी और जोरम

मुंबई (ईएमएस)। सिडनी फिल्म फेस्टिवल में इस बार कैनेडी और जोरम को शामिल किया गया है। गौरतलब है कि जी स्टूडियोज इंटरनेशनल फेस्टिवल सर्किट में बैक-टू-बैक प्रीमियर और स्क्रीनिंग के साथ वैश्विक स्तर पर भारतीय स्टोरी टेलिंग के लिए सफलतापूर्वक और लगातार एक जगह बना रहा है। इस बार जी स्टूडियोज ने प्रतिष्ठित सिडनी फिल्म फेस्टिवल में जोरम और कैनेडी को शामिल कर डबल खुशी हासिल की है। जबकि मनोज बाजपेयी स्टारर जोरम आधिकारिक प्रतियोगिता में है, राहुल भट स्टारर अनुराग कश्यप की कैनेडी फेस्टिवल में दिखाई जाएगी। सिडनी फिल्म फेस्टिवल 7 जून से शुरू होगा और 15 जून 2023 तक चलेगा। इस पर जी स्टूडियोज के सीबीओ, शारिक पटेल ने कहा कि जोरम और कैनेडी दोनों ही अनूठी कहानियां हैं। इस तरह की महान प्रतिभाओं यानी अनुराग कश्यप और देवाशीष मखीजा के साथ काम करना खुशी की बात है। जी स्टूडियोज को सबसे प्रतिष्ठित ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल में जाने का मौका मिला है। रॉटरडैम, कान्स और बर्लिन के बाद अब हम सिडनी में दर्शकों को लुभाने के लिए उत्सुक हैं। गुड बैड फिल्म्स के निर्देशक और निमार्ता अनुराग कश्यप ने आगे कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि कैनेडी को कान्स के बाद सिडनी में दिखाया जाएगा, और इससे भी बड़ी बात यह है कि आखिरकार मुझे इस खूबसूरत फेस्टिवल में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। कैनेडी के लिए यह एक खूबसूरत यात्रा होने जा रही है। मखीजा फिल्म्स के निर्देशक और निमार्ता देवाशीष मखीजा ने आगे कहा,ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े - सिडनी फिल्म फेस्टिवल - में मुख्य प्रतियोगिता में जोरम का चुना जाना और भी खास हो जाता है क्योंकि हम फेस्टिवल की व्यापक स्थिरता संबंधी चिंताओं और जोरम के अपने नरेटिव के बीच महान तालमेल पाते हैं जो विकास की लागत पर सवाल उठाना चाहता है और न्याय की असमानताएं।

एक के बाद एक रिलेशनशिप में रहकर कभी खुद को समय नहीं दिया : प्रियंका

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपनी पिछली जिंदगी में बने रिलेशंस का खुलासा किया है। गौरतलब है कि प्रियांका के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। बॉलीवुड के बाद वह एक से एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम कर रही हैं। हालांकि, सक्सेस तक पहुंचने का उनका सफर बेहद मुश्किल रहा। वह कई अप और डाउन्स में से गुजरीं। इसी बीच अब प्रियंका ने सालों बाद अपने पिछले रिलेशनशिप्स को लेकर खुलकर बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने रिलेशनशिप के दौरान कभी खुद को समय नहीं दिया। काल हर डेडी पॉडकास्ट शो के लेटेस्ट एपिसोड में प्रियंका चोपड़ा से पूछा गया कि रोमांटिक पार्टनर चुनने के लिए उनका कोई पैटर्न था? इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा कि मैं एक के बाद एक रिलेशनशिप में रही। मैंने सभी रिलेशनशिप में खुद को समय नहीं दिया। मैंने हमेशा उन एक्टर्स को डेट किया, जिनके साथ मैंने काम किया या फिर जिनसे मैं सेट पर मिली। मुझे इस बात का अंदाजा था कि रिश्ता कैसा होना चाहिए। मैं उसकी तलाश करती रही और उन लोगों को फिट करने की कोशिश करती रही, जो मेरी लाइफ में आए। प्रियंका ने आगे कहा कि मैं सचमुच एक डोरमैट की तरह बन जाती और फिर मैं ऐसा सोचती कि यह ठीक है क्योंकि, आप जानते हैं कि महिलाओं को इतने लंबे समय से यही बताया जाता रहा है कि हमारा रोल फैमिली को एक साथ जोड़ना है और जब आपका पति घर आए, तो उसे सहज महसूस कराना है। निक संग डेटिंग जर्नी पर बात करते हुए प्रियंका ने कहा, जब मैंने निक जोनस को डेट करना शुरू किया तो मैंने अपने एक्स बॉयफ्रेंड से ब्रेकअप के बाद दो साल का गैप मारा। मैं खुद को समय देना चाहती थी। काम पर फोकस करना चाहती थी। क्वांटिको के मेरे को-स्टार्स निक को बिल्कुल पसंद नहीं करते थे। पर उनमें से एक चाहता था कि मैं निक को एक चांस दूं। मैं हमेशा निक के साथ फोन पर होती थी। निक को उनके भाई केविन ने समझाया और मिलने के लिए कहा। मैंने एक रात निक को अच्छी तरह गूगल किया और उनके एक वीडियो पर मेरी नजर पड़ी। उसे देखने के बाद मैंने उनके साथ डेट पर जाने के लिए हामी भरी थी।

रॉकी के दूसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं सिंगर रिहाना

लॉस एजेलिस (ईएमएस)। पॉप स्टार रिहाना जल्द ही बॉयफ्रेंड रॉकी के दूसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं। इससे पहले बॉयफ्रेंड संग सिटी में खूब आउटिंग एंजॉय करती नजर आती हैं। बीते बुधवार सिंगर को एक बार फिर रॉकी संग लॉस एंजिल्स में स्पॉट किया गया, जहां कपल का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला। कपल की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब देखी जा रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान प्रेग्नेंट रिहाना व्हाइट क्रॉप टॉप के साथ मैचिंग कलर की पैंट में नजर आईं। इस लुक को उन्होंने ब्लैक ओपन कोट के साथ ड्रेस-अप किया। ओपन कोट में रिहाना अपना बड़ा सा बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। इस लुक को सिंगर ने लो पोनी और चेहरे पर ब्लैक चश्मे के साथ कंप्लीट किया है। वहीं उनके बॉयफ्रेंड रॉकी इस दौरान व्हाइट टी के साथ रेड लैदर जैकेट और डेनिम पैंट ने परफेक्ट दिख रहे हैं। लॉस एंजल्स की सड़कों पर दोनों एक दूसरे का हाथ थाम पोज देते नजर आ रहे हैं तो किसी तस्वीर में रिहाना अपने बॉयफ्रेंड को हग करती भी नजर आ रही हैं। बता दें, रिहाना और उनके बॉयफ्रेंड ने हाल ही में अपने पहले बच्चे का नाम रिवील कर दिया है। अब दोनों जल्द ही अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करेंगे।

इलियाना डिक्रूज ने शेयर की बेबी बंप की फोटो

बर्फी की एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर काफी चचाओं में हैं। उन्होंने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं। इलियाना ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कीं। उनके फैंस और करीबी दोस्तों ने इस पर प्रतिक्रिया दी। उनकी दोस्त तमन्ना भाटिया, अथिया शेट्टी, शिबानी दांडेकर, नरगिस फाखरी, मारिया गोरेट्टी और अन्य ने कमेंट सेक्शन में लवस्ट्रेक इमोजी सेंट किया। बेबी बंप की तस्वीरों पर कमेंट करते हुए शिबानी अख्तर ने कमेंट सेक्शन में लिखा कि लव यू गर्ल सो हैप्पी फॉर यू। एक्ट्रेस अथिया शेट्टी और सोफी चौधरी ने रेड हार्ट इमोजी शेयर किया। पिछले महीने इलियाना ने अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। एक्ट्रेस इन दिनों अपने गोवा वाले घर में मां के साथ समय बिता रही हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने बेबी बंप की एक फोटो शेयर की थी और लिखा था कि लाइफ लेटली।

आदिपुरुष के ट्रेलर में लक्ष्मण के कपड़ों को लेकर मचा बवाल

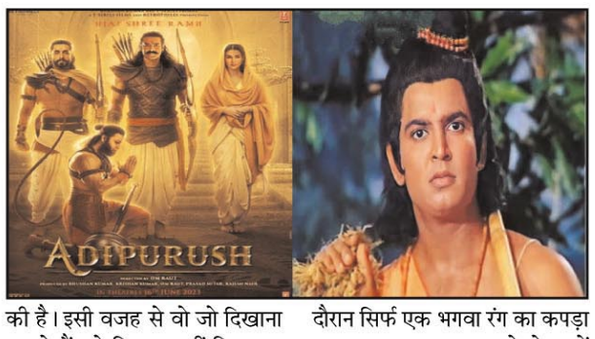

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म आदिपुरुष के ट्रेलर में लक्ष्मण के कपड़ों को लेकर बवाल मच गया है। गौरतलब है कि ओम राउत निर्देशित फिल्म आदिपुरुष जल्द ही रिलीज होने वाली है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों ने पसंद किया है। कई लोग ट्रेलर को देख अलग-अलग रिएक्शन दे रहे हैं। वहीं, अब रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभा चुके सुनील लहरी ने भी ट्रेलर के एक सीन पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, ट्रेलर देखने के बाद कुछ लोग आदिपुरुष के लक्ष्मण की तुलना रामायण के लक्ष्मण से करने लगे, जिसके बाद सुनील लहरी ने इस पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी बात रखी। सुनील ने कहा कि- मेकर्स ने जबरदस्ती इस फिल्म में रामायण को मॉर्डन तरीके से दिखाने की कोशिश की है। इसी वजह से वो जो दिखाना चाहते हैं, वो क्लियर नहीं दिख रहा है। ट्रेलर में कुछ चीजें पसंद नहीं आईं। कई चीजों को जबरदस्ती फिल्म में डालने की कोशिश की गई है। वहीं सुनील ने फिल्म के कलाकारों के कपड़ों पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि- फिल्म में वनवास के दौरान राम, सीता और लक्ष्मण को पूरे कपड़े पहने दिखाया गया है, जबकि राम ने वनवास के दौरान सिर्फ एक भगवा रंग का कपड़ा पहना हुआ था। इस तरह के ट्रेलर में राम का रूप दिखाकर इसके चार्म को खराब किया गया है। बता दें कि, आदिपुरुष में प्रभास और कृति सेनन राम सीता के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, लक्ष्मण का किरदार सनी सिंह कर रहे हैं। फिल्म 16 को जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अब देखना होगा कि दर्शक इसे किस तरह से पसंद करते हैं।

परिणीति-राघव की सगाई के बाद चर्चा में प्रियंका चोपड़ा की पोस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा की सगाई धमाकेदार तरीके से संपन्न हुई। दोनों की शादी में रिश्तेदार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। सगाई के मौके पर एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भी मौजूद थीं। उन्होंने एक खास फोटो पोस्ट कर परिणीति को विश किया है। परिणीति चोपड़ा और सांसद राघव चड्ढा की सगाई दिल्ली के कपूरथला हाउस में हुई। प्रियंका चोपड़ा अपनी सगाई के लिए भारत आयी हैं। प्रियंका ने इन दोनों की खास तस्वीरें पोस्ट की हैं। पहली फोटो राघव और परिणीति की है। दूसरी तस्वीर में प्रियंका पूरे परिवार के साथ तस्वीरें खिंचवाती नजर आ रही हैं। तीसरी फोटो में वह अपने भाई के साथ खड़ी नजर आ रही हैं। साथ ही चौथी फोटो में राघव और परिणीति प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं। वही परिणीति की सगाई में प्रियंका ने इंडो-वेस्टर्न लुक रखा था। उन्होने हरे रंग की साड़ी पहनी हुई थी, लेकिन उन्होंने वेस्टर्न लुक दिया। इस फोटो को पोस्ट करते हुए उन्होंने एक खास कैप्शन दिया है। प्रियंका ने लिखा, बधाई हो टीशा और राघव अब हम शादी का इंतजार कर रहे हैं! मैं तुम दोनों और परिवार के लिए बहुत खुश हूं। साथ ही, परिवार से फिर से मिलकर बहुत अच्छा लगा। इसी बीच प्रियंका की ये पोस्ट इस समय चर्चा में है। इस पोस्ट में उन्होंने परिणीति को टीशा कहा है। कई नेटिजन्स ने इस पर टिप्पणी की और सवाल पूछे।

म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आएंगे अक्षय

अब अभिनेता अक्षय कुमार अपनी फिल्मों के साथ म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आएंगे। अक्षय कुमार ने अपने अगले म्यूजिक वीडियो की घोषणा कर दी है। अक्षय कुमार के साथ इस म्यूजिक वीडियो में एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर नजर आएंगी। अक्षय कुमार के म्यूजिक वीडियो में एक बार फिर सिंगर बी प्राक अपनी आवाज देंगे। बीते 17 मार्च को रानी मुखर्जी अभिनीत फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई थी। 25 करोड़ की लागत से बनी इस फिल्म ने अपनी लागत निकालने में सफलता प्राप्त कर ली थी। इस फिल्म को लोगों ने पसंद किया था। अब इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम कर दिया गया है। रानी मुखर्जी की फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 12 मई से स्ट्रीम किया गया है। इस बात की जानकारी नेटफ्लिक्स ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर दी है।

एक साथ नजर आएंगे अजय देवगन व आर माधवन

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन और 3 इडियट्स स्टार आर माधवन अपकमिंग सुपरनेचुरल थ्रिलर में स्क्रीन शेयर करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन विकास बहल करेंगे, जिन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म क्वीन का निर्देशन किया था। फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और अगले महीने फ्लोर पर जाएगी। इसकी बड़े पैमाने पर शूटिंग मुंबई, मसूरी और लंदन में होगी। फिल्म के लिए अजय फिल्म का निर्माण भी कर रहे हैं, उन्होंने दृश्यम 2 के निमार्ता कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक के साथ मिलकर काम किया है। फिल्म का निर्माण अजय देवगन एफफिल्म और पैनोरमा स्टूडियो के बैनर तले किया जा रहा है। ट्रेड एक्सपर्ट्स के अनुसार अजय की आखिरी फिल्म भोला ने दुनिया भर में 112 करोड़ रुपये की कमाई की। इससे पहले दृश्यम 2 ने दुनिया भर में 345 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी।

रितेश पांडेय का नया गाना 'बांसुरिया' हुआ रिलीज

भोजपुरी सुपरस्टार रितेश पांडेय का नया भोजपुरी गाना बांसुरिया आज रिलीज हो गया है। उनके इस खूबसूरत गाने को भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की सबसे प्रतिष्ठित कंपनी सारेगामा हम भोजपुरी ने अपने यू-ट्यूब चैनल से रिलीज किया है। इस गाने को रितेश पांडेय ने प्रियंका सिंह के साथ मिलकर गाया है और अब यह गाना तेजी से वायरल होना शुरू हो गया है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो में संजना मिश्रा की खूबसूरत केमिस्ट्री रितेश के साथ लोगों को बेहद पसंद भी आ रही है। गाना बांसुरिया के रिलीज होने के बाद सारेगामा हम भोजपुरी के बिजनेस हेड बद्रीनाथ झा ने कहा कि रितेश पांडेय का एक और धमाकेदार सॉन्ग ऑडियंस के समक्ष है। यह गाना सबों को झूमने पर मजबूर कर देगा। इस गाने का म्यूजिक वीडियो डिस्को लाइट में शूट किया गया है, जो बेहद आकर्षक लग रहा है। बद्रीनाथ झा ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी हमने अपने ऑडियंस के लिए एक अच्छा कांटेक्ट तैयार किया है। रितेश पांडेय ने अपने इस गाने के लिए फैंस और भोजपुरी म्यूजिक लवर्स से आशीर्वाद और प्यार मांगा है। उन्होंने कहा है कि बांसुरिया मेरे सभी गानों से अलग है और यह मेरे दिल में है। इस गाने की मेकिंग का ट्रीटमेंट बॉलीवुड लेवल का है। मैं शुक्रगुजार हूं सारेगामा हम भोजपुरी का, जिनका प्रयास भोजपुरी को ऊंचाइयों तक ले जाने का है और इसके अंतर्गत वे सभी प्रतिभाशाली कलाकारों को एक शानदार मंच दे रहे हैं। रितेश पांडेय और प्रियंका सिंह के इस गाने का लिरिक्स प्रिंस सान दुबे ने लिखा है। म्यूजिक शुभम राज का है। कोरियोग्राफर प्रेम शर्मा और विक्रम पासवान हैं।

एथलीटों का हौसला बढ़ाएंगे आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना स्पेशल ओलंपिक के लिए जाने वाले एथलीटों का हौसला बढ़ाएंगे। अभिनेता का कहना है कि वह कई उत्कृष्ट लोगों से मिलने के लिए भाग्यशाली हैं। उन्होंने कहा कि मेरे जीवन में और मेरे काम के माध्यम से मुझे कई उत्कृष्ट लोगों से मिलने का सौभाग्य मिला है, जिन्होंने अपने धैर्य और दृढ़ संकल्प से दुनिया को दिखाया है कि मनुष्य के लिए महानता हासिल करने की क्षमता असीम है। आयुष्मान खुराना ने कहा कि इन कि-रश्माई व्यक्तित्वों ने दूसरों को प्रेरित करने के लिए एक मिसाल कायम की है। स्पेशल ओलंपिक के लिए भारत की टीम एक शानदार उदाहरण है। मैं इस साल बर्लिन एवं जर्मनी में होने वाले विश्व ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए इस टीम के सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पता है कि वे हम सभी को गौरवान्वित करेंगे! काम के मोर्चे पर, आयुष्मान अपनी आगामी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें अनन्या पांडे भी हैं।

'द केरल स्टोरी' में एक्ट्रेस अदा शर्मा व निर्देशक सुदीप्तो का एक्सीडेंट, ऑल इज वेल

इस समय हर तरफ फिल्म 'द केरल स्टोरी' की चर्चा हो रही है। फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसी बीच एक बुरी खबर आई है कि फिल्म की अभिनेत्री अदा शर्मा और निर्देशक सुदीप्तो सेन का एक्सीडेंट हो गया था। बताया गया कि देर रात अदा शर्मा और सुदीप्तो सेन तेलंगाना के करीमंदर में एक हिंदू तीर्थ यात्रा में भाग लेने के लिए जा रहे थे। रास्ते में उनका एक्सीडेंट हो गया। बताया गया कि हादसे में टीम के कुछ सदस्य घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके बाद अब अदा शर्मा ने ट्वीट कर इस बारे में अहम जानकारी दी है। अदा ने ट्वीट किया, "मै ठीक हूं। जैसे ही हमारे एक्सीडेंट की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई, मुझे कई मैसेज मिल रहे हैं। पूरी टीम ठीक है, हम सब ठीक हैं। चिंता की कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।" अदा शर्मा के ट्वीट से पहले सुदीप्त सेन ने कहा था कि वह किसी आपात स्थिति के चलते हिंदू यात्रा में शामिल नहीं हो पाएंगी। उन्होंने कहा, "आज हम यहां करीमनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी फिल्म के बारे में बात करने वाले थे, लेकिन कुछ स्वास्थ्य समस्या के कारण हम यात्रा नहीं कर सकते। करीमनगर के लोगों से मैं दिल से माफी मांगता हूं। हमने यह फिल्म अपनी बेटियों को बचाने के लिए बनाई है। कृपया हमें समर्थन दें।"

सूडोकु नवताल- 6432

कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6431 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्दजाल - 7179

मं	ग	ल	पां	डे	प	र	तू	ग	झ	सु	
ज	अ	ल	म	आ	भ	ग	त	सिं	ह	भा	
चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द	र	ला	ष	
ज	कु	अ	उ	बे	ला	क	ल	रि	श	चं	
स	ति	श	ध	व	दा	ल	क्ष्मी	बा	ई	द्र	
र	रं	ल	म	व	लि	र्त	अ	ती	प	बो	
दा	गा	ल	सिं	गा	प	म	श	कौ	या	स	
र	बा	जीं	ह	त	क	छ	फा	ग	श	थ	
प	स	म	हा	त्मा	गां	धी	क	शा	जू	द	
टे	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना	
ल	औ	ता	त्या	टो	पे	ग	या	दु	र	क	

शब्दजाल में दस 'स्वतंत्रता सेनानियों' के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

मंगलपांडे, भगतसिंह, तात्या टोपे, महात्मा गांधी,लक्ष्मीबाई,सुभाषचंद्र बोस,अशफाक, चन्द्रशेखर आजाद, उधमसिंह,सरदार पटेल

शब्दजाल - 7178 का हल

नी	म	गा	ई	ड	र	रे	फा	न	प	खा	
न	ल	क	प	इं	डे	श	शि	या	ड़	मो	
अ	दा	क	ला	र	ग	मा	द	प्रे	प	शी	
ती	ग	ल	म	ब	दू	औ	प	म	लि	ला	
त	स	अ	सौ	ल	जा	र	कि	पु	ला	स	
आ	इ	री	मो	व	आ	शे	त	जा	लू	पा	
ग	जी	ल	क	व	प	रा	न	री	प्र	स	
र	रि	भा	र	स	प	स	द	र	रा	वा	
को	ह	रा	ना	थ	म	ज	जी	न	खी	न	
न	ट	प	त्थ	र	के	स	न	म	प	श	
ब	बी	स	सा	ल	बा	द	त्ता	प	क	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6132

	6		1		3	4
2	33		34		30	
3	5	4		7		2
	36		32		23	6
7		5		3		
	36		34	4	31	
1		3		5		

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6 13 1 का हल

7	6	5	4	3	2	1
2	33	1	36	6	27	5
3	5	4	6	7	1	2
4	36	2	30	1	26	6
5	6	7	1	2	3	4
6	36	6	32	4	34	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

बार्सिलोना ने जीता स्पेनिश लीग ला लिगा का 27वां टाइटल : एस्पेनयोल को 4-2 से हराकर पॉइंट टेबल में 85 अंकों के साथ टॉप पर

बार्सिलोना।

स्पैनिश लीग ला लिगा में बार्सिलोना ने खेले गए मुकाबले में एस्पेनयोल को 4-2 से हराते हुए 27वीं बार खिताब जीत लिया है। बार्सिलोना के लिए रॉबर्ट लेवानडॉस्की ने दो गोल किए, जबकि अलेजांद्रो बाल्डे और जूल्स कुंडे ने टीम के लिए एक-एक गोल किए। लेवानडॉस्की ने मैच के 11वें मिनट में एलेजांद्रो बाल्डे के पास पर गोल कर टीम का खाता खोला।

नौ मिनट बाद 19 साल के एलेजांद्रो बाल्डे ने गोलकर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। उनका लीग में यह पहला गोल था। मैच के 40वें मिनट में लेवानडॉस्की ने राफिन्हा के पास को गोल में तब्दील कर टीम का तीसरा और अपना दूसरा गोल किया। इस गोल के साथ लेवानडॉस्की के लीग में 21 गोल गए। वे इस सीजन में लीग में सबसे ज्यादा गोल करने में टॉप पर पहुंच गए। 53वें मिनट में जूल्स कुंडे ने टीम के लिए चौथा गोल किया। एस्पेनयोल की ओर से जेवी पुआडो और जोसेलु ने दो गोल कर जीत के अंतर को कम किया।

एस्पेनयोल के फैंस भड़के, ग्राउंड में घुसने का प्रयास किया - इस जीत के बाद बार्सिलोना के खिलाड़ियों को एस्पेनयोल के फैंस का गुस्सा भी झेलना पड़ा। जब बर्सिलोना के खिलाड़ी जीत के बाद ग्राउंड के सेंटर पर खुशी मना रहे थे, तो कुछ फैंस ग्राउंड के अंदर घुसने का प्रयास किया और खिलाड़ियों पर अपना गुस्सा जाहिर करने की कोशिश की। तभी सुरक्षा गार्ड ने बार्सिलोना के खिलाड़ियों को सुरक्षित लॉकर रूम तक ले गए।

4 गेम शेष रहते हुए पॉइंट टेबल में टॉप पर पहुंचा - बार्सिलोना एस्पेनयोल को हराने के साथ ही 4 गेम शेष रहते ही टॉप पर पहुंच गई है। बार्सिलोना के 34 मैचों में 85 अंक हो गए हैं। वह मैड्रिड से 14 अंक से आगे हैं। रियल मैड्रिड को शनिवार को खेले गए मैच में गेटावे से 1 गोल से हार का सामना करना पड़ा था। उसके 34 मैचों में 71 पॉइंट हैं।

बार्सिलोना की यह 2019 के बाद ला लिगा में पहला खिताब - बार्सिलोना की यह 2019 के बाद ला लिगा का पहला खिताब है। 2020 में रियल मैड्रिड के बाद दूसरे स्थान पर रहा। वहीं 2021 में पर तीसरे स्थान रहा। एटलेटिको पहले और रियल मैड्रिड दूसरे स्थान पर रहा। जबकि पिछले साल रियल मैड्रिड ने खिताब अपने नाम किया था और बार्सिलोना दूसरे स्थान पर रहा।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब किंग्स के बॉलिंग कोच ज्वालामुखी मंदिर पहुंचे: मां ज्वाला से मांगा जीत का आशीर्वाद, 17-19 को राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली की टीम से मुकाबला

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री ज्वालामुखी मंदिर में सोमवार को पूर्व इंडियन क्रिकेटर, इंडियन टीम सेलेक्टर व पंजाब किंग्स इलेवन के बॉलिंग कोच सुनील जोशी ने माथा टेका। उनके साथ पंजाब किंग्स इलेवन के चीफ ऑफिसर गुप्ता भी आए। पूजा-अर्चना करके मंदिर का इतिहास जाना मंदिर के कुल पुरोहित कपिल शर्मा ने उनसे विधिवत पूजा-अर्चना करवाई और मंदिर के प्राचीन इतिहास के बारे में भी उन्हें जानकारी दी। इस मौके पर पुजारी महासभा ज्वालामुखी के उप प्रधान पूर्व क्रिकेटर कोच प्रवीण पिनू ने उन्हें मां ज्वाला का सिरोपा भेंट किया। किंग्स इलेवन पंजाब टीम के बॉलिंग कोच सुनील जोशी ने इस अवसर पर अनौपचारिक वार्ता में कहा कि मां ज्वाला की पवित्र ज्योतियों के अलौकिक दर्शन करके उन्हें मां का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है और वह मां ज्वाला के दरबार जब- जब मां का बुलावा आएगा, आते रहेंगे। उन्होंने कहा कि साक्षात ज्योति रूप में मां इस मंदिर में विराजमान हैं। देश-दुनिया के श्रद्धालु यहां दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। इस बार धर्मशाला में क्रिकेट मैच होने जा रहे हैं। ऐसे में मां ज्वाला से प्रार्थना की है कि इस बार मैच सफल हों और पंजाब किंग्स इलेवन की टीम अच्छा प्रदर्शन करे।

गुजरात टाइटंस के लिए नंबर तीन पर बैटिंग की समस्या से निपटना एक चुनौती : इरफान पठान

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 में लीग चरण का आखिरी हफ्ता शुरू हो गया है और प्लेऑफ के लिए कोई भी टीम क्वालीफाई नहीं कर पाई है। गुजरात टाइटंस की भिड़ंत सनराइजर्स हैदराबाद से होगी जो लीग चरण में उसका आखिरी घरेलू मैच होगा। हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली टीम को एसआरएच पर जीत के साथ लगातार दूसरी बार आईपीएल प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिल सकता है। भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ विजयी होने और इस सीजन में शीर्ष चार में प्रवेश करने वाली पहली टीम बनने के लिए गुजरात का समर्थन किया है। स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट पर कैफ ने कहा, एसआरएच के खिलाफ जीत के साथ गुजरात टाइटन्स प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम हो सकती है। कप्तान हार्दिक पांड्या पिछले गेम में अपने और अपनी टीम के प्रदर्शन से नाखुश दिखे और वे इस पर ध्यान देंगे। घर से बाहर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और वे इस बार घर में जीत का रिकॉर्ड सुधारना चाहेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने इस आईपीएल में जीटी बल्लेबाजी क्रम के साथ एक बड़ी समस्या पर प्रकाश डाला है। गत चैंपियन तीसरे नंबर पर एक सेट बल्लेबाज के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

18 मई को ऑस्ट्रेलिया से पहला मैच खेलेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ अपना पहला मैच 18 मई को खेलेगी। इस दौरे में भारतीय टीम पहले तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम और उसके बाद अंतिम दो मैचों में ऑस्ट्रेलियाई ए टीम से खेलेगी। ये सभी मैच एडिलेड में खेले जाएंगे। भारतीय टीम के अगले दो मैच 20 और 21 मई को होंगे। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ए से 25 और 27 मई को मैच खेलने हैं। अभी विश्व रैंकिंग में भारतीय टीम आठवें स्थान पर जबकि ऑस्ट्रेलियाई महिला हॉकी टीम तीसरे नंबर पर है। वहीं चीन में एशियाई खेल इसी साल सितंबर अक्टूबर में होंगे। भारतीय टीम के कोच यानेके शोपमैन ने इस दौरे को लेकर उत्साहित हैं उन्होंने कहा,'' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर खेलने से हमें यह पता करने में सहायता मिलेगी कि हम दुनिया की शीर्ष महिला टीमों के खिलाफ किस हाल में हैं। '' उन्होंने कहा,'' सबसे अहम बात यह है कि यह सीरीज चीन में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों को देखते हुए बेहद अहम रहेगी क्योंकि इससे हमें यह पता करने में सहायता मिलेगी कि हमें किन विभागों में सुधार और बदलाव करने की जरूरत है।

थर्ड अंपायर ही तय करेगा कैच सही है या नहीं

फील्ड अंपायर नहीं देगा सॉफ्ट सिग्नल, डब्लूटीसी फाइनल से नियम बदलेगा

दुबई।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल सॉफ्ट सिग्नल को खत्म करने जा रही है। यानी अब थर्ड अंपायर ही तय करेगा कि कैच सही है या नहीं। इसकी शुरुआत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जून से इंग्लैंड के ओवल क्रिकेट ग्राउंड पर होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से होगी।

सॉफ्ट सिग्नल क्या है

मैच के दौरान ग्राउंड अंपायर अगर कोई कैच थर्ड अंपायर के पास रेफर करता था तो उसे सॉफ्ट सिग्नल के जरिए यह बताना होता था कि उसकी अपनी राय क्या है। यानी ग्राउंड अंपायर भले ही कैच को लेकर कन्फ्यूज रहता हो, लेकिन उसे थर्ड अंपायर को यह बताना होता था कि उसकी नजर में डिसीजन आउट है या नॉटआउट।

ग्राउंड अंपायर ने सॉफ्ट सिग्नल में जो कहा है, उसे थर्ड अंपायर तब तक नहीं बदल सकता, जब तक उसके पास इसके लिए कन्क्लूसिव एविडेंस यानी निर्णय करने लायक सबूत न हो। यानी अगर थर्ड अंपायर भी श्योर नहीं है कि कैच क्लीन है या नहीं, तो इस स्थिति में ग्राउंड अंपायर के सॉफ्ट सिग्नल को ही फाइनल डिसीजन मान लिया जाता था।

क्या बदलाव किया जाएगा

सॉफ्ट सिग्नल हमेशा से क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय रहा है। सौरव गांगुली की अध्यक्षता वाली आईसीसी क्रिकेट कमेटी ने इसे खत्म करने का सुझाव दिया था। अब आईसीसी ने क्रिकेट कमेटी के सुझाव को अमल में लाते हुए सॉफ्ट सिग्नल को खत्म कर दिया है। अब फील्ड अंपायर कैच का रिव्यू लेने के

लिए अगर थर्ड अंपायर के पास रेफर करता है तो वह अपना सुझाव नहीं देगा। अब थर्ड अंपायर तकनीक के आधार पर रिव्यू कर खुद फैसला सुनाएगा और थर्ड अंपायर के फैसले को ही सही माना जाएगा।

सॉफ्ट सिग्नल को लेकर कब-कब विवाद हुआ

1. इंग्लैंड-पाकिस्तान टेस्ट: पिछले साल इंग्लैंड के पाकिस्तान दौरे पर खेले गए तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में पाकिस्तान के युवा बल्लेबाज सऊद शकील को सॉफ्ट सिग्नल के आधार पर आउट दिया गया था। इस टेस्ट में पाकिस्तान को 26 रन से हार का सामना करना पड़ा।

इस मैच में पाकिस्तान को दूसरी पारी में जीत के लिए 355 रन बनाने थे। सऊद शकील 213 गेंदों में 94 रन चुके थे। इंग्लैड के गेंदबाज मार्क वुड की एक गेंद पर शकील ने शॉट खेला जिसे वो सही से टाइम नहीं कर पाए। गेंद विकेटकीपर ओली पोप के पास गई। पोप ने डाइव मारते हुए गेंद को लपका और कैच की अपील की। फील्ड अंपायर ने इसे थर्ड अंपायर के पास रेफर करने के साथ ही सॉफ्ट सिग्नल में आउट दे दिया था।

जब रिप्ले में इसे स्लो मोशन में देखा गया तो गेंद जमीन को छूते हुए दिखाई दी। ऐसे में यह निर्णय लेना कि पोप की उंगली गेंद के नीचे थी कि नहीं, यह काफी मुश्किल था। थर्ड अंपायर ने कहा कि उसके पास कन्क्लूसिव एविडेंस नहीं है। सॉफ्ट सिग्नल के आधार पर शकील को आउट करार दिया गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर सॉफ्ट सिग्नल पर सवाल उठने लगे।

2. ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका टेस्ट: इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज के दौरान भी ऐसा देखने को मिला था। सीरीज का आखिरी मैच जो कि 4 जनवरी से 8 जनवरी के बीच खेला गया था, उसमें ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को सॉफ्ट सिग्नल के तहत कैच आउट दिया गया था। लाबुशेन का कैच स्लिप में पकड़ा गया, तब कैच को लेकर डाउट था।

फील्ड अंपायर ने इसे सॉफ्ट सिग्नल के आधार पर आउट करार दिया था, लेकिन जब थर्ड अंपायर ने तकनीकी हेल्प से इस कैच को देखने के बाद नॉटआउट दिया तो उसके पास कन्क्लूसिव एविडेंस था।

उस समय इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी सॉफ्ट सिग्नल को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था कि आईसीसी को सॉफ्ट सिग्नल को खत्म कर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर थर्ड अंपायर को ही सही फैसला लेने की इजाजत देना चाहिए।

क्या आईसीसी ने नियमों में कोई और बदलाव किया है

आईसीसी सॉफ्ट सिग्नल खत्म करने के अलावा कुछ और भी बदलाव करने जा रही है। डब्लूटीसी फाइनल के दौरान दिन का ओवर पूरा नहीं होने तक नेचुरल रोशनी में कोई दिक्कत आ रही है तो अंपायर फ्लड लाइट्स ऑन करा सकता है।

गावस्कर ने अपनी शर्ट पर धोनी से ऑटोग्राफ लिया

चेन्नई।

इंडियन प्रीमियर लीग में आखिरी मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया। चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई के आखिरी लीग मैच के बाद महेंद्र सिंह धोनी और चेन्नई टीम ने दर्शकों को जर्सी और टेनिस की बॉल बांटी। मैच के बाद सुनील गावस्कर और रिंकू सिंह ने धोनी से ऑटोग्राफ लिया।

आईपीएल का 16वां सीजन खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस से ज्यादा अब तक स्टार खिलाड़ियों के बीच इगो क्लैश, तू तू-मैं मैं, छींटाकशी, स्लेजिंग, तनातनी और जूता दिखाने जैसे आरोपों के लिए ज्यादा चर्चित रहा। इस बीच रविवार को सुनील गावस्कर और महेंद्र सिंह धोनी एक फ्रेम में आए और कुछ ही पल में जो कहानी बन गई, वो भी अरसे तक याद की जाएगी। इसे याद रखना और बार-बार दुहराना क्रिकेट और आईपीएल के लिए भी अच्छा है। दरअसल डबल हेडर का दूसरा मैच चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच चेन्नई के चेपक स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में कोलकाता ने चेन्नई को हराकर प्ले ऑफ में अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। यह चेपक स्टेडियम में आईपीएल के 16वें सीजन का आखिरी मैच था। मैच के बाद चेन्नई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी जर्सी और टेनिस बॉल दर्शकों को बांट कर उनका शुक्रिया अदा कर रहे थे। इसी बीच कमेंटेटर और पूर्व खिलाड़ी सुनील गावस्कर वहां आए और धोनी से कुछ बात करने लगे। उसके बाद उन्होंने अपनी टी शर्ट की तरफ इशारा कर धोनी से ऑटोग्राफ देने के लिए कहा। धोनी ने उनकी टी शर्ट पर माही लिखा।

गावस्कर को जेंटलमैन्स गेम के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर के तौर पर देखा जाता है। वे टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार बनाने वाले पहले क्रिकेटर रहे हैं। वहीं उन्होंने अपने करियर में कभी भी अंपायर के फैसले पर उंगली नहीं उठाई। कहा जाता है कि गावस्कर आउट होने के बाद खुद ही पवेलियन लौट जाते थे। जबकि धोनी को कूल कप्तान के तौर पर भी जाना जाता है।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए 24 सदस्यीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली।

हॉकी इंडिया ने यूरोप में 26 मई से शुरू हो रही एफआईएच हॉकी प्रो लीग के अगले चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। घर में प्रतिष्ठित लीग मैचों में अपने पिछले आउटिंग में, भारत विश्व चैंपियन जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अजेय रहा, जिससे उसे अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचने में मदद मिली। यूरोप में, वे अपनी जीत की गति को जारी रखने की उम्मीद करेंगे। लंदन में वे मजबूत बेल्जियम और ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेंगे और उसके बाद नीदरलैंड और अर्जेंटीना के खिलाफ आइंडहोवन, नीदरलैंड में मैच खेलेंगे। नवनियुक्त मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के नेतृत्व में टीम का यह पहला दौरा होगा, जबकि टीम का नेतृत्व कुशल ड्रैगफ्लिकर और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह करेंगे और उपकप्तानी शानदार मिडफील्डर हार्दिक सिंह करेंगे। टीम में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक हैं। वह अपनी शादी के कारण घरेलू मैचों में नहीं खेल पाने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। उनके साथ गोलपोस्ट में पीआर श्रीजेश शामिल होंगे, जबकि डिफेंडरों की सूची में हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, संजय और मनदीप मोर के रूप में पांच पेनल्टी कार्नर विशेषज्ञ शामिल हैं। मनप्रीत सिंह एक नई भूमिका में नजर आएंगे। सुमित के साथ भारत की बैकलाइन में खेलते हुए और गुरिंदर सिंह को भी बैकलाइन में नामित किया गया है। मिडफील्ड का नेतृत्व उप कप्तान हार्दिक सिंह के साथ-साथ दिलप्रीत सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, आकाशदीप सिंह और विवेक सागर प्रसाद करेंगे।

भारत की फॉरवर्ड लाइन में सिमरनजीत सिंह की वापसी देखी जा रही है, जो आखिरी बार एशिया कप जकार्ता में भारत के लिए खेले थे, लेकिन चोट के कारण उन्हें बीच में ही स्वदेश लौटना पड़ा था। उनके साथ अभिषेक, ललित कुमार उपाध्याय, एस कार्थी, गुरजंट सिंह, सुखजीत सिंह, राज कुमार पाल और मनदीप सिंह जैसे अनुभवी और युवा स्ट्राइकरों का अच्छा मिश्रण होगा। टीम चयन के बारे में बात करते हुए, मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, बेल्जियम, हॉलैंड, ग्रेट ब्रिटेन और अर्जेंटीना के खिलाफ आगामी प्रो लीग टूर्नामेंट के लिए हमने जो टीम चुनी है, उससे मैं खुश हूं। हमारी मौजूदा विश्व रैंकिंग चौथी है, जो टीम की कड़ी मेहनत को दर्शाती है। यह टूर्नामेंट हमारे लिए शीर्ष क्रम की टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने और अपने समग्र खेल में और सुधार करने का एक शानदार अवसर होगा। हम चुनौती के लिए तत्पर हैं और प्रो लीग टूर्नामेंट के लिए एक मजबूत अंत की उम्मीद करते हैं।

भारतीय पुरुष टीम:

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश

डिफेंडर: हरमनप्रीत सिंह (उ), अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, मनदीप मोर, गुरिंदर सिंह।

जंतर-मंतर पर बैठे पहलवानों का खुलासा : कहा- बीती रात धरने को खराब करने आए अज्ञात लोग, फोटो-वीडियो खींची; विरोध करने पर भागे

पानीपत।

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे पहलवानों का 23वां दिन है। पहलवानों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि बीती रात उनके धरने को खराब करने की कोशिश की गई। कुछ बाहरी लोग लगातार धरना स्थल के पास सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि बीती रात कुछ अज्ञात व्यक्ति यहां आए और हमारी फोटो-वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। मना करने पर ये सब चीजे चोरी-छुपके खींची गई है। धरना स्थल पर महिला खिलाड़ियों के साथ कुछ बाहरी महिलाओं ने सोने की कोशिश की है। किसी तरह हमने मना कर उन्हें बाहर निकाला। दिल्ली पुलिस इस बात की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहती है। इसीलिए मीडिया यहां रहे, ताकि पिछली बार की तरह कोई बात हो तो वह बात तत्काल देशवासियों के सामने आ जाए।

धरने को देंगे अंतरराष्ट्रीय रूप

साक्षी मलिक ने कहा कि अब यह आंदोलन सिर्फ जंतर-मंतर तक सीमित नहीं

रहेगा। क्योंकि जंतर-मंतर को धीरे-धीरे पुलिस ने जेल का रूप दे दिया है। अब ये आवाज देश की गली-गली में तो गूंजेगी ही, बल्कि विदेशों में इसकी लहर दौड़ेगी। विदेशों में जो भी एथलीट हैं। अधिकांश हमारे संपर्क में हैं। दिल्ली के कनॉट प्लेस पर खिलाड़ी जाएंगे और लोगों से अपनी बात करेंगे। इससे पहले धरने में पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह पहुंचे। जहां पहुंच कर उन्होंने खिलाड़ियों का समर्थन किया। साथ ही उन्होंने पहलवानों की बात सुनी। गत दिनों धरने में उनके बेटे हिसार के भाजपा सांसद बृजेंद्र सिंह पहुंचे थे और उन्होंने भी खिलाड़ियों का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि यह सत्याग्रह अब बड़ा रूप ले रहा है। सरकार को इस ओर जल्द ध्यान देना चाहिए। इधर, बृजभूषण शरण सिंह ने धरना स्थल के नजदीक अपने सरकारी आवास पर अपने अजीज लोगों से मिलने का समय निर्धारित किया है। साथ ही वहां जन सुनवाई भी की जा रही है। बृजभूषण अपने ऊपर लगे आरोपों को पुलिस को दर्ज करवाए गए बयानों में भी नकार चुका है।

भाजपा सांसदों को लिखा बनें उनकी आवाज

पहलवानों की ओर से केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी समेत 43 भाजपा सांसदों को लिखा गया है कि सत्ता पक्षा की महिला सांसद होने के नाते उन्हें उनसे काफी उम्मीदें हैं। वे उनसे उनकी सहायता करने और उनकी आवाज बनने के साथ उनका सम्मान बचाने की प्रार्थना कर रही हैं। महिला पहलवानों ने भाजपा की महिला सांसदों को अंत में लिखा है कि वे अपना समय निकालकर जंतर-मंतर पर आएं और उन्हें रास्ता दिखाएं। विनेश ने कहा कि वे साथी पहलवानों के जरिए इस पत्र को उनके घरों तक पहुंचाएंगी।

अनुराग ठाकुर ने सुनी लोगों की समस्याएं

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल पर दिया जोर

हमीरपुर।

केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल व युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने भोरंज, हमीरपुर व सुजानपुर विधानसभाओं के भुक्कर, पट्टा, पांडवी व चौकी में विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत जनसंवाद कर जन समस्याओं की सुनवाई की। इस दौरान अनुराग ठाकुर ने युवाओं में बढ़ते नशे के चलन को रोकने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए खेल मैदान के निर्माण किए जाने की बात कही है।

अनुराग ठाकुर ने कहा युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है और केंद्र की मोदी सरकार युवाओं के कल्याण व उनके सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चला रही है। पिछले कई वर्षों से नशा हिमाचल के युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है और खेल युवाओं को नशे से दूर रखने में मददगार साबित हो रहा है। युवशक्ति की ऊर्जा के सही इस्तेमाल के लिए हमारा जोर है कि ज़्यादा से यादा खेल मैदानों का निर्माण हो ताकि युवा अपना दम-ख़म खेलों में दिखा कर नशे से दूर रह सकें।

ठाकुर ने कहा मैं लगातार अपने क्षेत्र में रहता हूं। पिछले महीने भी था और अभी भी हूं ताकि जन समस्याओं को सुनकर उनका समाधान किया जा सके। अभी क्षेत्र में पानी की समस्या है। सरकार लोगों को पानी देने में असमर्थ है। ठाकुर ने अपने संसदीय दौरे की जानकारी देते हुए कहा कि इस दौरे का मुख्य उद्देश्य जन समस्याओं को सुनकर उनका हर संभव निराकरण करना है। उन्होंने कहा इसके साथ ही हम मोदी सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचा रहे हैं।

1500 रूपये प्रति माह का इंतजार - अनुराग ठाकुर ने आगे हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार के चुनावी वादों पर चुटकी लेते हुए कहा कि हमारी माताएं बहने अभी तक अपने खाते में 1500 रुपये प्रति माह का इंतजार कर रही हैं। अब तक उनके खाते में 10 हजार रुपये हो जाने चाहिए थे जो नहीं आए। उन्होंने कहा अभी तो उतनी गर्मी नहीं पड़ी है

तब पानी के लिए इतना हाहाकार है। लोगों के घरों में नल तो है पर उसमें पानी नहीं आ रहा। हम लगातार अधिकारियों के साथ सामंजस्य बिठाकर लोगों की समस्याओं का हल निकालने के लिए तत्पर हैं। इस नई सरकार आने के बाद लोगों की समस्याएं कम होने की बजाय बढ़ गई हैं।

6 महीनों में विकास ठप हो गया - ठाकुर ने कहा की डबल इंजन की सरकार में हिमाचल प्रदेश ने विकास के बहुआयामी लक्ष्य प्राप्त किए। अब यह कांग्रेस पार्टी पर है कि वह इस विकास की गति को और आगे बढ़ाएं। पिछले 6 महीनों में विकास पूरी तरह ठप हो गया है। जनता को लग रहा है कि विकास के ऊपर ग्रहण लग चुका है। नए योजनाओं के लिए पैसे दूर की बात है पुरानी योजनाओं के पैसे भी यह सरकार नहीं दे पा रही है। कर्नाटक में भी अगर हिमाचल प्रदेश वाला मॉडल कांग्रेस अपनाती है तो लोगों का लोकतंत्र से विश्वास उठने का कारण बनेगा।

महिलाओं को विकास के लिए तत्पर केंद्र - अनुराग ठाकुर ने बताया कि केंद्र सरकार ने महिलाओं के विकास के लिए कई योजनाएं चलाई है। उन्होंने बताया कि 9 करोड़ 60 लाख परिवारों को निशुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध करवाया गया और कोरोना काल के दौरान 3 अतिरिक्त सिलेंडर उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने बताया कि सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत 9 लाख लोगो को घर द्वार जाकर स्वास्थ्य सेवाए उपलब्ध करवाई गई है। मोबाइल स्वास्थ्य सेवा स्वास्थ्य की सभी आधुनिक जांच सुविधाओं, आवश्यक दवाओं, नर्स और डॉक्टर से लैस रहती है और लोगों का निशुल्क स्वास्थ्य जांच किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में ही सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा एम्बुलेंस में 100 से अधिक महिलाओं रोजगार मिला है।

नरचौक फोरलेन को खोलने का किया गया है अनुरोध - उन्होंने कहा कि कीरतपुर से नरचौक फोरलेन को 1 महीने तक के लिए ट्रायल बेसिस पर खोलने का अनुरोध केंद्रीय परिवहन मंत्री से किया गया है ताकि इस मार्ग पर पेश आने वाली कमियों में सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि किरतपुर से नेरचौक का सफर 87 किलोमीटर से घटकर 57 किलोमीटर रह जाएगा और मात्र 40 मिनट में यह दूरी तय होगी जिससे क्षेत्र के सभी लोगों को बेहतर यातायात की सुविधा मिलेगी लोगों के पैसे के साथ समय की भी बचत होगी और ईंधन की खपत भी कम होगी ।

इंसान की कीमत...

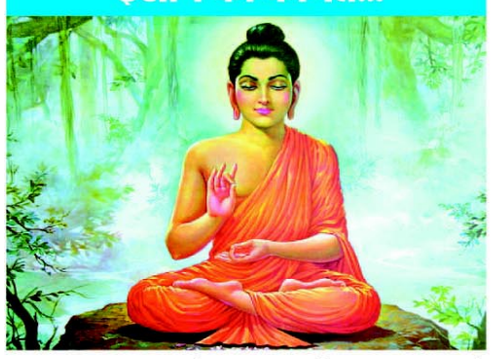

एक बार एक आदमी महात्मा बुद्ध के पास पहुंचा। उसने पूछा, ''प्रभु, मुझे यह जीवन क्यों मिला? इतनी बड़ी दुनिया में मेरी क्या कीमत है? बुद्ध उसकी बात सुनकर मुस्कुराए और उसे एक चमकीला पत्थर देते हुए बोले, ''जाओ, पहले इस पत्थर का मूल्य पता करके आओ। पर ध्यान रहे, इसे बेचना नहीं, सिर्फ मूल्य पता करना है।'' वह आदमी उस पत्थर को लेकर एक आम वाले के पास पहुंचा और उसे पत्थर दिखाते हुए बोला, ''इसकी कीमत क्या होगी? आम वाला पत्थर की चमक देखकर समझ गया कि अवश्य ही यह कोई कीमती पत्थर है लेकिन वह बनावटी आवाज में बोला, ''देखने में तो कुछ खास नहीं लगता, पर मैं इसके बदले 10 आम दे सकता हूं।'' वह आदमी आगे बढ़ गया। सामने एक सब्जी वाला था। उसने उससे पत्थर का दाम पूछा। सब्जी वाला बोला, ''मैं इस पत्थर के बदले एक बोरी आलू दे सकता हूं।'' आदमी आगे चल पड़ा। उसे लगा पत्थर कीमती है, किसी जौहरी से इसकी कीमत पता करनी चाहिए। वह एक जौहरी की दुकान पर पहुंचा और उसकी कीमत पूछी। जौहरी उसे देखते ही पहचान गया कि यह बेशकीमती रूबी पत्थर है, जो किस्मत वाले को मिलता है। वह बोला, ''पत्थर मुझे दे दो और मुझसे 1 लाख रु. ले लो।'' उस आदमी को अब तक पत्थर की कीमत का अंदाजा हो गया था। वह बुद्ध के पास लौटने के लिए मुड़ा। जौहरी उसे रोकते हुए बोला, ''अरे रुको तो भाई, मैं इसके 50 लाख दे सकता हूं।'' लेकिन वह आदमी फिर भी नहीं रुका। जौहरी किसी कीमत पर उस पत्थर को अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहता था, वह उछल कर उसके आगे आ गया और हाथ जोड़ कर बोला, ''तुम यह पत्थर मुझे दे दो, मैं 1 करोड़ रुपए देने को तैयार हूं।'' वह आदमी जौहरी से पीछा छुड़ा कर जाने लगा। जौहरी ने पीछे से अवाज लगाई, ''ये बेशकीमती पत्थर है, अनमोल है। तुम जितने पैसे कहोगे, मैं दे दूंगा।'' यह सुनकर वह आदमी हैरान-परेशान हो गया। वह सीधा बुद्ध के पास पहुंचा और उन्हें पत्थर वापस करते हुए सारी बात कह सुनाई। बुद्ध मुस्कुरा कर बोले, ''आम वाले ने इसकी कीमत '10 आम लगाई', सब्जी वाले ने 'एक बोरी आलू' और जौहरी ने बताया कि 'अनमोल' है। इस पत्थर के गुण जिसने जितने समझे, उसने उसकी उतनी कीमत लगाई। ऐसे ही यह जीवन है। हर आदमी एक हीरे के समान है। दुनिया उसे जितना पहचान पाती है, उसे उतनी महत्ता देती है ...लेकिन आदमी और हीरे में एक फर्क यह है कि हीरे को कोई दूसरा तराशता है और आदमी को खुद अपने आपको तराशना पड़ता है। ...तुम भी अपने आपको तराश कर अपनी चमक बिखेरो।

कभी गरीबी नहीं आएगी...

धनी बनने की चाहत भला किसके मन में नहीं होती। पैसा व्यक्ति की पावर होता है। इसके अभाव में जीवन यापन करना असंभव है लेकिन कुछ लोगों की इच्छा होती है, साईं इतना दीजिए, जामे कुटुब समाए... धर्म पुराणों में कहा गया है जो लोग मेहनती होते हैं उन पर सदा लक्ष्मी मेहरबान बनी रहती हैं। घर में धन-संपति के द्वार खुले रहें यह तभी संभव है जब कुछ खास किया जाए। जिस घर में आदित्य मंत्र का उच्चारण किया जाता है उस घर-परिवार में एक हजार वर्ष तक गरीबी नहीं आती। तन, मन और धन से समृद्धि बनी रहती है। यह मंत्र इस प्रकार है- जन्मान्तर सहस्त्रेषु, दारिद्रयं नोपजायते। सुबह उठकर नित्य कामों से निवृत होकर शुद्ध वस्त्र पहनकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके बैठ जाएं फिर इस मंत्र का जाप करें। अन्य उपाय करना चाहें तो मां अपने हाथों से चावल का एक दाना या चांदी का टुकड़ा अपनी संतान को भेंट स्वरूप दे। संतान इसे संभाल कर रखे धन संबंधित कोई भी समस्या जीवन में कभी सिर नहीं उठाएगी।

नार्सिसिज्म...आधुनिक महामारी

नार्सिसिज्म या आत्ममुग्धता इंसानों की एक ऐसी प्रवृत्ति है जिसपर सदियों से बहस चल रही है। हालाकि अब समाज विज्ञानियों ने निष्कर्ष निकाला है कि यह प्रवृत्ति दरअसल आधुनिक 'महामारी' में तब्दील हो सकती है। अब सवाल है कि आज के दौर में यह स्थिति कैसे बनी और क्या इससे बचा जाए?

नॉरसिस्ट शब्द एक ग्रीक कथा पर आधारित है। इस शब्द की उत्पत्ति तकरीबन 2000 साल पुरानी है। उस समय ग्रीस के साहित्यकार ओविड ने अपनी रचना लीजेंड ऑफ नार्सिसस में एक खूबसूरत शिकारी नॉरसिस्ट की कहानी लिखी थी जो एक दिन पानी के सोते में अपना प्रतिबिंब देख लेता है और उसके प्यार में पड़ जाता है। यह शिकारी अपनी ही खूबसूरत छवि से इस कदर मुग्ध होता है कि उसके असर से बाहर नहीं निकल पाता। वह अपनी छवि को देखने में इस कदर मोहित होता है कि अपनी छवि को निहारते-निहारते वह उस झील में गिरकर मर जाता है। जहां उसकी मौत होती है वहां एक फूल खिलता है जिसे नार्सिसस कहा जाता है। इसी से नार्सिसिज्म शब्द की उत्पत्ति हुई है। नार्सिसिज्म उस समय दिक्कत बन जाता है जब लोग आत्मकेंद्रित होने लगते हैं। दूसरों की भावनाओं के प्रति असंवेदनशील होते हुए अपनी ज्यादा से ज्यादा तारीफ और स्वीकार्यता इसी तरह के नार्सिसिज्म का लक्षण है। दरअसल, हम सब किसी न किसी तरह इस नॉरसिज्म के भयावह रोग से ग्रस्त हैं और अपना सारा जीवन एक ऐसे आभामंडल के निर्माण में गुजार देते हैं जिसकी रोशनी के तले हम हमेशा चमकदार नजर आते रहे। अपने इस आभामंडल की रचना में हम वे सारे प्रयास करते हैं जो हमारे वश में होते हैं। हमारी शिक्षा-दीक्षा, हमारी पद-प्रतिष्ठा, हमारे रिश्ते-नाते, रहन-सहन, खान-पान, उत्सव आदि तमाम चीजें सिर्फ और सिर्फ अपने आभामंडल की रोशनी को अति चमक प्रदान करने के जतन मात्र होते हैं और अगर इन तमाम प्रयत्नों के बाबजूद यदि ऐसे आभामण्डल की रचना में हम नाकाम होते हैं तो झूठ-फरेब, छल-कपट, लाग-लपेट या अपने बड़बोलेपन से एक भ्रम के आभामंडल को अधिक कीर्ति प्रदान करने के जतन करते हैं। यदि इतना करने पर भी हम हमारे वांछित लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाते तो हमें अपने आगोश में लेता है अवसाद...और जीवन उद्देश्यरहित और बोझिल जान पड़ता है। नार्सिसिज्म के कई स्तर हैं जहां यह स्वास्थ्यप्रद होने के साथ-साथ भयंकर बीमारी भी हो सकता है। स्वास्थ्यप्रद नार्सिसिज्म आम इंसानी जीवन में पाया जाता है। लोगों का खुद से प्यार करना, वास्तविक उपलब्धियों के दम पर उनमें आत्मविश्वास आना, किसी तरह के दुःख से उबरने की क्षमता और सामाजिक संबंधों से खुद को ताकतवर समझने की भावना स्वास्थ्यप्रद नार्सिसिज्म के अंतर्गत आते हैं। नार्सिसिज्म उस समय दिक्कत बन जाता है जब लोग आत्मकेंद्रित होने लगते हैं।

चरित्र की रक्षा अहम

संपत्तिकृत अंधी आत्ममुग्धता के चलते इंसान यह बात भूल गया है कि हमें सिर्फ अपने चरित्र की रक्षा करनी चाहिए। उस चरित्र के प्रताप से पैदा प्रतिष्ठा हमारी रक्षा अपने आप कर लेती है। कितना कुछ कहा जा रहा है, कितने आयोजन-नियोजन किए जा रहे हैं, रिश्तों के हजारों लिबास हम ओढ़ते जा रहे हैं, बुद्धि और मन के अंर्तद्वद्व से निरंतर काफी कुछ निकलकर बाहर आ रहा है, लेकिन ये सारी चीजें मिल कर सिर्फ उस भ्रम के आभामंडल को आकार देने में ही व्यस्त हैं। लोग स्वयं अपने दुर्भावों और दुराचारों से अगर परेशान भी हैं तब भी वे अपने उस आभामंडल को चमकदार साबित करने के जतन में ही लगे हुए हैं। उनकी अंधी आत्ममुग्धता उन्हें उनका ही यथार्थ नहीं देखने देती। ऐसा लगता है इस चमक-दमक के युग में सिर्फ लोगों के जिस्म की बाहरी दीवारों पर डिस्टेंपर पोत दिया गया है। रूह की अंदरूनी दीवारों की परतें या तो उधड़ चुकी हैं या फिर उनपे दीमक लग गई है। हाथी के सिर्फ दिखाने वाले दांतों की ही सत्ता स्वीकृत है उसके चबाने वाले दांतों की हस्ती से ही इंकार कर दिया गया है और सभी उन दिखाने वाले दांतों को ही चमकदार बनाने के जतन में लगे हैं।

समाज में व्यक्तिवाद

नार्सिसिज्म के सिद्धांत को मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड ने लोकप्रियता दिलाई थी। 'ईगो' और बाहरी दुनिया से उसके संबंध की व्याख्या के जरिए फ्रायड ने नार्सिसिज्म के सिद्धांत को समझाया था। यह व्याख्या नार्सिसिज्म से संबंधित दूसरे सिद्धांतों के विकास की बुनियाद कही जा सकती है। समाज विज्ञानियों का मानना है कि औद्योगीकरण के बाद विकसित हुए समाज में तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। बीते दशकों में समाज लगातार सामुदायिकता से व्यक्तिवाद की तरफ बढ़ा है और इसके कारण नार्सिसिज्म 'आधुनिक महामारी' बन रहा है। इन सामाजिक बदलावों ने लोगों में यह भावना भर दी है कि खुद को तवज्जो देना सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों में आत्मविश्वास भरने के लिए उनके शिक्षक और अभिभावक हमेशा यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि वे कितने खास और सबसे अलग हैं। बच्चों के अपने दम पर कड़ी मेहनत से उपलब्धियां हासिल करने और उसके बूते आत्मविश्वास हासिल करने के पहले ही अभिभावक उनमें जबर्दस्ती आत्मविश्वास भरने की कोशिश करने लगे हैं। समाज में व्यक्तिवाद के बढ़ने और उसके आधुनिक होने की प्रक्रिया में किसी व्यक्ति को अपने समाज या समुदाय से वैसा सहारा नहीं मिल पाता जैसा पहले मिला करता था। जबकि शोध बताते हैं कि सामाजिक संबंधों या अपने समुदाय या दोस्तों से जुड़ा रहना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। वहीं दूसरी तरफ समाज के आधुनिक होने की प्रक्रिया के दौरान सामाजिक प्रतिष्ठा, धन-दौलत और सेलिब्रिटी स्टेटस को सब बातों से ऊपर दर्जा दिया जाने लगा है।

समता भाव जरूरी

जीवन में हर किसी को अपने आभामंडल के टूटने का दंश सहना पड़ता है और जितना बड़ा इस आभामंडल का रूप होगा, उतना ही गहरा इसके टूटने से पैदा होने वाला अवसाद होगा। जैनदर्शन की वीतरागता, गीता की स्थितप्रज्ञ की संकल्पना या ओशो की संबुद्धि यूं तो एक-दूसरे से काफी विरोधाभास लिए हुए हैं किंतु तीनों ही एक बात की सर्वसामान्य ढंग से पुष्टि करते हैं वह है अनुकूल या प्रतिकूल परिस्थितियों में समता भाव का होना। लेकिन यही साम्यभाव व्यक्ति अपने जीवनकाल में हासिल नहीं कर पाता। तनिक सी उत्तम परिस्थितियां उसे अहंकार के आगोश में इतना ऊपर उठा देती हैं कि वो अपने यथार्थ से कोसों दूर चला जाता है और तनिक सी विषम परिस्थितियां उसे इस कदर खेद-खिन्नता से भर देती हैं कि वो अपने प्राणांत करने से भी नहीं हिचकता।

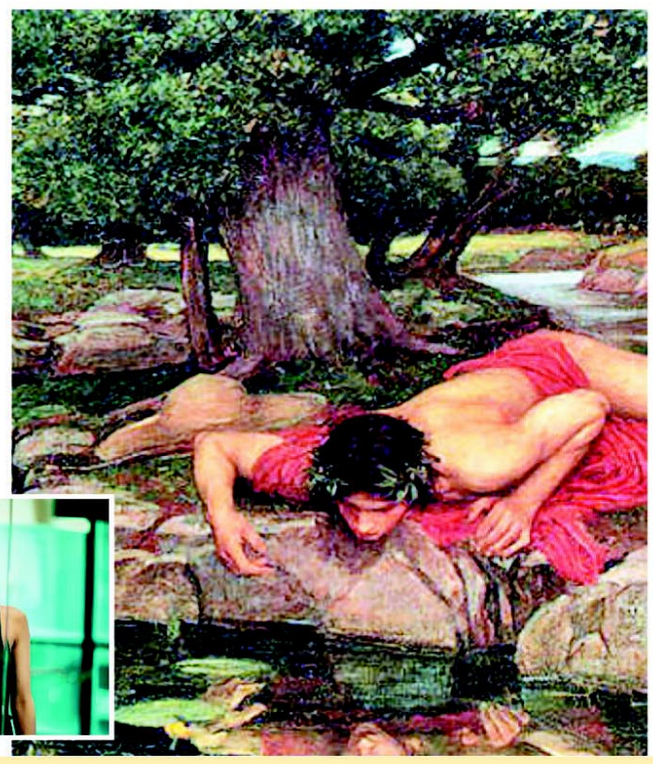

बाहरी आडंबर

निंदा की गर्म हवाओं से मनुष्य को क्रोध की लू लग जाती है और प्रशंसा की ठंडी हवाओं से उसे अभिमान का जुकाम हो जाता है। इन दोनों ही परिस्थितियों में स्वास्थ्य का ह्रास होता होता है। निश्चित तौर पर स्वयं से हमें प्रेम करना चाहिए किंतु उस प्रेम का ग्राफ इस कदर अंधता ग्रसित न हो जाए कि हमें हमारे आसपास किसी चीज की हस्ती नजर आना ही बंद हो जाए। आत्मविश्वास और अहंकार में एक बाल बराबर का ही फर्क होता है। अपनी आत्मिक हस्ती की स्वीकृति या अपने वास्तविक आत्मबल की पहचान से आत्मविश्वास पैदा होता है। इसके अलावा अन्य बाहरी किसी भी आडंबर की प्राप्ति सिर्फ अहंकार को जन्म देती है। चाहे वह रुपया-पैसा हों, चाहे रूप-लावण्य हो या फिर पद-प्रतिष्ठा। इन तमाम चीजों की उपलब्धि में हमें यह बात नहीं भूलना चाहिए कि इनसे निर्मित आभामंडल चाहे कितना भी चमकदार क्यों न हो पर वह निश्चित ही नष्ट होगा और उसमें अवश्यंभावी परिवर्तन होगा। किंतु यही परिवर्तन, जड़ और तुच्छ पदार्थ एक भ्रम का आभामंडल, मिथ्या अहंकार और अंधी आत्ममुग्धता को जन्म देते हैं।

मान-प्रतिष्ठा का पैमाना

मान-प्रतिष्ठा को इस कदर तवज्जों दे दी गई है कि उसके समक्ष तमाम संस्कार, मर्यादाएं, चारित्रिक उज्ज्वलता किसी गर्त में फेंक दिए गए हैं और आज मान-प्रतिष्ठा का पैमाना भी सिर्फ पैसे पर केन्द्रित हो गया है। इस चकाचौंध युक्त वातावरण में मानवीयता की बात ही दुर्लभ है तो फिर दैवीयता की बात कैसे की जा सकती है? जब से हमने प्रतिष्ठा को बाजारू बना दिया है बस तभी से इस अमूल्य वस्तु का मोल बड़ा तुच्छ हो गया है क्योंकि तुच्छ वस्तुओं के ही भाव बढ़ते हैं। महान चीजें तो प्रायः अमूल्य ही होती हैं। आज इंसान बड़ा आदमी कहलाना पसंद करता है बजाय कि भला आदमी कहलाने के।

मुमकिन है इलाज

आज पूरी दुनिया में तकरीबन 94 करोड़ लोग फेसबुक के यूजर हैं। हाल ही में हुए कुछ अध्ययन बताते हैं कि फेसबुक की लत का आत्मविश्वास में कमी और नार्सिसिज्म से गहरा संबंध है। इंटरनेट के विकास और खासकर सोशल नेटवर्किंग साइटों की लोकप्रियता हमारे सामाजिक व्यवहार पर बड़ा असर डाल रही है। इनकी वजह से हमारे संवाद के तौर-तरीके बदले हैं। फुरसत का समय हम इन पर बिताने लगे हैं। नार्सिसिज्म पर्सनेलिटी डिसऑर्डर का इलाज मुमकिन है। इसमें दवाओं के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक उपचार भी शामिल है। ध्यान की क्रियाएं भी मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए कारगर साबित होती हैं। इसके अलावा हमें यह भी समझने की जरूरत है कि आत्ममुग्धता के लिए हम जो चीजें चाहते हैं क्या वे वास्तव में हमारी खुशी के लिए जरूरी हैं। हॉवर्ड के मनोवैज्ञानिकों द्वारा 75 साल तक किए गए एक शोध के मुताबिक खुशी पैसे और प्रतिष्ठा से नहीं आती बल्कि इसकी बुनियाद में वे सामाजिक संबंध होते हैं जो आपका सहारा हैं। यही वह सूत्र है जो हमारी सभ्यता को नार्सिसिज्म की महामारी से बचा सकता है।

बच्चों में कार सिकनेस...

असल में कार सिकनेस एक तरह की मोशन सिकनेस ही है। यह तब पैदा होती है जब दिमाग को इनर इयर, आंखों और नर्व्स से मिलने वाली सूचनाओं में गड़बड़ होने लगती है। इसके चलते दिमाग तक यह सूचनाएं सही तरीके से नहीं पहुंच पातीं। यही कारण बनता है कार सिकनेस का। इसे इस तरह समझा जा सकता है कि जब कार में पिछली सीट पर टिक कर या अधोलेटी अवस्था में बैठा एक बच्चा वीडियो

गेम खेल रहा होता है या किसी खिलौने से खेल रहा होता है तो उसका सिर कार की खिड़की से नीचे होता है और वह बाहर नहीं देख सकता। इस स्थिति में उसका इनर इयर तो गति को महसूस कर सकता है लेकिन उसकी आंखें तथा ज्वाइंट्स इस गति को नहीं महसूसते। ऐसे में दिमाग को परस्पर विरोधाभासी संदेश जाते हैं और वह असमंजस में पड़ जाता है जिससे कार सिकनेस पैदा होने लगती है। यह समस्या 2 से 12 साल के बच्चों को अधिक होती है। जबकि इससे नीचे की उम्र के बच्चों को यह समस्या कम होती है।

कार सिकनेस के लक्षण

- पेट का खराब होना
- ठंडा पसीना आना
- उल्टी-दस्त
- भूख का कम होना
- थकान होना
- कुछ केसेस में हल्का बुखार या बदन दर्द

ये उपाय अपनाएं

कोशिश करें कि सफर के दौरान बच्चा झपकी ले सके। इससे वह तकलीफ से काफी हद तक बच पाएगा। बच्चे को कार के बाहर के दृश्य देखने को प्रेरित करें। इसके लिए आप उसे बाहर की वस्तुओं को देखकर पेंटिंग करने या कोई कहानी बनाने का टास्क दे सकते हैं, इससे वह बाहर देखे और फिर घर जाकर टास्क पूरा करें। इससे उसका दिमाग व्यस्त भी रहेगा और असमंजस में भी नहीं घिर पाएगा सफर के बिलकुल पहले यानी चलते समय या सफर के दौरान बच्चे को खाना न खिलाएं। खासकर गरिष्ठ भोजन से बचें। यदि सफर के दौरान बच्चे को भूख लगती है तो उसे कम मात्रा में कोई हल्का नाश्ता जैसे बिस्किट और कोई सामान्य पेय दें। सोडा युक्त पेय से बचें। कोशिश करें कि कार के भीतर ताजी हवा आ सके और कार के भीतर किसी किस्म की दुर्गन्ध लंबे समय तक न रहे। अगर बच्चे को यह परेशानी बार-बार होती है तो डॉक्टर की सलाह से दवाएं अपने साथ रखें और कोशिश करें कि लंबे सफर के बीच आप छोटे-छोटे ब्रेक लेते रहें। बच्चे का ध्यान तकलीफ की तरफ से हटाए रखें। इससे भी बहुत लाभ मिल सकता है।

नींद की कमी पड़ सकती है सेहत पर भारी, अपनाएं ये 4 आसान उपाय

खानपान की लापरवाही, बिजी लाइफस्टाइल और गैजेट्स से प्यार जैसी आदतों का सीधा असर हमारी नींद पर पड़ता है। रात को देर तक जगे रहने से सुबह थकान और कमजोरी बनी रहती है। हेल्थ पर भी इसका बहुत बुरा असर पड़ता है। जानते हैं ऐसे कुछ तरीके, जिनसे आप रात में भरपूर नींद पा सकते हैं।

शेड्यूल बनाएं

सोने का एक शेड्यूल बनाएं, जब तक एक पैटर्न के हिसाब से रुटीन में बदलाव नहीं करेंगे, तब तक समय से सो नहीं पाएंगे। सोने और जागने का टाइम बनाएं और उसके हिसाब से अपना शेड्यूल बनाएं। शुरूआत में मुश्किल हो सकती है, लेकिन कुछ समय के बाद वो आपकी आदत में शुमार हो जाएगा।

कमरा व्यवस्थित करें

कई बार कमरे की अरेंजमेंट भी नींद न आने का कारण होता है। अगर आप डिम लाइट में सोना पसंद करते हैं तो एक कम वॉट का बल्ब लगाएं। अंधेरा पसंद करते हैं तो मोटे पर्दे लगाएं जिससे बाहर से रोशनी न आ पाए। अपनी चादर, रजाई, तकिए ऐसे रखें, जिनमें आप पूरी तरह से आरामदायक महसूस करे सकें।

गैजेट्स से बनाएं दूरी

मोबाइल फोन और लैपटॉप के इस्तेमाल का एक समय तय करें। रात में नींद न आने का सबसे बड़ा कारण यही होते हैं। ऑफिस के काम को कभी भी घर पर न लेकर आएं। अगर आप 10 या 11 बजे सोते हैं, तो 8 या 9 बजे के बाद मोबाइल फोन को साइलेंट मोड पर रख दें।

वर्कआउट करें

अगर किसी भी तरह से सोने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं तो सुबह या शाम में वर्कआउट जरूर करें। रोज एक्सरसाइज करना सोने में बहुत मददगार साबित होता है। लेकिन अगर शाम को वर्कआउट करते हैं तो सोने से पहले 3-4 घंटे पहले ही उसे खत्म करें।

बॉडी को फिट रखने के लिए करें ये 3 एक्सरसाइज

जरूरी नहीं कि जिम और योगा क्लासेस जाकर ही सेहत बनाई जाए। घर के कामों को करते हुए भी खुद को फिट एंड फाइन रखा जा सकता है। घरेलू काम करने से बॉडी एक्टिव बनी रहती है और उसे एनर्जी भी मिलती है। जानेंगे ऐसे ही कुछ एक्सरसाइज, जिनसे हिप्स, थाईज और पेट की चर्बी को आसानी से कम किया जा सकता है।

सूमो स्क्वैट्स

कुर्सी लें और उसकी तरफ पीठ करके खड़े हो जाएं। बायां पैर फैलाएं (कमर की चौड़ाई से अधिक दूरी पर) शरीर का वजन एड़ियों पर डालें और पंजे जमीन से ऊपर की ओर उठाएं। सीना तानकर रखें, हाथ नमस्ते की तरह रखें और कुर्सी पर बैठने की अवस्था में आएं, लेकिन बैठें नहीं। तुरंत ऊपर उठें, हाथों को ऊपर उछालें, जैसे हवा में कुछ फेंक रहे हों और शरीर का सारा वजन पंजों पर ले आएं (एड़ियों को उठा लें) इसे 20 बार करें, फिर दाएं पैर से दोहराएं।

वी ट्विस्ट

सीधा खड़े हो जाएं, एड़ियों को पूरी तरह चिपका लें और पंजों को 3 से 4 इंच की दूरी पर रखें। एड़ियों को जमीन से 1-2 इंच ऊंचा उठाएं और घुटने मोड़ें। सीना तानकर रखें। अब हाथों को शरीर से दूर ले जाएं और कोहनियों को थोड़ा मोड़ें, ताकि हाथों को आगे-पीछे घुमाया जा सके। कमर से नीचे का हिस्सा स्थिर रखें और बाईं ओर से पीछे मुड़ें (चित्र में देखें) तुरंत सामने आएं और फिर दाईं ओर से इस प्रक्रिया को दोहराएं। इसे लगातार 20 बार करें। यदि आसानी से घुटने मुड़ पा रहे हों और कमर व घुटनों में दर्द की शिकायत न रहती हो, तो घुटनों को ज्यादा मोड़ें, जैसे कुर्सी पर बैठे हों।

नी कैच

चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं। कूल्हों के नीचे एक छोटा-सा तकिया लगा लें और सिर के नीचे हाथों को रखें। पैरों को ऊपर उठाएं और सीधा रखें। ध्यान रहे, पैरों को एकदम ऊंचा नहीं उठाना है, ऐसे में पेट पर बल आएगा, जो शरीर के लिए अच्छा है। अब दाएं पैर के घुटने को थोड़ा-सा मोड़ें। पैर मोड़ने पर दायां तलवा बाएं पैर के टखने तक आना चाहिए। 2-3 सेकंड्स रुकें और पहले वाली अवस्था में आ जाएं। अब यही प्रक्रिया बाएं पैर से दोहराएं। इसे 30 बार करना है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**